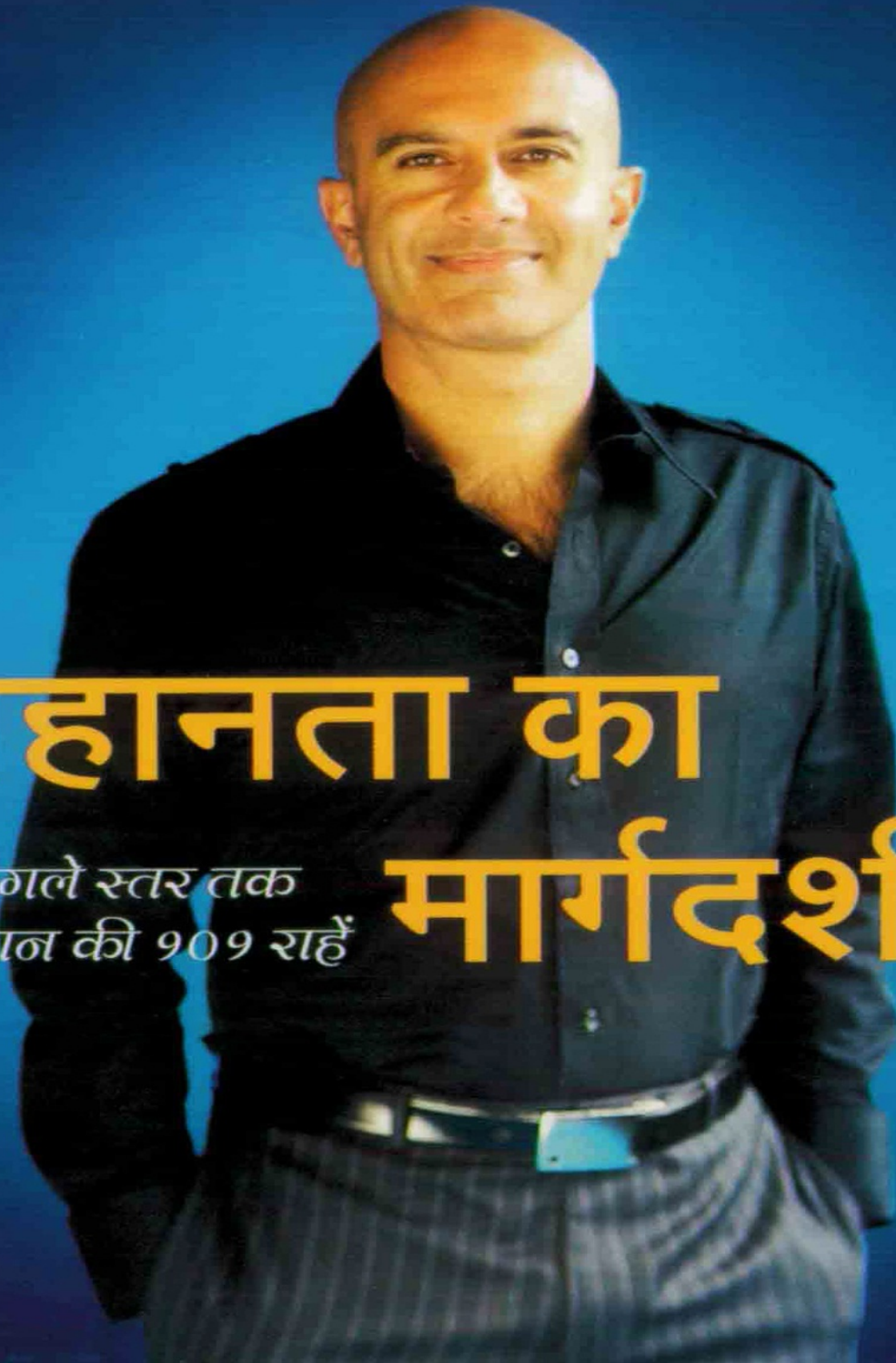


रॉबिन शर्मा



THE GREATNESS GUIDE 2

NOW IN
HINDI



महानता का

अगले स्तर तक
उत्थान की 909 राहें

मार्गदर्शक 2

Robin Sharma's books have sold 15 million copies worldwide.

**15
MILLION
COPIES
SOLD**



Would you like to receive our FREE Jaico monthly newsletter?

Drop us a mail with your name, contact details and comments:

whatsnew@jaicobooks.com.

We look forward to hearing from you.



महानता का मार्गदर्शक 2

अगले स्तर तक उत्थान की 909 राहें

THE GREATNESS GUIDE 2



रॉबिन शर्मा



जयको पब्लिशिंग हाउस

अहमदाबाद बेंगलोर भोपाल भुवनेस्वर चेन्नई
दिल्ली हैदराबाद कोलकाता लखनऊ मुम्बई

प्रकाशक
जयको पब्लिशिंग हाउस
ए-2 जश चेंबर्स, 7-ए सर फिरोजशाह मेहता रोड
फोर्ट, मुंबई - 400 001
jaicopub@jaicobooks.com
www.jaicobooks.com

© रॉबिन शर्मा

हारपर कालिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड,
टोरंटो, कनाडा के सहयोग से

THE GREATNESS GUIDE 2

महानता का मार्गदर्शक २
ISBN 978-81-8495-315-2

अनुवादक: विजय नंदन

पहला जयको संस्करण: 2012

छठा जयको संस्करण: 2017

बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के इस पुस्तक का कोई भी भाग, किसी भी प्रकार से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, न कॉपी किया जा सकता है, न रिकार्डिंग और न ही कम्प्यूटर या किसी अन्य माध्यम से स्टोर किया जा सकता है।

उन्हें, जो सपने पालते हैं—उन वीर आत्माओं को, जो अपने उच्चतम आदर्शों की उत्कट खोज में अपने आलोचकों के कोलाहलों की परवाह नहीं करते। आप सब महान व्यक्ति हैं।

पाठ तालिका

- 1 आप अपने सर्वोत्तम बनें
- 2 अदृश्य बाड़ें
- 3 सरल की शक्ति
- 4 इतने अच्छे बनें कि कोई आपकी अनदेखी न कर सके
- 5 एक सफलता विस्तारक सिद्धांत
- 6 चमकदार जूते पहना करें
- 7 गौर से सुना करें
- 8 डेविड की तरह सपने देखें
- 9 इसे अभी कर डालें
- 10 बस भले बने रहें
- 11 गलतियां नहीं होतीं
- 12 कल की साफ स्लेट
- 13 कृतज्ञता में महान बनें
- 14 तेजी से चार्ज ग्रहण करें
- 15 योजनाएं मूल्यहीन होती हैं
- 16 अपनी आंखें खोलें
- 17 गौरव के प्रतीक
- 18 अव्यावहारिक बनें
- 19 सभी नेतृत्वकर्ता एक जैसे नहीं
- 20 मैं अपनी गलतियों से सीखता हूं (कभी-कभी)
- 21 जोरदार सवाल उठाएं
- 22 विस्मयकारी रूप से विनम्र बनें
- 23 एक विशिष्ट ब्रांड बनें
- 24 विवाद से प्यार करें
- 25 दायित्व मीटर
- 26 विकास की ललक
- 27 श्रेय महत्वपूर्ण नहीं
- 28 स्वीकार करने की समझदारी
- 29 एक सुंदर चिंतक बनें
- 30 धारणाएं महत्वहीन हैं
- 31 क्या आप लतीफा बनने योग्य हैं?

- [32 शक्ति कैसे हासिल करें](#)
- [33 आदतें चलन हैं](#)
- [34 पूर्ण पलों की खोज करें](#)
- [35 प्रशंसा का विरोधाभास](#)
- [36 भाग्य बनाम नियम](#)
- [37 ऊंट की पीठ जैसी स्थिति](#)
- [38 अतिरिक्त 1 प्रतिशत लगाएं](#)
- [39 परस्परता को याद रखें](#)
- [40 जो आप महसूसते हैं उसे कहें](#)
- [41 रिचर्ड ब्रैनसन एवं असाधारण आशावाद](#)
- [42 पीड़ित-वचन से सावधान](#)
- [43 मैं भी पूरी क्षमता से लगा हूं](#)
- [44 अत्यंत कड़ी कोशिश बंद करें](#)
- [45 दर्पण जांच](#)
- [46 असुविधाजनक मित्रों की तलाश करें](#)
- [47 आप जहां हैं, कुछ नया करें](#)
- [48 बच्चों के पालन में गौरव](#)
- [49 अदृश्य प्रयास](#)
- [50 परिवर्तन की प्रतीक्षा न करें](#)
- [51 महान संबंधों के प्रथम सिद्धांत](#)
- [52 चिंता बनाम चिंतन](#)
- [53 दूसरों पर भरोसा करें](#)
- [54 अभ्यास सर्वोत्तम व्यवहार है](#)
- [55 पीड़ा आपका बड़ा भला करती है](#)
- [56 आपकी टीम आपके जितनी ही अच्छी होगी](#)
- [57 संगीत जीवन को बेहतर बनाता है](#)
- [58 अपने बहानों के लिए संघर्ष न करें](#)
- [59 हमेशा जुड़ाव करते रहें](#)
- [60 कौन-सी चीज आपको अलग करती है](#)
- [61 वक्त बहुत तेजी से गुजरता है](#)
- [62 नीरवता को क्या हो गया?](#)
- [63 एक बेदाग चरित्र](#)
- [64 लोगों को आजाद करें](#)
- [65 गौर से सुनने का एक दिन](#)
- [66 होशियार कंपनियां भावनाएं जीतने की स्पर्द्धा करती हैं](#)
- [67 जब आप जानेंगे तो जान जाएंगे](#)
- [68 एक हीरो बनें](#)

- [69 योजना क्यों?](#)
- [70 पाने के लिए मांगें](#)
- [71 नई चीजें करें](#)
- [72 स्वयं पर स्वामित्व के बारे में](#)
- [73 अलोकप्रिय बनें](#)
- [74 अपनी महानता को अपनाएं](#)
- [75 कोल्डप्ले जैसे बनें](#)
- [76 उतना अधिक सोना बंद करें](#)
- [77 लम्बवत जाएं](#)
- [78 अपना जीवन जिएं](#)
- [79 पाने के लिए दें](#)
- [80 जे.के. जैसे बनें](#)
- [81 प्रतिबद्धता को क्या हो गया?](#)
- [82 आनंदित हों अथवा दुखी हों](#)
- [83 सेतु बनाएं, दीवारें नहीं](#)
- [84 शीघ्र विफल हों](#)
- [85 आपके विकास में देवदूत](#)
- [86 उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करें](#)
- [87 विचारों का एक कारखाना बनें](#)
- [88 अपना सत्य बोलें](#)
- [89 नेतृत्व घर से आरंभ होता है](#)
- [90 सम्मान सर्वोपरि है](#)
- [91 माइकल जे. फॉक्स से सीखें](#)
- [92 सफर मंजिल पाने जैसा ही अच्छा है](#)
- [93 सफलता क्या है?](#)
- [94 आपकी सर्वोच्च स्वतंत्रता](#)
- [95 हॉलीवुड की तरह करें](#)
- [96 महानता के बोझ पर](#)
- [97 एक गहन जीवन जिएं](#)
- [98 अपनी छाप छोड़ें](#)
- [99 उपलब्धि-समूह का सृजन करें](#)
- [100 मंडेला जैसे बनें](#)
- [101 क्या आप आज महान होंगे?](#)

“हमारा जीवन उस दिन से खत्म होना शुरू होता है, जिस दिन हम महत्वपूर्ण चीजों के बारे में
चुप्पी साध लेते हैं।”
मार्टिन लूथर किंग, जू.

1

आप अपने सर्वोत्तम बनें

वॉरेन बफे ने एक बार कहा, “आप से बेहतर आप कभी नहीं होगा।” शानदार अंतर्दृष्टि। एक शानदार व्यक्ति की। मुझसे बेहतर मैं कभी नहीं होगा। और आपसे बेहतर आप कभी नहीं होगा। कुछ लोग आपके सोचने, बोलने और करने के तौर-तरीके की नकल का प्रयास भले ही कर लें। किंतु चाहे कितनी भी कोशिश करें, वे आपसे कमतर आप होंगे। क्योंकि आप अनोखे हैं। आज की तारीख में आप जैसे केवल आप ही जीवित हैं। अरबों-अरब लोगों के बीच। क्या यह आपको ठहर कर कुछ सोचने के लिए बाध्य नहीं करता? आप यह महसूस करने के लिए मजबूर होते हैं कि आप कुछ खास हैं। नहीं, बहुत खास हैं। और यह भी कि यहां वस्तुतः कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है।

और इसलिए, एक ऐसे विश्व में, जिसे ऐसे व्यक्तियों की कहीं ज्यादा जरूरत है जो अपने जीवन में कुछ असाधारण कर रहे हों, अपने कदम रखते हुए आप आज क्या करेंगे? क्या आप अपनी छिपी हुई शक्तियों का और अधिक उपयोग करेंगे? क्या आप अपनी स्वाभाविक रचनाशीलता को और अधिक आजादी देंगे? क्या आप अपनी प्रामाणिकता को और अनावृत्त करेंगे? और आप जो होने के लिए बने हैं उसे और अधिक होंगे? मैं उत्सुक हो रहा हूं। क्योंकि आपके लिए अपना सर्वोत्तम होने का आज से बेहतर वक्त फिर नहीं होगा। और यदि अभी नहीं तो फिर कब? मुझे इस बिंदु पर विख्यात दार्शनिक हेरोडोटस की उक्ति याद हो आती है: अनिष्ट के भय से कायरतापूर्ण निष्क्रियता की बजाए सच्ची साहसिकता के द्वारा आशंकित बुराइयों के आधे का शिकार बन जाने का जोखिम उठाना बेहतर है।” कितनी सुंदरता से कथित।

आपके लिए अपना सर्वोत्तम होने को आज से बेहतर वक्त फिर नहीं होगा।

2

अदृश्य बाड़ें

मैं लॉस एंजलस के हवाईअड्डे में बैठा हूँ। यहाँ जेनरल इलेक्ट्रिक के क्षमतावान कर्मियों के एक समूह को संबोधित करने आया था। बिना खिताब के नेतृत्व करने के विषय में। विश्वस्तरीय होने के बारे में। वे जो कुछ भी करते हैं उनमें अपनी बेलाग महानता प्रदर्शित करने के बारे में।

अपनी प्रस्तुति के पश्चात मैं सोचने लगा कि क्यों हममें से इतने अधिक लोग अपने जीवन के केंद्रीय क्षेत्रों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते। हम क्यों बदलाव से बचते हैं। हम कुछ नया कर हममें से प्रत्येक के अंदर मौजूद महान रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित क्यों नहीं करते। हम अपनी जीवन-पुकार को स्वीकार करने से क्यों इनकार कर देते हैं। और हममें से इतने अधिक लोग प्रशंसनीय होने से क्यों कटते हैं। मैं किस उत्तर पर पहुंच पाया? अदृश्य बाड़ें।

मैं जिस विषय में कह रहा हूँ वह इस प्रकार है: पिछले सप्ताह मैं ड्राइव करते हुए दूर देहात की ओर निकल गया। ताकि मैं सांस ले सकूँ। तरीताजा हो लूँ। कुछ चिंतन करूँ। मैंने कुत्तों को प्रशिक्षित करने वाली एक कंपनी के द्वारा किसी के लॉन में लगा एक संकेत देखा। यह एक अदृश्य बाड़ के बारे में कुछ बता रहा था। यह एक पद्धति है जो एक ऐसी अदृश्य बाड़ स्थापित कर देती है जिसे कुत्ता पार नहीं कर सकता। अंततः वह कुत्ता इसका इतना अभ्यस्त हो जाता है कि उस बाड़ के हट जाने के बाद भी उसकी दौड़ वहीं रुक जाती है। वह कुत्ता काल्पनिक सीमाएं निश्चित कर लेता है जो उसकी वास्तविकता तय कर देती हैं। हम भी उसी तरह हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, अपनी चहुंओर की दुनिया से नकारात्मक विश्वासों, मिथ्या धारणाओं और विध्वंसक भयों को अपना लेते हैं। ये हमारी अदृश्य बाड़ों में बदल जाते हैं। यह विश्वास कर लेते हैं कि वे वास्तविक हैं। अपने काम में (और जीवन में) जब हम उनसे टकराते हैं तो फिर वापस हो लेते हैं। हम यह मान लेते हैं कि यह सीमा वास्तविक है। इसलिए हम उन सभी हेतुओं से-जिनके लिए हम बने हैं, जिनके लिए हम सक्रिय हैं या जो हमारे पास हैं-भागते हैं। यह भ्रम कितना असल लगता है। किंतु यह है नहीं। कृपया यह याद रखें।

अतः मैं आपका आह्वान करता हूँ कि आप अपनी अदृश्य बाड़ों पर सवाल करें। उनके प्रति जागरूक हों। उनका अवलोकन करें। उन्हें चुनौती दें। ताकि उनमें से किसी एकसे जब आपका सामना हो, तो बजाए इसकी कि उससे भाग चले, आप अपनी इच्छाशक्ति तथा आंतरिक प्रतिभा के दम पर उसे भेद जाएं। उन सुंदर संभावनाओं की ओर जिनके लिए आपका यह जीवन बना है। क्योंकि जिसका आप प्रतिरोध करेंगे, वह अड़ा रहेगा। किंतु जिसे मित्र बना लेंगे, उसे पार कर लेंगे।

जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, अपनी चहुंओर की दुनिया से नकारात्मक विश्वासों, मिथ्या धारणाओं और विध्वंसक भयों को अपना लेते हैं। ये हमारी अदृश्य बाड़ों में बदल जाते हैं।

3

सरल की शक्ति

मैं अपने बच्चों से कितना कुछ सीखता हूँ। वे न केवल मेरे नायक हैं—वे दोनों मेरे सर्वोत्तम शिक्षकों में शामिल हैं। उन्होंने मुझे दिखाया है कि किस तरह वर्तमान क्षण में जिया जाता है, जीवन को एक साहसिक अभियान के रूप में देखने में मेरी मदद की है और मुझे अपना दिल खोलने की कला सिखाई है। फिर उन्होंने सरल की शक्ति के कितने ही सबक भी मुझे सिखाए हैं। इन दिनों मैं सरल की ही चर्चा करता हूँ। एक सरल संदेश कि हर व्यक्ति एक नेतृत्वकर्ता है—चाहे वह कुछ भी करता हो या कुछ भी हो। लोगों तथा संगठनों को विश्वस्तरीय बनने में सहायक सरल विचार तथा साधन (जो वस्तुतः काम करते हैं)। और कहीं अधिक सरल जीवन जीना (क्योंकि दिल से, मैं एक बहुत ही सरल व्यक्ति हूँ)। मैं समझता हूँ कि सरल अत्यंत शक्तिशाली है (गूगल के सहसंस्थापक सर्जी ब्रिन ने इस मुद्दे को अत्यंत सुघड़ता से समझाते हुए अपनी कंपनी में कहा, “सरलता से ही सफलता मिलेगी।”) यहीं से मैं अपने पुत्र, कोल्बी, पर आता हूँ।

हम दोनों कुछ सप्ताह पूर्व न्यूयार्क गए। उद्देश्य था कोल्बी के तेरहवें जन्मदिन का जश्न मनाना। किसी बच्चे के किशोरावस्था में प्रवेश का मौका तो बस एक ही बार आता है। एक ऐसा अनुभव जिसे साझा करने की योजना हमने बहुत पहले बना रखी थी। हम सोहो में रुके। फाओ श्वार्ज में खिलौने खरीदे। (खाने के लिए पृथ्वी पर मेरे पसंदीदा स्थलों में से एक) ब्रेड में एक सुंदर लंच लिया। और महान नाटक विकेड का मंचन देखा। मूल्यवान आनंदों और अविस्मरणीय स्मृतियों से भरा एक सप्ताहांत। एक पिता और उसके पुत्र के बीच।

रविवार की रात घर की वापसी उड़ान पर मैंने अपने किशोर मित्र से पूछा, “तुम्हें हमारे सप्ताहांत में कौन-सी चीज सबसे पसंद आई?” वह मौन बैठा रहा। गहराई से सोचते हुए। फिर वह मुस्कराया। “डैड, कल आपने सड़क पर मेरे लिए जो हॉट डॉग खरीदा, वह मुझे सबसे प्यारा लगा।” सरल की शक्ति।

सरलता से सफलता मिलेगी।

4

इतने अच्छे बनें कि कोई आपकी अनदेखी न कर सके

नवोदित हास्य कलाकारों के लिए विख्यात हास्य कलाकार स्टीव मार्टिन की एक सलाह है, “इतने अच्छे बनें कि कोई आपकी अनदेखी न कर सके।” इसे हृदयंगम कर लें। जीवन उनकी सहायता करता है जो समर्पित हैं। आप जीवन को जितना ज्यादा देते हैं, वह उतना ही अधिक आपकी झोली भरता है। यदि आप अपने कार्यों में अत्यंत कुशल हैं—जहां आप हमेशा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन और उत्कृष्टता का समर्थन करते हैं—तो यह हो ही नहीं सकता कि अंत में आपकी जीत न हो। (दि ग्रेटफुल डेड की जेरी गार्सिया ने एक बार कहा, “आप केवल सर्वोत्तम में सर्वोत्तम ही नहीं बनना चाहते। आप स्वयं के लिए यह भी कहलाना चाहते हैं कि आप जो कुछ करते हैं उसे केवल आप ही कर सकते हैं।”)

हां, कभी-कभार निराशा आ घिरेगी। ऐसा सबके साथ होता है। हम पुरजोर कोशिशें करते हैं, अपने सपनों के प्रति पूरी वफादारी तथा आदर्शों के प्रति निष्ठा रखते हैं। फिर भी कुछ नहीं होता। या फिर वैसा लगता है। लेकिन हमारे द्वारा चुने गए हर विकल्प का कुछ प्रयोजन होता है। और प्रत्येक कदम का मूल्य होता है। जीवन अपने हिसाब से चलता है, हमारी इच्छा से नहीं। धैर्य रखें। आस्थावान रहें। एक संगतराश की तरह बनें, लगातार पत्थर तराशते हुए, रोज ब रोज। अंततः एक अंतिम प्रहार पत्थर फोड़ कर हीरे को बाहर निकाल लाता है। एक उत्साही और समर्पित व्यक्ति को, जो अपने काम में अद्वितीय रूप से प्रवीण है, कभी उपेक्षित किया ही नहीं जा सकता। यह सच है।

स्टीव मार्टिन की अंतर्दृष्टि मुझे बहुत गहराई से छूती है। “इतने अच्छे बनें कि कोई आपकी अनदेखी न कर सके।” (प्रबंधन गुरु पीटर ड्रकर ने इसी बात को थोड़े भिन्न रूप में यों कहा: “अच्छे बनें अथवा बाहर हो जाएं।”) इस दर्शन को कार्यरूप में परिणत करें। अपनी दुनिया में लागू करें। अपनी प्रतिभाओं और क्षमताओं के प्रदर्शन के साहस से आप शानदार प्रतिफल प्राप्त करेंगे। जीवन अंततः न्याय करता ही है। इसका विश्वास करें।

जीवन अंततः न्याय करता ही है। इसका विश्वास करें।

5

एक सफलता विस्तारक सिद्धांत

यह एक शक्तिशाली नुस्खा है जिसे यदि आपने अपने अस्तित्व की जड़ों से अंगीकार कर लिया, तो यह आपके कार्यों एवं जीवनपद्धति में क्रांति ला सकता है: आपमें जिन चीजों का डर समाया हुआ है, उनकी ओर आगे बढ़ने की आपकी तैयारी के अनुरूप ही आपका जीवन विस्तार पाएगा अथवा संकुचित हो जाएगा। जिनसे डरते हैं उन्हें करें और आप सफलता प्राप्त करेंगे। उनसे दूर भागें और आप महानता से दूर हो जाएंगे। इस पर मुझे वे पंक्तियां याद हो आती हैं जिन्हें फ्रैंक हर्बर्ट ने ड्यून में लिखा: “मुझे डरना हरगिज नहीं चाहिए। डर मस्तिष्क को मार देता है। डर एक छोटी मौत है जो सब कुछ समाप्त कर देता है। मैं अपने डर का सामना करूंगा। मैं इसे अपने ऊपर से तथा अपने से होकर गुजर जाने दूंगा। और जब यह गुजर जाएगा तो मैं अपनी आंतरिक दृष्टि घुमा कर उसके जाने के रास्ते को देखूंगा। यह डर जहां से गुजर गया वहां कुछ भी नहीं रहेगा। केवल मैं शेष रहूंगा।”

जब एक ऐसी परिस्थिति से आपका सामना होता है जो आपको असहज, असुरक्षित या भयभीत कर देती है, और इसके बावजूद, आप भाग जाने की बजाए मजबूती से खड़े रहते हैं और वह करते हैं जो आपको करना चाहिए—तब हैरतभरी चीजें घटित होती हैं। सबसे पहले तो आपको यह बोध होता है कि वह डर अधिकांशतः तो एक भ्रममात्र था। और दूसरे, अपनी बहादुरी के लिए आपको किसी न किसी तरह का अनपेक्षित पुरस्कार प्राप्त होता है, क्योंकि प्रत्येक डररूपी दरवाजे की दूसरी ओर व्यक्तित्व में बढ़ोतरी, आत्मविश्वास एवं बुद्धिमत्ता समेत शानदार उपहार प्रतीक्षा करते हैं। इसे मैंने बार-बार देखा है। मैं तो अनुमान करता हूं कि यह जीवन का एक नियम है। इसलिए डर का पीछा करें। छोटी चीजों से शुरुआत करें। धीमा और लगनशील हमेशा ही दौड़ जीत लेता है। और फिर देखें कि आप जिन सफलताओं के सर्वथा योग्य हैं, वे कैसे सामने आने लगती हैं। तब, जब आपको उनकी सख्त जरूरत होती है।

प्रत्येक डररूपी दरवाजे की दूसरी ओर शानदार उपहार प्रतीक्षा करते हैं।

6

चमकदार जूते पहना करें

हां, उच्च कोटि के नेतृत्वकर्ता होने के लिए यह कतई जरूरी नहीं कि आपके जूते चमकते हों। और कृपया याद रखें, नेतृत्व का संबंध आपके पद से नहीं होता। यह तो आपके 'होने' का एक तरीका है—सटीक ढंग से कहा जाए तो इसका अर्थ है—बिना किसी खिताब के नेतृत्व करना। नेतृत्व का आशय है कि आप खुद को विश्वस्तरीय बनाएं, व्यक्तिगत जिम्मेदारी लें (न कि पीड़ित पक्ष बन जाएं), अपने प्रभाव क्षेत्र के भीतर उत्कृष्ट बनें, सुंदर संबंधों का सृजन करें और अपने उदाहरण से औरों को ऊंचा उठाएं। इस अध्याय में मेरा आशय सिर्फ इतना है: आप छोटी चीजें जिस तरह करते हैं, वह बहुत कुछ बता देता है कि आप बड़ी चीजें किस तरह करेंगे। अपनी छोटी गतिविधियों को आपके द्वारा दोयम ढंग से अंजाम देना बड़ी गतिविधियों की बारी आने पर भी आपको दोयम दर्जे पर ही बनाए रखेगा।

यदि आपका घर या उसका प्रांगण सुव्यवस्थित है तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आपका जीवन भी सुव्यवस्थित होगा। यदि आप अपने मित्रों के जन्मदिन याद रखने अथवा प्रत्येक बैठक के बाद सभी सहयोगियों को धन्यवाद-संदेश भेजने जैसी बारीकियों के प्रति सजग है तो मेरा अनुमान है कि आप अपने बड़े कार्यक्रमों तथा ऊंचे अवसरों के प्रति भी सजग रहेंगे। यदि आपका कार्यस्थल पूर्णतः स्वच्छ रहता है तो इसकी बहुत संभावना है कि आपके द्वारा आपके ग्राहकों के लिए किए जाने वाले कार्यों में भी उत्कृष्टता के प्रति आपकी वही प्रतिबद्धता प्रकट होगी। (किसी भी व्यवसाय के बारे में वहां के बाथरूमों की स्वच्छता के आधार पर मैं बहुत कुछ कह सकता हूं: एक सुंदर स्वच्छ बाथरूम यह पुकारता-सा प्रतीत होता है कि “हम ध्यान देते हैं।” यह ध्यान देना ही ग्राहकों की शानदार सेवा में तब्दील हो जाता है।)

अतः हर पहलू पर गौर करें। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें (एक झक्की की तरह)। इसे ही अंग्रेजी में ऑबसेसिव अटेंशन टू डीटेल्स (ओएडी) कहते हैं। आप भी ओएडी के लिए प्रतिबद्ध हों। विश्वस्तरीय लोग और संगठन हमेशा यही करते हैं। क्योंकि छोटी चीजें वस्तुतः बड़ी होती हैं।

मेरा आशय सिर्फ इतना है: आप छोटी चीजें जिस तरह करते हैं, वह बहुत कुछ बता देता है कि आप बड़ी चीजें किस तरह करेंगे।

7

गौर से सुना करें

सुप्रसिद्ध डिजाइनर ब्रुस माउ के इन अत्यंत महत्वपूर्ण शब्दों पर गौर करें जिन्हें मैं आपसे साझा करने की जरूरत महसूस करता हूं: “हमारे कार्यक्षेत्र में प्रविष्ट होने वाला हमारा प्रत्येक सहयोगी अपने साथ एक ऐसी दुनिया लेकर आता है जो हमारी कल्पना की उड़ान से भी अधिक विचित्र और जटिल हो सकती है। उनकी जरूरतों, इच्छाओं या महत्वाकांक्षाओं के हर पहलुओं और सूक्ष्मताओं को सुन कर ही हम अपनी दुनिया से उनकी दुनिया का तालमेल बिठाते हैं। फिर दोनों में से कोई भी पक्ष पहले जैसा नहीं रह जाता है।”

हमारी बातचीत ही हमारा रूपाकार तय करती है। हम जिन विचारों को सुनते हैं और जिन लोगों से मिलते हैं, उनका हम पर असर पड़ता है। (एक बड़ा तरीका: आपसे मिलने वाला प्रत्येक व्यक्ति कम से कम कोई एक ऐसी चीज जानता है जिसे आप नहीं जानते; उस चीज को सीखे बिना उस व्यक्ति को जाने न दें)। गौर से सुनना व्यक्तिगत तथा पेशेवर उत्कृष्टता का सर्वोच्च कौशल है। नेतृत्व करने वाले हमेशा ही गौर से सुनते हैं। वे आश्चर्यजनक कुशलता से सुनते हैं। माउ बिल्कुल सही बताते हैं: जब हम किसी व्यक्ति को सुनने की गहराई में प्रवेश करते हैं, उन्हें अपनी जानकारीयां हम अपने साथ साझा करने देते हैं, तब हमारे पास यह अवसर होता है कि हम उनसे कुछ सीखें और अपने उच्चतम तथा सर्वोच्च स्तर तक विकसित हों। यदि आप इतने भाग्यशाली हैं कि आप एक सही समय पर सही व्यक्ति से बातें कर रहे हैं, तो कदाचित् वह एक अकेला संवाद आपकी सोच, भावना और व्यवहार के तौर-तरीके को हमेशा के लिए तब्दील कर दे सकता है। आपको उनका जादुई स्पर्श छुएगा और आप रूपांतरित हो जाएंगे। बेहतर होने के लिए।

आपसे मिलने वाला प्रत्येक व्यक्ति कम से कम कोई एक ऐसी चीज जानता है
जिसे आप नहीं जानते; उस चीज को सीखे बिना उस व्यक्ति को जाने न दें।

8

डेविड की तरह सपने देखें

एक व्यक्ति ऐसा है कि काश, आप उससे मिल पाते। उससे मेरा परिचय तब कराया गया जब मैं व्यवसाय और सामाजिक नेतृत्वकर्ताओं के सम्मुख व्याख्यान के लिए मेक्सिको सिटी में था। मैं उसकी कहानी से द्रवित हो उठा। और उसके साहस के सामने मैंने खुद को छोटा महसूस किया।

डेविड मेजिया जब पैदा हुए तो उनके कान न थे। डॉक्टरों ने बताया था कि वे अपने पूरे बचपन के दौरान कम सुनेंगे और उनके द्वारा पूरा वयस्क जीवन जी सकने की संभावना कम रहेगी। उनकी युवावस्था एक ऑपरेशन के बाद दूसरे ऑपरेशन के दौर से गुजरती बीती। उन्हें बहुत पीड़ा झेलनी पड़ी तथा अपनी शक्ति को लेकर सहपाठियों के पीड़ादायक व्यंग्यबाण सहने पड़े, किंतु डेविड ने हिम्मत न हारी। महानता बहुत कुछ इस बात से तय होती है कि आप अपनी विफलताओं में भी जमे रहते हैं या उनके द्वारा मिटा दिए जाते हैं। डेविड ने सपने देखे। कड़ी मेहनत की। विश्वास का दामन थामे रखा। क्योंकि वह जानते थे कि वे असाधारण कार्यों को करने के लिए बने थे।

डेविड मेजिया को कई दैवी उपहार भी मिले हैं। उन्हें एक शक्तिशाली मस्तिष्क मिला है। एक बड़ा दिल भी। और ताकतवर जोशो-खरोश। उन्हें शानदार माता-पिता भी मिले जो उनसे लगभग नित्यप्रति यह कहा करते कि यदि तुम अपने जीवन से सर्वोत्तम पाने का प्रयास करो तो तुम उसे पा लोगे। माता-पिता ने उन्हें सिखाया कि कभी भी पीड़ित मत बनो और चुनौतियों के बीच अवसर की तलाश करो। उन्होंने वैसा ही किया है। अद्भुत कुशलता के साथ।

मैं मेक्सिको सिटी में जिस व्यक्ति से मिला, वह एक नेतृत्वकर्ता है। एक नायक है। एक प्रेरणा है। क्यों? क्योंकि जीवन ने उनके लिए जो भी भेजा उसे उन्होंने स्वीकार किया। और जबकि हममें से अधिकांश उसका रोना रोते अपने दिन गुजार देते, उन्होंने उसे सोने में बदल डाला। अब उन्होंने कृत्रिम कान धारण कर लिए हैं। वे स्वस्थ हैं और उल्लेखनीय रूप से सक्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर में शानदार सफलताएं अर्जित की हैं। उनका दांपत्य जीवन अतीव प्रेम और खुशियों भरा है। उनके मित्रों की संख्या मेरे अधिकतर परिचितों के मित्रों की संख्या से अधिक है (मेरे मित्रों से तो कहीं ज्यादा)। और एक ऐसी दुनिया में जहां जिनके पास रोने के लिए कुछ भी नहीं, उनका भी ज्यादातर वक्त छोटी-छोटी चीजों पर रोते ही गुजरता है, डेविड विस्मयकारी ढंग से सकारात्मक हैं।

आप अंधेरे को बददुआएं दे सकते हैं, अथवा आप एक दीप जला कर खुद को एक नेतृत्वकर्ता बता सकते हैं। जीवन का सार तो बस इतना ही है कि आप खुद के लिए उपलब्ध विकल्पों का इस्तेमाल किस तरह करते हैं। और आपके द्वारा नित्यदिन चयनित विकल्पों का कुल योग ही आपकी भवितव्यता का निर्माण करता है। रोज ब रोज। हफ्ता दर हफ्ता। माह दर माह। साल दर साल। डेविड मेजिया उन विकल्पों को चुनना जानते हैं जो उन्हें उनके व्यक्तिगत शिखर पर ले जाएंगे। आप भी तो यह जानते हैं।

आप अंधेरे को बददुआएं दे सकते हैं, अथवा आप एक दीप जला कर खुद को एक नेतृत्वकर्ता बता सकते हैं।

9

इसे अभी कर डालें

आज की सुबह मिक जैगर के एकल अलबम “गॉडेस इन दि डोरवे” सुनते हुए उठा तो उसकी एक पंक्ति मेरे मस्तिष्क में बार-बार चीखती रही: “आंखें भिंगोने से क्या फायदा, यह सारा शोर तेजी से गुजर जाएगा।” सच तो है। जीवन शोर मचाता हुआ तेजी से ही तो गुजर जाता है।

जिसे आप आज ही कर सकते हैं उसे आप क्यों किसी सुदूर वक्त पर टाल दें? एक मानव के रूप में अपनी सबसे बड़ी बाजी खेलना आप क्यों भविष्य के किसी और दिन के लिए टालें? एक शानदार समय को जीने में आप क्यों अपने बुढ़ापे तक की देर करें? अभी एक दिन मैंने एक ऐसी युवती के बारे में पढ़ा जो अपने लिए किसी सेवानिवृत्ति बचत योजना के बारे में सोच रही थी। उसने कहा, “मैं यह सुनिश्चित कर लेना चाहती हूं कि मैं काफी बचत कर लूं—इस तरह कम से कम जीवन के अंत में मैं कुछ आनंद प्राप्त कर सकूंगी।” यह मेरी समझ में नहीं आता। जीवन को प्यार करने के लिए आप वृद्ध होने की प्रतीक्षा क्यों करें? मैं यह बिल्कुल ही नहीं कह रहा कि आप भविष्य के लिए योजनाएं बनाने की न सोचें। आप दूरदृष्टि रखें और एक पूर्ण जीवन के लिए जरूरी तैयारी अवश्य करें। हमेशा की तरह, यहां भी एक संतुलन साधना है। अपनी योजनाएं बनाएं। सेवानिवृत्ति के लिए बचत करें। नीतिज्ञ बनें। किंतु उसी वक्त, वर्तमान पल को भी जीएं। जीवन के खेल को जम कर खेलें। रोज-रोज के जोखिम उठाएं। बुद्धिमान। एमिरेट्स एयरलाइन का एक विज्ञापन पृष्ठता है, “पिछली दफे कब ऐसा हुआ कि आपने पहली बार कुछ किया?” बुद्धिमान।

इसलिए, अपने दिनों में रंग भरें। यह दिन आपको जो कुछ देगा उसमें सर्वोत्तम का संधान करें। खूब हंसे। खूब प्यार करें। खूब सपने देखें। और यदि कोई ऐसा अवसर है जो आगे आने वाले घंटों में आपको मिल सकता हो—और हम दोनों जानते हैं कि ऐसा होगा—उसे कस कर पकड़ लें। क्योंकि जीवन शोर मचाता हुआ गुजर जाता है। बला की तेजी से।

एक शानदार समय को जीने में आप क्यों अपने बुढ़ापे तक की देर करें?

10

बस भले बने रहें

आपके लिए एक प्रश्न: किसी जॉब की जिम्मेदारियों की सूची में “स्पष्ट दिखने योग्य भला होना” को हम क्यों कभी शामिल नहीं देखते? उन सूचियों में प्रतिदिन जरूरी तौर पर कर-करा लेने वाली हजार चीजों का जिक्र जरूर होता है, लेकिन “भला होना” तो जैसे एक अतिरिक्त चीज हो। एक पीछे जोड़ी जा सकने वाली चीज। बाद में सूझने वाला एक विचार। मैं इसे नहीं समझ पाता। मैं तो विश्वास करता हूं कि भला होना, बहुतेरे तरह से, किसी विश्वस्तरीय व्यवसाय का जीवनरक्त है। अपनी टीम के साथियों के प्रति आपका भला होना (ताकि उन्हें रोजाना काम पर आना प्रिय हो) आपकी टीम की ओर शानदार प्रतिभाओं को आकृष्ट करने और उन्हें टीम में बनाए रखने का सर्वोत्तम तरीका है। अपने आपूर्तिकर्ताओं के प्रति भला होना (ताकि वे आपके लिए आसमान से तारे तोड़ ला सकें) आपके व्यवसाय के परिचालन के लिए बहुत अच्छा है। और अपने ग्राहकों के प्रति भला होना (ताकि वे बार-बार पधारें) अपने वफादार तथा कट्टर अनुयायियों की संख्या में वृद्धि का सर्वोत्तम उपाय है। भला होना व्यवसायों को टिकाऊ बनाता है। एक उदाहरण इस प्रकार है।

मैं कल ही एक स्थानीय उद्यान में गया था। मुझे लंच के लिए प्रोटीन तथा सब्जियों की तलब हुई। मैं अत्यंत रचनात्मक मनोदशा में था और मुझे अपने मस्तिष्क की सुचारुता के लिए कुछ अच्छा आहार चाहिए था। मैंने यह तय किया कि मैं टर्की का एक हिस्सा और स्रो पी सलाद लूंगा। मैंने ऑर्डर दिया। काउंटर पर बैठी युवती ने मुस्करा कर उत्तर दिया, “यहां नियम है कि टर्की को पूरा-का-पूरा ही परोसा जाए लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि इस नियम को आपके लिए तोड़ सकूं।” एक मिनट बाद मेरे सामने टर्की का टुकड़ा हाजिर था। उसने आंखें मटका कर कहा, “मैंने आपको वह हिस्सा दिया है जो सबसे अच्छा है—आप इसे बहुत पसंद करेंगे।” और वह इसके बाद भी ऐसे ही बर्ताव करती रही। मुझे मदद करती हुई। मुझे प्रभावित करती हुई। मेरे प्रति विस्मयकारी ढंग से भली होती हुई। असाधारण ग्राहक सेवा का एक आनंददायी अनुभव। क्योंकि वह असाधारण ढंग से भली थी।

क्या आप बता सकते हैं कि मैंने आज का लंच कहाँ किया। मैं फिर वहीं पहुंच गया, क्योंकि अधिकतर लोगों की तरह मैं भी उन्हीं लोगों के साथ व्यवसाय करता हूं जो मेरे साथ भला बर्ताव करते हैं। भले लोगों की सफलता कौन नहीं चाहता? मेरी वफादारी हमेशा भले लोगों के साथ रही। उनके साथ मैंने फिर-फिर व्यवसाय किया। इससे उनके भलेपन को प्रोत्साहन मिला। विश्वस्तरीय व्यवसाय के लिए भला होना महत्व रखता है। अतः बस भले हो जाएं। रोजाना।

भला होना व्यवसायों को टिकाऊ बनाता है।

11

गलतियां नहीं होतीं

अपनी गलतियों पर खुद को कोसना बहुत आसान है। वर्तमान से प्यार करने और एक शानदार भविष्य बनाने की बजाए हममें से कितने सारे लोग अपने अतीत में ही जिए जाते हैं। कई लोग तो अपने किए से या अपनी विफलता से सालोंसाल चिपके रहते हैं। अफसोस। जीवन इतना मूल्यवान है कि इसे यों ही जाया नहीं किया जा सकता।

पर मुझे एक सवाल उठाने दें: क्या वास्तव में गलती जैसी कोई चीज होती है? पहली बात तो यह है कि कोई भी नाकाम होने या चीजों को गड़बड़ कर देने की जानी-समझी कोशिश नहीं करता। हममें से हर कोई सुबह उठता है, दुनियादारी में लग जाता है और अपनी जानकारी, हुनर तथा अपनी जिन्दगी के मौजूदा मुकाम के आधार पर जो कुछ बेहतरीन बन पड़े, करता है। लेकिन इससे भी अहम बात तो यह है कि हर एक तथाकथित गलती भी वस्तुतः सीखने का समृद्ध स्रोत होती है। पहले से ज्यादा जागरूकता और समझदारी बढ़ाने तथा बेशकीमती तजुर्बे बटोरने का मौका। तजुर्बे जो हमें कुछ करने, महसूसने तथा बेहतर बनने में मदद करेंगे। आपके जीवन में आपके साथ जो कुछ भी भला और बुरा हुआ, वह आपको आज का आप बनाने के लिए जरूरी था। उसे गलत क्यों कहें? इसलिए मुमकिन है, कुछ भी गलत नहीं हुआ। जिन्हें हम नाकामियां कहते हैं, मुमकिन है, वे भेड़िए के वेष में वस्तुतः तरक्की के सबक रहे हों। और यह भी मुमकिन है कि जिस इंसान को ये सबक ज्यादा मिलते हैं, वही जीतता है।

आपके जीवन में आपके साथ जो भी भला और बुरा हुआ, वह आपको आज का आप बनाने के लिए जरूरी था।

12

कल की साफ स्लेट

आज की मध्यरात्रि में आप एक विस्मयकारी उपहार प्राप्त करेंगे: 24 घंटों का नया समय। ये घंटे शुद्ध, निर्दोष तथा असीमित हैं। ये आपको यह मौका पेश करते हैं कि आप हिम्मत दिखाएं, बेहतररीन व्यवहार करें, लोगों से करुणा का संबंध बनाएं और खुद पर काबू पाने की वे नई आदतें डालें जो आपको बेहतर मुकाम तक पहुंचा सकें। और ये घंटे आपको हंसने का अवकाश पेश करते हैं। मूल्यों के सृजन का अवकाश। अपने सपने साकार करने का अवकाश। आप मानें न मानें, आनेवाला कल अतुलनीय है। यह हर किसी को नहीं मिला करता।

मैं अभी-अभी कजाखिस्तान से लौटा हूँ। वहाँ बिताया समय बहुत प्यारा लगा। अल्माते कितना सुंदर शहर है, चारों ओर पहाड़ों तथा सेब वृक्षों से घिरा। आनंददायक लोगों से भरा और अविस्मरणीय संस्कृति से समृद्ध। मेरा वहाँ जाना मेरे लिए कितना सुखद रहा। वापसी की लंबी उड़ान में मैंने पीटर माइली की पुस्तक ए गुड इयर पढ़ी। उनकी ए इयर इन प्रोवेंस पढ़ने में मुझे मजा आया था, इसलिए मैंने सोचा कि यह पुस्तक मुझे तनावरहित कर देगी-और इसने कर भी दिया। यह पूरी तरह किसी अवकाश में पठनीय पुस्तक है। एक पंक्ति ने तो मुझे खासा प्रभावित किया: “पूरी जिन्दगी घुटनों पर जीने की बजाए खड़े-खड़े मृत्यु को प्राप्त होना बेहतर है।” अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली वाक्य। धन्यवाद पीटर माइली। इस सर्वाधिक महत्वपूर्ण चीज के प्रति मुझे जागरूक करने के लिए।

अतः कल को खास बनाएं। नहीं, इसे भीषण रूप में महान बनाएं। अनियंत्रित रूप में विस्मयकारी। एक कलाकृति-ऐसी जिसके बारे में आप अपनी तीसरी पीढ़ी के बच्चों को बता सकें। इंसान एक दिन में क्या कुछ नहीं कर सकता। हर नया दिन एक अवसर है, हम जो होने के लिए रचे गए हैं उसे और अधिक होने के लिए।

पूरी जिंदगी घुटनों पर जीने के बजाए खड़े-खड़े मृत्यु को प्राप्त होना बेहतर है।

13

कृतज्ञता में महान बनें

कुछ समय पूर्व सीएनएन के लैरी किंग लाइव में किंग ने कैरोलिन टॉमस का इंटरव्यू लिया जिनके चेहरे के अधिकांश को उनके पूर्व बॉयफ्रेंड ने गोली से उड़ा दिया था। वह चेहरे पर पट्टियां बांधे, एक आंख और ढेर सारी हिम्मत—जितनी मैंने बहुत दिनों बाद किसी व्यक्ति में देखी—के साथ बैठी थीं।

इस दृश्य ने मुझे कृतज्ञता के बारे में सोचने को प्रेरित कर दिया। एक शक्तिशाली विचार: आप अपने जीवन में जिसे मूल्य देते हैं, उसका मूल्य बढ़ जाता है। आप जिसके विषय में सोचते हैं और जिस पर गौर करते हैं, वह बढ़ने लगता है। आप जिसका महत्व समझ जाते हैं उसके महत्व में वृद्धि होने लगती है। अपने अच्छे स्वास्थ्य का मूल्य समझें। अपने परिवार का मूल्य समझें। आपको मिले उपहारों का, अपने मित्रों का, अपने कार्यों का, अपने जीवन का मूल्य समझें और आपकी दृष्टि में परिवर्तन आरंभ हो उठेगा। आप अपने जीवन के वरदानों को (बनाम टूटे हिस्सों को) देख पाएंगे।

मेरी यह सूची लंबी है। आपके लिए मेरी सलाह: 50 ऐसी चीजों को सूचीबद्ध करें जिनके लिए आप कृतज्ञ हों (हां 50)। पहली 10 चीजें तो आसान होंगी: प्रियजन, जॉब, घर इत्यादि। लेकिन नीचे जड़ों तक जाएं। खुदाई करें (मोतियों को प्राप्त करने के लिए गहरी डुबकी लगानी होती है)। इस बात के लिए कृतज्ञ हों कि आप हिन्दी (या अंग्रेजी, जापानी, स्पेनी या हिब्रू) बोल सकते हैं। कृतज्ञ हों कि आपकी दो आंखें हैं या एक स्वस्थ हृदय है या इस बात के लिए भी कि आप किसी युद्धक्षेत्र में नहीं रहते। और दूसरों के प्रति कृतज्ञ हों। उस किसान के लिए दुआ करें जिसके कर्म ने वह फल पैदा किया जो आपके नाश्ते की मेज पर है। कारखाने के उन मजदूरों के लिए दुआ करें जिन्होंने आपकी कार तैयार की। उस दुकानदार के लिए दुआ करें जहां आप अपना टूथपेस्ट खरीदते हैं। और उस व्यक्ति के लिए दुआ करें जो उस रेस्तरां में आपके लिए खाना परोसता है जहां आप अगली बार जाएंगे (यह जीवन में परिवर्तन ला देने वाली चीज है, हालांकि यह वैसी प्रतीत नहीं होती)।

कृतज्ञता की भावना। आपको प्राप्त वरदानों की गिनती। चीजों को इस रूप में न लेना कि वे आपको मिलने के लिए ही हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आपके पास कृतज्ञ होने के लिए उससे अधिक भी बहुत कुछ है जितना आपको अभी दिख रहा। इस बारे में जरा सोचिए तो। कृतज्ञता जरा महसूस तो कीजिए। फिर अपनी सीट-बेल्ट बांधिए। और देखिए कि आगे क्या होता है।

आप अपने जीवन में जिसे मूल्य देते हैं, उसका मूल्य बढ़ जाता है।

14

तेजी से चार्ज ग्रहण करें

वास्तविक नेतृत्व का सच्चा अर्थ व्यक्तिगत उत्तरदायित्व ग्रहण करना है। इसका आशय शानदार नतीजों का सृजन है। इसका मतलब कार्यों को संपन्न करा लेने का जिम्मा लेना है—चाहे आप अगली पंक्ति में शामिल हों अथवा सी-सुइट में हों। जो मैं कहना चाहता हूं वह इस प्रकार है।

कल मैं किराना सामग्रियां खरीद रहा था। पंक्ति में लगा था। बारी आगे बढ़ ही नहीं रही थी। मैंने देखा तो पाया कि आगे एक घबराई-सी महिला थी जिसका डेबिट कार्ड काम नहीं कर रहा था। दूकान का कैशियर कुछ वैसी ही मुद्रा में स्थिर था जैसी मोटर गाड़ी की हेडलाइट के सामने पड़े हिरण की होती है। वह बिल्कुल निस्पंद था। यह भी नहीं बता रहा था कि आखिर बात क्या थी (मैंने बाद में जाना कि सिस्टम ही काम नहीं कर रहा था)। उसने अपने ग्राहकों से देर के लिए क्षमायाचना भी नहीं की। काम आगे बढ़ाने की दिशा में कोई भी प्रयास नहीं किया। बस हमलोगों की ओर एक भय-मिश्रित जरा-सी मुस्कान छोड़ी और घबराहट में धीमी आवाज में मुंह से सीटी बजाने लगा। सब कुछ कितना सामान्य-सा तो लगता है, किंतु सच्चाई यह है कि नेतृत्व चुनौतियों के क्षणों में ही उभरता है, सुविधा के पलों में नहीं।

नेतृत्व तब उभरता है जब काम में—और जीवन में—चीजें हमारा इम्तिहान लेती हैं। हममें से प्रत्येक को खिताबविहीन नेतृत्वकर्ता के रूप में चुनौती का सामना करना चाहिए। जब चीजें योजनानुसार घटित नहीं होतीं, तभी हमारे चमक उठने की आवश्यकता आन पड़ती है। और हमें चीजों को अपने हाथों में लेना पड़ता है। तेजी से। अंत में सिस्टम ठीक हुआ, डेबिट कार्ड ने काम किया और मैं पंक्ति में आगे बढ़ा। पर अगली बार मैं यदि उस दूकान पर गया और मेरे सामने विकल्प मौजूद रहा तो मैं किसी ऐसे कैशियर का चयन करूंगा जो कुछ करे। जो तेजी से सोच सकता हो। जो काम करा सकता हो, जब दूसरे निस्पंद हो जाते हैं।

सब कुछ कितना सामान्य-सा तो लगता है, किंतु सच्चाई यह है कि नेतृत्व चुनौतियों के क्षणों में ही उभरता है, सुविधा के पलों में नहीं।

15

योजनाएं मूल्यहीन होती हैं

विवादास्पद शीर्षक? शायद। किंतु मैं समझता हूं यह सच है। मैंने बहुतेरे गुरुओं को यह कहते सुना है कि योजना सफलता की मुद्रा है, और सोच व्यवसाय को गति देती है और जो हम दिनभर सोचते हैं, वही बन जाते हैं। किंतु मेरे लिए तो क्रियान्वयनहीन योजना केवल भ्रम है (मैं आपको यह चुनौती देता हूं कि आप इस पंक्ति को अपनी टीम की अगली बैठक में सबसे साझा करें)। दूसरे शब्दों में, एक योजना, चाहे वह कितनी भी बड़ी हो, केवल तभी मूल्य प्राप्त करती है जब उस पर कार्य होता है और उसे मूर्त किया जाता है।

हमारी यह दुनिया ऐसे महान चिंतकों से भरी है जिन्होंने अपनी महानता को साकार नहीं किया। वे विचार पक्ष में तो अत्यंत शक्तिशाली थे किंतु क्रियान्वयन पक्ष में दुर्बल ठहरे। और इस कमी के नतीजे उन्हें झेलने पड़े। (जर्मन कवि जोहान वॉन गेटे ने कहा “आप जो भी कर सकते हैं, या सपने देखते हैं कि आप यह कर सकते हैं, उसे आरंभ कर दें। साहस में प्रतिभा, शक्ति और जादू होता है”)। विश्वस्तरीय लोगों में दोनों पक्ष सही होते हैं। वे कार्यनीति में उत्कृष्ट तथा योजना निर्माण में शानदार होते हैं। वस्तुतः रचनात्मक तथा चीजों को करा लेने में वस्तुतः निपुण।

अतः क्रियान्वयन के प्रति अपनी कटिबद्धता को झटके से आरंभ करें। अपने मस्तिष्क में उठी योजनाओं को पकड़ें और उनमें से किसी एक ऐसे उल्लेखनीय रूप से नवीन विचार की रोशनी का आनंद लें, जिसमें आपके काम करने या जीने का अंदाज बेहतर कर देने की सामर्थ्य हो। और तब अपने अंतर की गहराई में उतरें और उस योजना को साकार करने हेतु जो भी आवश्यक हो उसे करने का आत्मानुशासन पैदा करें। क्योंकि जब तक आप हरकत नहीं करते तब तक कुछ भी नहीं होता।

हमारी यह दुनिया ऐसे महान चिंतकों से भरी है जिन्होंने अपनी महानता को साकार नहीं किया।

16

अपनी आंखें खोलें

अभी मैंने कुछ ऐसा देखा जिसने मुझे स्तब्ध कर दिया। मैं अपने पसंदीदा स्टारबक्स की ओर पैदल जा रहा था। एक कार देखी, इंजन चल रहा था, पिछली सीट पर एक शिशु बैठा था—और कार में कोई ड्राइवर न था। पिता ने दूकान के सामने गाड़ी खड़ी की और अपनी सुबह की कॉफी के लिए वह तेजी से दूकान में घुस गया। बच्चे की कीमत पर कॉफी?

व्यस्तता की दौड़ तथा अपनी दिनचर्या की मांग में इस सीमा तक उलझ जाना आसान है कि हम जो कुछ कर रहे हैं उसके प्रति सचेत रहने की अनिवार्यता को भूल जाएं। “अधिकांश लोग सोचने की बजाए मृत्यु का आलिंगन कर लेंगे,” दार्शनिक बर्ट्रेण्ड रसेल ने लिखा (“बहुतेरे ऐसा ही करते भी हैं,” उन्होंने आगे जोड़ा)। इस विश्व में मनुष्य एकमात्र ऐसा प्राणी है जो अपने से अलग होकर अपने विचारों तथा कर्मों पर चिंतन कर सकता है। बंदर ऐसा नहीं कर सकते। कुत्ते नहीं। बिल्लियां नहीं। केवल हम कर सकते हैं। यदि आज आप अपनी सांसों में ऑक्सीजन ले सकते हैं तो, मेरे मुताबिक, आपको यह वरदान प्राप्त है कि आप आगे आने वाले घंटों (और दिनों/महीनों/सालों) में अपना नेतृत्व व्यवहार प्रदर्शित कर सकें। नेतृत्व का अर्थ है कि आप अपने सर्वोत्तम का प्रदर्शन करें। आप यह जानते हैं। नेतृत्व का मतलब बदलते समय के बीच उत्कृष्ट होने एवं अपनी चहुंओर के लोगों की तारीफ करना है। और नेतृत्व का आशय जागरूक होने से है। अपने विचारों के प्रति जागरूक। अपने कर्मों के प्रति जागरूक। अपने मिशन के प्रति जागरूक। अपनी प्राथमिकताओं के प्रति जागरूक। अपनी प्रतिभा के प्रति जागरूक। अपने भय के प्रति जागरूक। अपनी उत्कट भावनाओं के प्रति जागरूक। इस तथ्य के प्रति जागरूक कि समय कम है। खुद के जिस जीवन का नेतृत्व आपको करना है, उसके द्वारा आपको प्रदत्त प्रतिभा के प्रति जागरूक (और हां, मेरा जीवन भी अव्यवस्थित हो जाया करता है)।

इसलिए अपनी आंखें पूरी तरह खोल कर जिएं। निपुणता के पहले स्पष्टता आती है। चीजों के विषय में सोचा करें। हमेशा पहले से बेहतर करें। त्रुटिहीन ढंग से कर्म करें। और कार में बैठे बच्चों की सुरक्षा में सन्नद्ध रहें।

व्यस्तता की दौड़ तथा अपनी दिनचर्या की मांग में इस सीमा तक उलझ जाना आसान है कि हम जो कुछ कर रहे हैं उसके प्रति सचेत रहने की अनिवार्यता को भूल जाएं।

17

गौरव के प्रतीक

आज अपने बच्चों के साथ पैदल उनके स्कूल जा रहा हूं। यहां मेरे गृह नगर में पतझड़ की यह सुबह बहुत सुहानी है। रंग-बिरंगे पत्तों का गिरना, ताजी हवा, शीतल ताजगीदायक तापमान। साल का मेरा सर्वाधिक पसंदीदा समय।

कोल्बी मुझे बताता है कि उसके मित्रों में से एक अपनी कार में रबर का कछुआ रखता है। उसने बताया कि यह उसके माता-पिता को याद दिलाता है कि वे गाड़ी धीरे ड्राइव करें और सड़क पर दूसरों के जीवन का सम्मान करें। बहुत खूब। इसने मेरे चिंतन को प्रतीकात्मक स्मृतिचिह्नों के महत्व पर मोड़ दिया—प्रतीक जिन्हें हम महत्वपूर्ण स्थलों पर कुछ इस तरह रख सकते हैं कि वे हमें यह याद दिलाते रहें कि क्या सर्वाधिक अहम है। क्या है जो मायने रखता है। क्या है जिसका हम समर्थन करते हैं।

अपनी नेतृत्व कार्यशालाओं में अपने श्रोताओं को मैं जिस सर्वाधिक सरल उपाय की सलाह देता हूं वह यह है कि आप अपनी तीन अत्यंत महत्वपूर्ण पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को एक 3इंच × 5इंच के कार्ड पर लिखकर उसे अपने स्नानागार के आईने पर लगा दें ताकि आप सुबह-सवेरे उन पर दृष्टि डाल सकें। (मैं जानता हूं कि यह कुछ विचित्र—सा लगता है, लेकिन यह काम करता है।) यह मामूली—सा व्यवहार आपकी चेतना को प्रभावित करता है। गहराई से। फिर आपकी चेतना आपके विकल्पों को तय करती है। और आपके विकल्प आपके नतीजे निश्चित करते हैं। असाधारण लोग अपनी करणीय चीजों में सर्वोत्तम पर नाटकीय रूप से ध्यान देते हैं। वे हमेशा केवल उन्हीं के बारे में सोचते, बातें करते और सपने देखते हैं। (मुझे जॉन रिसली के बारे में पढ़ी बात याद आती है जो क्लियरवाटर फाइन फूड्स—जो समुद्री खाद्य पदार्थों की सर्वाधिक बड़ी विश्वस्तरीय कंपनियों में से एक है, के संस्थापक है। उन्होंने कहा, “जब कोई सौदा तय करना चाहता हूं तो फिर मैं इसके अतिरिक्त और कुछ भी नहीं सोचता कि उसे किस तरह संपन्न किया जाए। मैं इसके लिए रात में उठ कर अपने स्नानागार का भी इस्तेमाल करता हूं। मैं सौदे के बारे में ही सोचता रहता हूं। मैं अत्यंत केंद्रित रहता हूं।”) और उस दुर्लभ ध्यान के साथ वे उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं जो उनके लिए जरूरी होता है। शेष सभी लोगों की अपेक्षा कम भटकाव के साथ।

तो गौरव के किन प्रतीकों का इस्तेमाल आप खुद को सर्वोत्तम स्वरूप में रखने हेतु करना चाहेंगे? उत्कृष्टता के किन चिह्नों की खोज आप करेंगे जो आपको अपनी प्राथमिकताओं तक तेजी से लौटने में तब मदद करेंगे जब दैनंदिन घटनाओं का दबाव आपका ध्यान आकृष्ट करने की पुकार लगाता हो। आप एक असाधारण जीवन जीने के योग्य हैं। इसकी शुरुआत अपने प्रतीकों की खोज से करें—ऐसे प्रतीक जो उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हों जो बनने को आप तैयार हैं।

उत्कृष्टता के किन चिह्नों की खोज आप करेंगे जो आपको अपनी प्राथमिकताओं तक तेजी से लौटने में तब मदद करेंगे जब दैनंदिन घटनाओं का दबाव आपका ध्यान आकृष्ट करने की पुकार लगाता हो।

18

अव्यावहारिक बनें

मेरे पसंदीदा उद्धरणों में एक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ का है जिन्होंने कहा, “व्यावहारिक व्यक्ति खुद को दुनिया के अनुकूल बना लेता है; अव्यावहारिक व्यक्ति दुनिया को अपने अनुकूल बनाने की कोशिश में लगा रहता है। इसलिए सारी प्रगति अव्यावहारिक व्यक्ति पर निर्भर है।” कृपया इस विचार के बारे में थोड़ी देर सोचें। मेरी राय है कि यह एक बड़ा विचार है।

निस्संदेह व्यावहारिक बनें और अपनी दुनियादारी में बुद्धिमत्ता से काम लें। मैं सहमत हूं कि सहजबोध का उपयोग जरूरी होता है। यह भी सच है कि मूर्खतापूर्ण जोखिम कठिन नतीजों तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद, उस विफलता और निराशा से भयभीत भी न हों जिसके बारे में आपको पहले से अनुमान न था। हमेशा इतने अधिक तार्किक, व्यावहारिक और सहजबोध-संपन्न भी न बनें कि जब कोई सुनहरा मौका आए तो उसे पकड़ न सकें।

याद रखें, साहसी चिंतकों और प्रशंसनीय स्वप्नदर्शियों पर आलोचक हमेशा हंसते रहे हैं। उन्हें नजरअंदाज करें। और यह भी समझ लें कि मानवीय विकास की प्रत्येक असाधारण उपलब्धि किसी के साहसिक प्रयासों से ही संभव हो सकी जिन्हें यह बताया गया था कि उनकी योजना का क्रियान्वयन असंभव है। विश्व को और भी अधिक स्वप्नदर्शियों की जरूरत है। अव्यावहारिक आत्माएं जो व्यावहारिक होने की लालसा से लड़ती रहती हैं। जो आत्मतुष्ट रहने के प्रलोभन का प्रतिरोध करते हुए उसी तरह नई चीजें करती रहती हैं जैसे वे हमेशा की गई हैं। आप उनमें से एक हो सकते हैं। आज से ही आरंभ करें।

दि प्रॉफिट में खलील जिब्रान ने मेरी अपेक्षा कहीं अधिक सुंदरता से यही बात यों कही, “आराम की लालसा आत्मा की ललक को मार देती है।”

याद रखें, साहसी चिंतकों और प्रशंसनीय स्वप्नदर्शियों पर आलोचक हमेशा हंसते रहे हैं। उन्हें नजरअंदाज करें।

19

सभी नेतृत्वकर्ता एक जैसे नहीं

मेरी प्रस्तुतियों के पश्चात बहुत-से कार्यपालक अधिकारी मेरे पास आते हैं और मुझसे मेरी इस उक्ति के बारे में पूछते हैं कि “प्रत्येक व्यक्ति एक नेतृत्वकर्ता है।” मैंने पाया है कि पृथ्वी की सभी सर्वोत्तम कंपनियों में एक गुण समान रूप से मौजूद होता है: वे अपने पूरे संगठन के अंदर नेतृत्वकर्ताओं को विकसित करती हैं—अपने प्रतिस्पर्द्धियों की अपेक्षा अधिक तेजी से। यह उनका ध्येय रहता है। और वे इसे तेजी से करती हैं।

पर, मैं यह नहीं कह रहा कि प्रत्येक व्यक्ति कंपनी के संचालन में लग जाए। उसका कोई अर्थ नहीं। प्रत्येक व्यक्ति नेतृत्वकारी व्यवहार का प्रदर्शन कर सकता है पर इसका यह मतलब कतई नहीं होता कि प्रत्येक व्यक्ति कंपनी का नेतृत्व भी करे। मैं एक रूपक के द्वारा इस फर्क को और साफ करता हूं।

मैं यू2 का प्रशंसक हूं। बोनो इसका मुख्य गायक है। लैरी मूलेन, जू. ड्रम बजाता है। अब यदि लैरी मुख्य गायक बनने का प्रयास करे और बोनो भ्रमित होकर ड्रम बजाए तो एक अराजक स्थिति ही पैदा होगी। या कल्पना करें कि यू2 का यात्रा प्रबंधक यह सोचे कि वह एक रात्रि के लिए बोनो हो सकता है और वैसा ही करने स्टेज पर तब पहुंच जाए जबकि बोनो अपने ड्रेसिंग रूम में ही हो। यह अच्छा नहीं। अपनी भूमिका को जानें। प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह जरूरी है कि वह नेतृत्वकर्ता की तरह व्यवहार करे—वह चाहे जो भी करता हो। इसका अर्थ यह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने उत्तरदायित्व के कार्य में शानदार नतीजे पैदा करने का जिम्मा ले। प्रत्येक व्यक्ति के लिए इसकी जरूरत है कि वह अपनी भूमिका का निर्वाह कर संस्कृति को आकार दे। प्रत्येक व्यक्ति के लिए इसकी आवश्यकता है कि वह सकारात्मक और प्रेरणार्थक बने। प्रत्येक व्यक्ति के लिए इसकी जरूरत है वह संगठन के ग्राहकों के लिए अतिरिक्त दूरी तय करे—और बदलावों को चीजों की बेहतरी के मौके की तरह देखे। प्रत्येक व्यक्ति वस्तुतः एक नेतृत्वकर्ता हो सकता है और उत्तरदायित्व क्षेत्र के अंदर उत्कृष्टता का पक्षधर बन गहन प्रभाव पैदा कर सकता है। पर प्रत्येक व्यक्ति एक जैसा नहीं होता।

प्रत्येक व्यक्ति नेतृत्वकारी व्यवहार का प्रदर्शन कर सकता है पर इसका यह मतलब कतई नहीं होता कि प्रत्येक व्यक्ति कंपनी का नेतृत्व भी करे।

मैं अपनी गलतियों से सीखता हूँ (कभी-कभी)

गलती करने में कोई बुराई नहीं। हम सब मानव हैं। गलतियाँ राह पेश करती हैं। बस एक गलती एक से अधिक बार न करें। वह यह प्रदर्शित करता है कि आप खुद के लिए उपलब्ध सबक का प्रतिरोध कर रहे हैं। यह ध्वनित होता है कि आप जीवन की नहीं सुन रहे। बतलाता है कि आप ध्यान नहीं दे रहे।

दि ग्रेटनेस गाइड में मैंने लिखा कि किस तरह टोरंटो होटल लॉबी में हार्वे कीटेल से मिलने की एक छोटी-सी संभावना मैं चूक गया। बस मैं उसे नहीं पकड़ पाया जिसे कार्लोस कैस्टानेडा ने “संभावना का घनसेंटीमीटर” कहा और जो मेरे सामने प्रस्तुत था। किंतु मैंने सुधार की शपथ ली। मैंने आपको वचन दिया कि मैं ऐसा करूँगा। हाँ, मैंने वचनपालन किया। अपने प्रकाशक से मिलने शहर में दूर गया था। अपने पसंदीदा जापानी रेस्तरां में जल्दी का एक छोटा लंच ले रहा था। अनुमान कीजिए बगल की मेज पर कौन बैठा था। एरिक क्लैपटन। सचमुच।

जब सही समय आया (किसी अवसर को पकड़ने का कभी कोई आदर्श समय नहीं हो सकता, किंतु मैंने उस व्यक्ति को अपना खाना खत्म करने दिया), मैंने हलो कहा। मेरी नाड़ी जरूर तेज हो गई (आप जानते हैं कि मैं एक अत्यंत साधारण व्यक्ति हूँ)। और हाँ, मुझे ठुकरा दिए जाने की भी चिंता थी। लेकिन अगर आप कोशिश नहीं करते तो कभी नहीं जान पाएंगे। मैंने महसूस किया कि यदि मैं कूद पड़ता हूँ तो उनसे मिलने की संभावना मेरे साथ थी। किंतु यदि मैंने वैसा नहीं किया तो यह तय था कि मैं उनसे कभी न मिल सकूँगा। इसलिए मैंने वैसा ही किया। हम दोनों ने एक अच्छी बातचीत की। दिलचस्प व्यक्ति। एक और बातचीत जो किसी न किसी तरह मुझे आकार देगी—जैसा प्रत्येक बातचीत करती है। जीवन प्रत्येक दिन सीखने, विकसित होने और अपने सर्वोत्तम होने के अवसर आपके पास प्रेषित करता है। उन्हें न गंवाएं। कुछ मौके दोबारा कभी नहीं आते। खेद एक विकल्प है।

अगर आप कोशिश नहीं करते तो कभी नहीं जान पाएंगे।

21

जोरदार सवाल उठाएं

आपके सामने पेश किसी भी मुद्दे या चुनौती का हल ढूंढने के सबसे तेज तरीकों में एक है—सही सवाल करना। सही सवाल आपको अनिवार्यतः सही जवाब तक पहुंचाता है। सवालों का महत्व होता है। व्यवसाय में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वालों में सही सवाल तक पहुंचने की शानदार प्रतिभा होती है। ऐसे सवाल जो उन्हें उनके लिए आवश्यक गंतव्य तक पहुंचा सकें तथा वह खोई कड़ी उन्हें मिल सके जिसे ढूंढना उनके लिए जरूरी होता है। फिर जीवन में खुद से भी जोरदार सवाल करना आपके सम्मुख संभावनाओं की एक नई श्रृंखला के द्वार खोलेगा जो चीजों को देखने के पुराने तौर-तरीकों से जकड़े होने के कारण आपसे छूट गई थी। तथाकथित विफलता की गोद में पड़े किसी सबक की तरह। या किसी के अंदर छिपी किसी चुनौती की तरह।

आगे छह ऐसे सवाल हैं जिन्हें मैं उन लोगों से साझा करता हूं जिनके साथ हम नेतृत्व विकास की गतिविधि करते हैं। मैं यह सलाह दूंगा कि आप इन्हें लिख लें तथा कुछ समय निकाल कर आज अपने जर्नल में इनके उत्तर दें।

- ऐसी कौन-सी चीज है—जो यदि मैंने की होती—तो वह मेरे काम करने (और जीने) के तरीके को पूरी तरह बेहतर कर देगी?
- अब से लेकर अगले 90 दिनों की अवधि के बीच ऐसा क्या होने की जरूरत है जो इस तिमाही के प्रति मुझे ऐसा महसूस कराएगा कि यह मेरे पेशेवर तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए सबसे अच्छी तिमाही है? (याद रहे, स्पष्टता निपुणता के पहले आती है।)
- मुझे किस-किस के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करनी चाहिए? (अपनी सूची लंबी करें।)
- मैं किस पेशेवर अथवा व्यक्तिगत बिन्दु को पहले से बेहतर करना चाहूंगा?
- ऐसी कौन-सी चीज है जिसके लिए मुझे किसी का आभारी होना चाहिए, पर जिसके प्रति अभी आभारी नहीं हूं?
- अपनी सेवानिवृत्ति के विदाई समारोह में मैं स्वयं को किस तरह याद किया जाना पसंद करूंगा?

और जब आप आज के दिन को खुद के लिए एक असाधारण दिन बना रहे हैं तो मैं अपने एक पसंदीदा उद्धरण (जो मार्क ट्वेन द्वारा कथित है) के साथ आपसे विदा लेता हूं “यदि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से संतुष्ट होता तो फिर कोई हीरो नहीं बनता।”

व्यवसाय में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वालों में सही सवाल तक पहुंचने की शानदार प्रतिभा होती है। ऐसे सवाल जो उन्हें उनके लिए आवश्यक गंतव्य तक पहुंचा सकें।

विस्मयकारी रूप से विनम्र बनें

सुबह के 4.15 बजे हैं (दिन का सर्वोत्तम समय)। मैं अपनी पसंदीदा कॉफी के घूंट ले रहा हूँ। सिंपल प्लैन के गीत “परफेक्ट वर्ल्ड” को सुनते हुए। जीवन के बारे में, वास्तविक उत्कृष्टता के बारे में चिंतन करते हुए, गुनते हुए। एक शक्तिशाली विचार जो मैं आपसे साझा करना चाहता हूँ: सबसे विनम्र ही सबसे महान है। कुछ समय पहले कनाडा के सर्वाधिक धनाढ्य व्यक्ति केनेथ टॉमसन की मृत्यु हुई। कनाडा के राष्ट्रीय अखबारों में से एक दि ग्लोब एंड मेल ने उनका एक रेखाचित्र प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था “एक अरबपति का नाश्ता”। उसमें टॉमसन के सुबह के नाश्ता-सह-भोजन का वर्णन छपा था “...उनके खाने में बेशकीमती चीजों की नुमाइश नहीं हुआ करती...प्रत्येक सप्ताहांत वे (एक छोटे स्थानीय) रेस्तरां तक टहलते हुए जाते और 10.95 डॉलर के नाश्ता-सह-भोजन का ऑर्डर देते।” मैं मुग्ध हो उठा।

एक इंटरव्यू में रेस्तरां के मालिक ने टॉमसन की असाधारण विनम्रता के बारे में अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा, “वह हमेशा ही बहुत शिष्ट किंतु सादे थे। वे रेस्तरां के कर्मियों से दिल्लगी करते और कभी भी यह राज नहीं खोलते कि वे कौन थे।” वे हमेशा अपना खाना बफे की मेज से खुद लाते, रेस्तरां में प्रवेश करते वक्त मुस्कराते और पिछले क्रिसमस में उन्होंने सभी कर्मियों के साथ फोटो लिवाने का वक्त भी निकाला, हर कर्मी के लिए जिसकी एक-एक प्रति लेकर वे स्वयं आए। “प्रत्येक कर्मी के पास उन्हें याद करने के लिए कुछ न कुछ है।”

याद करने के लिए कुछ न कुछ। अविस्मरणीय शब्द। विनम्रता। एक सुंदर विरासत के सृजन का एक अनिवार्य तत्व।

विनम्रता। एक सुंदर विरासत के सृजन का एक अनिवार्य तत्व।

23

एक विशिष्ट ब्रांड बनें

आप एक ब्रांड हैं। आप चाहे जो भी सोचें, जब लोग आपका नाम सुनते हैं तो उनकी स्मृति में आपसे संबद्ध कोई न कोई चित्र उभरता है। जब लोग आपको देखते हैं तो उनमें एक भावनात्मक प्रतिक्रिया उभरती है। चाहे आप इसे पसंद करें या न करें, आप (और आपकी ख्याति) सचमुच एक ब्रांड है। इसलिए मेरी यह विनम्र राय होगी कि आप इसका प्रबंधन करें। वास्तव में मैं आपको जो करने की चुनौती देना चाहता हूँ वह आपको एक विशिष्ट ब्रांड बनाने हेतु जरूरी कदम उठाना है। ऐसा ब्रांड जो “नवीनतम”, “मौलिक” एवं “क्रांतिकारी” पुकारता-सा प्रतीत होता हो।

मेरे मस्तिष्क में एकबारगी ही जो विशिष्ट ब्रांड आते हैं उनमें ऐपल, वर्जिन, फैट फार्म तथा प्राडा शामिल हैं। ये सब ताजगी भरे तथा विशिष्ट शैली से युक्त हैं। वे कामयाब हैं। और वे एक ऐसी दुनिया में सबसे अलग दिखते हैं जो स्वीकार्यता पसंद करती है। वे मुझे “वाह” कहने को मजबूर कर देते हैं। आप भी वाह कह सकते हैं-खुद के लिए।

एक विशिष्ट ब्रांड बनने के लिए आपको क्या चाहिए? ताकि जब लोग आपके बारे में सोचें तो “नवाचारी” या “विश्वस्तरीय” अथवा “अनूठा” जैसे शब्द उनके मस्तिष्क को भर दें। अपनी टीम के स्टीव जॉब्स या अपने कार्यस्थल के सल्वेडोर डाली अथवा अपने प्रभाग के रसेल साइमन्स बनने के लिए आपको क्या करना पड़ेगा? आप जो कुछ भी करें और जो कुछ भी हैं उसमें कैसे इतने ध्यानाकर्षक रूप से महान बनें कि आपकी चहुंओर के लोग आपकी हर चीज से बेइंतहा प्यार करें? यह विचारने योग्य है। यह करने योग्य है।

अपनी टीम के स्टीव जॉब्स या अपने कार्यस्थल के सल्वेडोर डाली अथवा अपने प्रभाग के रसेल साइमन्स बनने के लिए आपको क्या करना पड़ेगा?

24

विवाद से प्यार करें

प्रत्येक व्यक्ति विवाद से भागता है। यह हमें बुरा महसूस होता है, अतः हम इससे बचते हैं। हम यह आशा करते हैं कि यह किसी भांति अपना समाधान स्वयं पा लेगा। ऐसा कभी नहीं होता। इसके बदले यह एक गंदे घाव की तरह संक्रमित हो उठता है (हम जिसका प्रतिरोध करते हैं, वह वस्तुतः अड़ा रहता है)।

विवाद पर मेरे विचार इस तरह हैं: विवाद बेहतर विकास तथा एक अधिक गहरे व्यक्तिगत संपर्क के अवसर के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। प्रत्येक विवाद के अंदर आपके लिए एक अवसर होता है कि आप एक शक्तिशाली सबक सीखें तथा एक मानव के रूप में विकसित हो सकें (अपनी समझ, जागरूकता और दृष्टिकोण के क्षेत्र में)। और प्रत्येक विवाद, चाहे वह किसी प्रियजन से हो या किसी ग्राहक से, उनके साथ पहले से भी निकटतर संबंध बनाने का एक बहुत अच्छा अवसर है। उनके असंतोष को आप दोनों के लिए एक “वाह” में बदल कर।

इसलिए विवाद से भागें नहीं। आपको जब यह पता है कि कोई सत्य रूबरू कहे जाने की जरूरत है, तो उसे ईमेल भेज कर न कहें। नेतृत्व का आशय नरमदिली और साहस के बीच एक संतुलन साधना है। और हालांकि विवाद बहुत असहज-सा महसूस हो सकता है, सच्चाई है कि यह एक वरदान है। इसे अंगीकार करें। इसकी संभावनाओं का आस्वादन करें। इसका जश्न मनाएं। यह आपके बड़े काम आ सकता है।

विवाद पर मेरे विचार इस तरह हैं: विवाद बेहतर विकास तथा एक अधिक गहरे संपर्क के अवसर के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।

25

दायित्व मीटर

एक डैशबोर्ड की कल्पना करें जिस पर एक मीटर लगा है। मीटर के एक सिरे पर आजादी शब्द अंकित है। दूसरे सिरे पर दायित्व शब्द है। मेरे लिए, एक नेतृत्वकर्ता होने तथा एक उल्लेखनीय जीवन जीने का अर्थ इन दोनों के बीच का नाजुक संतुलन साधना है। दूसरे शब्दों में, आपके दायित्व मीटर की सूई दोनों के ठीक बीच में इंगित करती हुई स्थिर हो। आदर्शतः।

जीवन का अर्थ संतुलन है। और सर्वाधिक महत्वपूर्ण संतुलन—बिंदुओं में एक वह है जिसका संबंध आजादी तथा दायित्व से है। हां, आप आजाद अवश्य हों। इस पल का आनंद लें। अपनी तीव्रतम भावनाओं में उन्मुक्त रूप से विचरण करें। शानदार समय के मजे लें। वर्तमान में जिएं। लेकिन, फिर भी, जिम्मेवार बनें। अपने लक्ष्य निर्धारित करें। अपने वचनों का पालन करें। महत्वपूर्ण चीजें कर डालें। अपने कर्तव्य संपन्न करें।

आपका जीवन—अभी इस मिनट—दायित्व मीटर के किस बिंदु पर इंगित कर रहा है? क्या आप अपनी आजादी के मजे उठाने में बहुत ज्यादा वक्त दे रहे हैं, या एक विश्वस्तरीय करियर एवं विश्वस्तरीय दिनों के निर्माण में आवश्यक समय लगा रहे हैं? या फिर वह इसका उल्टा बता रहा है? दोनों में से किसी भी छोर पर रहने का अर्थ असंतुलन में रहना है। इसलिए एक शानदार उपाय इस प्रकार है: यह सोचें कि इस मीटर के मध्य में रहना कैसा दिखेगा? क्योंकि बेहतर जागरूकता बेहतर विकल्प पेश करती है। और बेहतर विकल्प बेहतर नतीजे देते हैं।

जीवन का अर्थ संतुलन है। और सर्वाधिक महत्वपूर्ण संतुलन—बिंदुओं में एक वह है जिसका संबंध आजादी तथा दायित्व से है।

26

विकास की ललक

एक उद्धरण देखें जो मुझे विचारोत्तेजक लगा: “विकास जीवन का एकमात्र प्रमाण है।” बुद्धिमानी भरे ये शब्द जॉन हेनरी न्यूमैन के कहे हुए हैं। आप जानते हैं कि मुझे विकास की पूरी अवधारणा से ही बेइंतहा प्यार है। मेरी आस्था है कि विकास ही वह कारण है जिसके हित हम यहां हैं। हम जो कार्य करते हैं, जो कदम उठाते हैं और जिस जीवन का नेतृत्व करते हैं (कृपया याद रखें: अपने जीवन को केवल जिएं नहीं, उसका नेतृत्व करें) उनके द्वारा विकास तथा विस्तार पाना इसका अर्थ है। विकास महत्वपूर्ण है। यही वह है जो हमें पूर्णकाम महसूस कराता है (हम तभी सर्वाधिक प्रसन्न होते हैं जब हम विकास कर रहे हों और अपनी संभावनाओं तक पहुंच रहे हों)। विकास हममें शक्ति का संचार करता है (उस वक्त भी जब विकास असुविधाजनक होता है—जो ज्यादातर विकास होता ही है)। यह हमें वह बनाता है जो हम सचमुच हैं।

जब आप अपने सर्वोत्तम शिक्षक, गुरु अथवा उच्चाधिकारी के बारे में सोचते हैं तो आपके मस्तिष्क में क्या आता है? अच्छे भाव, है न? उस व्यक्ति ने आपके अंदर जिस सबक, सीख और विकास को बढ़ावा दिया, आप उसके प्रति सम्मान से भर जाते हैं। तो फिर आप अपने जीवन के सर्वाधिक कठिन / चुनौतीपूर्ण / निराशाजनक घटनाओं के बारे में क्यों कोई अन्य भाव रखें? क्या ये वही घटनाएं नहीं हैं जिन्होंने आपको आपका आकार दिया? और आपके सर्वोत्तम तथा उच्चतम को प्रेरित किया? आपको वह सिखाया जो सीखना जरूरी था ताकि आप वहां तक पहुंचें जहां आप आज हैं? इसलिए वे भी आपके शिक्षक थे। उन्होंने भी आपके व्यक्तिगत विस्तार की राह बनाई। उन्होंने भी आपके विस्तार को प्रेरित किया। अतः उनका सम्मान करें। क्योंकि उन्होंने आपकी जितनी मदद की है उसका अनुमान खुद आपको भी नहीं होगा।

मुझे विकास की पूरी अवधारणा से ही बेइंतहा प्यार है। मेरी आस्था है कि यही वह कारण है जिसके हित हम यहां हैं।

श्रेय महत्वपूर्ण नहीं

“आप जीवन में कुछ भी सिद्ध कर सकते हैं, बशर्ते आप इस बात से बेतकल्लुफ हों कि श्रेय कौन ले जाता है,” हैरी ट्रूमैन ने कहा। अत्यंत उत्तम विचार। आज जब आप काम पर जाते हैं तो अपना अहंकार मुख्य द्वार पर ही छोड़ दें और बस शानदार ढंग से केवल कर्म करें। शुभ परिणाम सामने आएंगे। आपके लिए।

प्रशंसा एवं पहचान और स्वीकृति की लालसा तो बिल्कुल मानवोचित है। हम सभी अपने साथियों से महत्व और अपने समाज से सम्मान पाना चाहते हैं। किंतु नेतृत्व का आशय दूसरों की निगाहों में अच्छा दिखने से कहीं आगे और भी बहुत कुछ है। इसका अर्थ किसी विचार को अपना समर्थन प्रदान करना है (जैसा पाब्लो पिकासो ने कहा, “जीवन में यह आपका कार्य ही है जो आपका सर्वोत्तम आकर्षण है”)। इसका मतलब यह है कि आप जो भी करें उसमें विश्व के सर्वोत्तम बनें। इसका अर्थ है कि आप लोगों को जैसा पाएं उससे बेहतर छोड़ जाएं। और इसका आशय है कि एक अच्छे ढंग से संपन्न कार्य का श्रेय कौन ले जा रहा है इसकी चिन्ता न करें।

असाधारण लोग हमेशा ही खोज लिए जाते हैं। यह उक्ति सच ही तो है कि मक्खन हमेशा ऊपर उठ आता है। सर्वोत्तम हमेशा सामने आ ही जाता है। और हममें जो महान हैं उन्हें आगे आने से कदापि नहीं रोका जा सकता।

“आप जीवन में कुछ भी सिद्ध कर सकते हैं, बशर्ते आप इस बात से बेतकल्लुफ हों कि श्रेय कौन ले जाता है,” हैरी ट्रूमैन ने कहा।

स्वीकार करने की समझदारी

मैं अपने प्रिय मित्र और डोन्ट स्वेट दि स्मॉल स्टाफ के लेखक रिचर्ड कार्लसन—जिनका कुछ समय पूर्व दुखद निधन हो गया—की एक पुस्तक पढ़ रहा हूँ जिसका नाम डोन्ट गेट स्कूज्ड है। मैंने इसका “एक्सेप्टेंस: दि अल्टिमेट सॉल्यूशन” शीर्षक अध्याय समाप्त किया। इसने मुझे ठहर कर चिंतन को बाध्य कर दिया है।

रिचर्ड लिखते हैं, “स्वीकृति निष्क्रियता जैसी लग सकती है, किंतु जब आप इसका अभ्यास करेंगे तो देखेंगे कि यह निष्क्रियता तो हरगिज नहीं है। कभी-कभी तो इसमें शिकायत करने, मुकाबला करने अथवा चुप्पी साध जाने से भी अधिक गतिविधि करनी पड़ती है। लेकिन एक बार जब आप इससे प्राप्त आजादी का अनुभव कर लेते हैं तो स्वीकृति आपके लिए एकदम सहज बन जा सकती है।”

स्वीकृति। विपरीत परिस्थितियों के बीच छिपे वरदानों को ढूँढना। आप स्वयं को चाहे जैसी भी परिस्थिति में पाएं, उसमें तनावमुक्त रहना। युगों पुरानी इस उक्ति को अंगीकार करना कि जीवन आपको वह नहीं देता जो आप चाहते हैं, किंतु वह दे सकता है जो आपके लिए जरूरी है (एक बार फिर धन्यवाद, मेरे मित्र)। हम सभी समय-समय पर कठिन दिनों और विपरीत दौर से गुजरते हैं। ऐसा इसलिए है कि आप और हम महानता के विद्यालय में दाखिल हैं। और चुनौती, विवाद, भ्रम तथा अनिश्चितता हमारे विकास के सुंदरता से संयोजित वाहन हैं। किंतु दिन बेहतरीन हो जाते हैं और मौसम हमेशा बदल जाते हैं। “जो है” उसे स्वीकार कर लेने से कड़वे समय छोटे और सुहाने दिन लंबे हो जाते हैं। और यही आपके लिए मेरी सर्वोच्च शुभकामना है। हमेशा।

हम सभी समय-समय पर कठिन दिनों और विपरीत मौसमों से गुजरते हैं। ऐसा इसलिए है कि आप और हम महानता के विद्यालय में दाखिल हैं।

29

एक सुंदर चिंतक बनें

इसे लिखते हुए मैं कराची में होटल के अपने कमरे में बैठा हूँ। एक पूरी तरह मोहक शहर। आवाजें। संस्कृति। लोग। सब मेरे लिए एक विस्मयकारी शिक्षा। मैं यहां आने का अभारी हूँ।

झुम्पा लाहिड़ी की दि नेमसेक पढ़ रहा हूँ। सुंदरता से लिखी हुई। इसने एक विचार को जन्म दिया: एक सुंदर चिंतक बनें। अपने प्रत्येक विचार को एक सुंदर चीज बनाने के लिए बचनबद्ध हों। विस्मयकारी अंतर्दृष्टि एवं विचार तथा चिंतन—जो निहायत ही शानदार हों—पेश करने के प्रति खुद को समर्पित करें। आपने इस बात को सौ बार उतने ही विभिन्न ढंग से सुना है: आप जिसके विषय में सोचते हैं, वही बन जाते हैं। और जिन विचारों का आप इस्तेमाल करते हैं वे स्वयंपूरक भविष्यवाणियां बन जाती हैं। अपने सामने असाधारण चीजें आने की आशा करें, और वे आ जाएंगी। प्रेरक व्यक्ति यह कहते हैं। शिक्षक कहते हैं। ऋषि यह कहते हैं क्या कभी सोचा, क्यों?

मैं सोचता हूँ कि अंततः यह मेरी समझ में आ गया है कि यह विचार क्यों सही है। यह कोई गूढ़ दर्शन नहीं है। यह सरल रूप से तर्क आधारित है जो इस प्रकार है: आप प्रतिदिन जो कर्म करते हैं वह आपके जीवन-परिणाम का सृजन करता है। और चूंकि आपके प्रत्येक कर्म के पूर्व उसका विचार आता है (वस्तुतः विचार कर्म का पूर्वज है), आप जिस विचार पर केंद्रित रहते हैं वही आपकी वास्तविकता को आकार देता है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बेर्जामिन डिजरायली ने इसे बहुत अच्छी तरह यों लिखा, “आप अपनी सोच से अधिक ऊपर कभी नहीं जाएंगे।” एक मानव के रूप में आप अपने विचारों से अधिक बड़े ढंग से कोई कर्म कभी नहीं करेंगे। बड़े सपने देखें और आपके व्यवहार उनका ही अनुकरण करेंगे। छोटा सोचें तो आप छोटा ही करेंगे भी।

यह अवधारणा हमारे जीवन के प्रत्येक आयाम तक पहुंच जाती है। आप सोचें कि सभी लोग भले हैं और आप अपने दिन अपना हृदय खुला रख कर गुजारेंगे। और आपका वही व्यवहार वस्तुतः आपकी वास्तविकता का सृजन करेगा क्योंकि लोग अच्छे व्यक्तियों के लिए अच्छी चीजें करते हैं। सोचें कि आप सबसे अच्छी चीजों के योग्य हैं और आपका यह विश्वास आपके कर्म में प्रकट होगा। तब बेहतर कर्म बेहतर परिणामों का जन्म सुनिश्चित करेंगे। अपने करियर अथवा अपने समुदाय के अंदर विश्वस्तरीय होने की प्रत्याशा करें और यह शानदार सोच आपकी कार्यपद्धति तथा जीवनपद्धति को रूपाकार देगी। और वह असाधारण व्यवहार असाधारण परिणामों का सृजन करेगा।

मैं आशा करता हूँ कि मैं इस चीज को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सका हूँ। क्योंकि मैं विश्वास करता हूँ कि एक बड़ी चीज इतनी आसान होती है कि उसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। आपके विचार आपकी वास्तविकता निर्धारित करते ही हैं। आपकी सोच आपकी दुनिया बनाती ही है। आप जिस पर सचमुच गौर करेंगे वह विस्तार पाएगा ही। और आप जिस पर लंबे समय तक केंद्रित रहेंगे वह निश्चित रूप से आपकी भवितव्यता तय करेगा।

अपने प्रत्येक विचार को एक सुंदर चीज बनाने के लिए बचनबद्ध हों।

धारणाएं महत्वहीन हैं

यह महत्वपूर्ण नहीं है कि दूसरे लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं। जो महत्वपूर्ण है वह यह कि आप अपने लिए क्या सोचते हैं। हम औरों की धारणाओं की चिंता करते, पसंदीदा बनने की इच्छा करते, प्रसन्न करने का प्रयास करते कितनी सारी शक्ति व्यर्थ गंवाते हैं। किंतु प्रामाणिक नेतृत्व एवं वास्तविक रूप से स्वयं पर नियंत्रण का अर्थ सामाजिक स्वीकृति से ऊपर उठकर स्व-स्वीकृति तक पहुंचना है। स्वयं का सम्मान करें। जब तक आप अपने मूल्यों के मुताबिक जीवनयापन कर रहे हैं, प्रामाणिक हैं, अपनी दौड़ खुद दौड़ रहे हैं और अपने सपनों के अनुसार क्रियाशील हैं, इसकी फिक्र क्यों करें कि दूसरे आप के लिए क्या सोचते, महसूस करते अथवा कहते हैं? सफलता कोई लोकप्रियता की स्पद्धा नहीं। और प्रत्येक दिन के अंत में जो कुछ सबसे महत्व का होता है वह यह कि क्या उस दिन आप अपने प्रति सच्चे रहे।

सफलता कोई लोकप्रियता की स्पद्धा नहीं।

31

क्या आप लतीफा बनने योग्य हैं?

बियांका, मेरी 11 वर्षीया बेटी, एक बुद्धिमान, मजेदार और कमाल की बच्ची है। बड़ी होकर वह ग्रीन डे के लिए ड्रम वादक बनना चाहती है। उसे अपने कुत्ते, मैक्स, से बहुत प्यार है। और जब बियांका हंसती है तो उसके साथ सारी दुनिया हंसने लगती है। जोरों से।

हम दोनों की बड़ी मजेदार बातचीत होती रहती है (मैं अपने बच्चों के साथ बस बातें करते हुए बहुत सारा समय गुजारता हूँ; मैं जब उनके साथ होता हूँ तो कभी भी अपना ब्लैकबेरी चालू नहीं रखता)। वह मुझे बताती है, उसकी कक्षा के लड़के उसे अनोखा मानते हैं। उन्हें उसे हंसाना बहुत अच्छा लगता है। वे यह समझते हैं कि उसमें बहुत जिन्दादिली है। फिर वह एक ऐसी बात बताती है जो मुझे बरबस हंसा देती है: “डैड, मेरे सभी दोस्त कहते हैं कि मैं लतीफा बनने लायक हूँ।”

आप खुद से मुझे एक सवाल करने दें: आप किस हद तक लतीफा बनने योग्य हैं? पिछली दफा कब आपने खुद को किसी के द्वारा इतने जोरों से हंसाने दिया कि आपके गालों पर आंसू ढल पड़े? कितनी बार आप आराम से बैठ जीवन पर खिलखिलाया करते हैं—जीवन में हुई गड़बड़ियों पर भी (कभी-कभी जीवन में बड़ी गड़बड़ियाँ हो जाती हैं, है न? उन गड़बड़ियों से प्यार करें—उनमें आपका सर्वोत्तम विकास निवास करता है)। हममें जो सर्वोत्तम व्यक्ति हैं वे स्वयं को आवश्यकता से अधिक गंभीरता से नहीं लिया करते (यदि आप खुद को बेहद गंभीरता से लेंगे तो कोई भी आपको गंभीरता से नहीं लेगा)। वे अपना पूरा जोर लगा देते हैं और फिर छोड़ देते हैं—बाकी काम जीवन को खुद देख लेने देते हैं। जीवन की एक अपनी बुद्धिमत्ता होती है।

इसलिए लतीफे बनने योग्य बनें। तनावमुक्त हों। हाँ, विश्वस्तरीय अवश्य बनें। किंतु उस ललक को मनोरंजन तथा उत्सव की भावना से मिश्रित करें। जीवन को जरा ढीला पकड़ें। प्रत्येक अड़चन में कहीं बड़े अवसर के बीज पड़े होते हैं (यह समझने में मुझे लगभग 43 वर्ष लगे)। और जीवन कठिन तथा अप्रिय होने के लिए कभी नहीं बना। यह शुद्ध आनंद के लिए बना है।

पिछली दफा कब आपने खुद को किसी के द्वारा इतने जोरों से हंसाने दिया कि आपके गालों पर आंसू ढल पड़े?

32

शक्ति कैसे हासिल करें

एक सफलता-शिक्षक, पेशेवर वक्ता तथा नेतृत्व परामर्शी के रूप में मैंने जिन सर्वोत्तम नेतृत्वकर्ताओं के साथ काम किया, उनसे सीखा एक सरल सत्य इस प्रकार है: शक्ति हासिल करने का सच्चा और एकमात्र तरीका उसे देना है। आप अपनी टीम पर जितना ही अधिक भरोसा और विश्वास करेंगे एवं उन्हें महानता की ऊंचाइयों तक चढ़ाने में जितना ही बड़ा निवेश करेंगे, आपके प्रति उनमें उतना ही अधिक प्रतिबद्धता, लगाव और संपूर्ण समर्पण होगा।

चूंकि आप एक ऊंचे पद पर हैं, इसलिए लोगों को इस हेतु बाध्य करने कि वे आपकी सुनें और आपका कहा करें, से शक्ति नहीं आती। नहीं। वास्तविक शक्ति तो तब आती है जब आप अपने जुनून को फैला देते हैं, लोगों को इसका एक कारण देते हैं कि वे आपके रणनीतिक शिखर पर जा चढ़ें, उनसे शुद्ध सम्मान से पेश आते हैं और उन्हें सफल होने, विकसित होने तथा बिना खिताब के नेतृत्व करने की अनुमति देते हैं। आप लोगों के लिए हो जाएं और वे आप के लिए हो जाएंगे। एक सरल सिद्धांत, किंतु जैसा मैं पहले कह चुका हूं, मैं एक अत्यंत सरल व्यक्ति हूं।

वेल्स फारगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रिचर्ड कोवासेविच की एक महान पंक्ति इस प्रकार है (इसे समझने के लिए मुझे इस कुछेक बार दोहराना पड़ा): “सर्वोत्तम पांच खिलाड़ी ही खेल जीतते हैं, न कि पांच सर्वोत्तम खिलाड़ी।”

शक्ति हासिल करने का सच्चा और एकमात्र तरीका उसे देना है।

33

आदतें चलन हैं

संभव है, आदतें दुनिया की सबसे बड़ी चलन न हों। किंतु वे सर्वाधिक महत्वपूर्ण चीज तो हो ही सकती हैं। ये आदतें ही हैं जो सर्वोत्तम को शेष सब से पृथक् करती हैं। कुछेक अच्छी आदतें (वस्तुतः इतने की ही जरूरत है—दो या तीन वास्तविक रूप से अच्छी आदतें) ही अंततः आपके करियर और आपके जीवन में पहले से भारी फर्क ला सकती हैं। यह दोयमपने और निपुणता के बीच का फर्क होगा। इसलिए आदतों का चयन भलीभांति करें।

मेरी बात एक रूपक से अच्छी तरह साफ होगी: एक अच्छी आदत ओक के एक सुदृढ़ वृक्ष की तरह होती है। यह एक छोटे-से बीज से अपना आगाज करता है जिसे किसी एक पल में बोया जाता है। यदि इसकी रोजाना देखरेख न की जाए तो यह शीघ्र ही मर जाता है। किंतु नित्य इसकी स्वल्प सारसंभार करें और यह बढ़ चलता है। और एक दिन यह इतना मजबूत हो जाता है कि इसे तोड़ना असंभव-सा हो जाता है।

आपकी आदतें ही यह बताएंगी कि आप अपने व्यक्तिगत पर्वतशिखर के कितने करीब पहुंच सकते हैं। मैंने विश्वस्तरीय लोगों में जो कुछ ऐसी आदतें पाई हैं वे इस प्रकार हैं:

- * अपने सभी कर्मों को निपुणता तथा निष्ठा के सर्वोच्च स्तर से संयोजित करें।
- * लोगों के साथ संबंधों को सर्वोच्च दर्जा दें।
- * विपरीत परिस्थिति का अपने पक्ष में उपयोग कर स्वयं को/अपने करियर को एवं अपने जीवन को पहले से बेहतर बनाएं।
- * सुबह जल्दी जगें।
- * जितना कर सकते हैं उससे कम का वायदा करें और वायदे से अधिक करें। (लोगों को हमेशा उनकी आशा से अधिक दें और आप जीत जाएंगे)।
- * ललक से सीखने वाले बनें (रोज पढ़ें, अंतर्दृष्टिसंपन्न चिंतकों के ऑडियो प्रोग्राम सुनें और सेमिनारों में भाग लें)।
- * प्रत्येक दिन के पहले 60 मिनटों को सपने संजोने, योजनाएं बनाने अथवा व्यक्तिगत स्फूर्ति बनाए रखने के कार्यों में लगाएं।
- * आप जो करते हैं उसे अत्यंत अच्छी तरह करने और एक अत्यंत दिलचस्प तथा बहुगुणसंपन्न व्यक्ति बनने के बीच संतुलन साधें।

ये कुछ आदतें हैं जिनमें से आप चयन कर सकते हैं। ताकि आप बढ़ सकें। ताकि आप अपने बीज बो सकें।

ये आदतें ही हैं जो सर्वोत्तम को शेष सबसे अलग करती हैं।

34

पूर्ण पलों की खोज करें

आज मैंने एक पूर्ण पल पाया। यह कोई हजारों श्रोताओं द्वारा की गई करतल ध्वनि न थी। यह कोई अच्छा समाचार साझा करने हेतु किसी प्रकाशक का फोन कॉल भी न था। यह किसी फॉर्चून 500 कंपनी द्वारा अपनी टीम के लिए एक नेतृत्व प्रस्तुति या शिक्षण सत्र की बुकिंग के लिए की गई कॉल भी न थी। नहीं, यह एक कहीं अधिक महत्व की चीज थी जो मेरे जीवन में आज की सुबह घटित हुई। और यह अविश्वसनीय रूप से एक सामान्य चीज थी (जैसी जीवन की सर्वोत्तम चीजें हुआ करती हैं)।

जैसे ही मैं हमारे कार्यालय के पार्किंग स्थल में अपनी कार से बाहर निकला, मैंने हवा में एक हैरतभरी खुशबू तैरती महसूस की। एक शुद्ध सौंदर्य। कितनी मधुर और शानदार। मैंने चारों ओर नजरें दौड़ाई और पाया कि मैंने एक ऐसे वृक्ष के नीचे अपनी कार पार्क की थी जो लाल और गुलाबी फूलों से लदा पड़ा था। वसंत उतर चुका था और वह वृक्ष अपना जादू बिखेर रहा था। मैं तो बस वहीं खड़ा रह गया। महक की मदहोशी में आंखें बंद कर डूबा हुआ। वह पल। मैं जीवित होने के लिए आभारी महसूस कर रहा था। यह सच है कि मेरे पास मुकाबले के लिए मेरी अपनी चुनौतियां हैं (केवल मृत लोगों के पास ये नहीं होतीं)। यह सच है कि जीवन हमेशा और अधिक बेहतर हो सकता है। किंतु प्रसन्नता का अर्थ है अनुपात और दृष्टिकोण का बोध प्राप्त करना। हम सबके जीवन में बहुत-सी नेमतें मिली हुई हैं, मसलन हमें प्यार करने वाले लोग, हमारे दिनों को अर्थ देने वाले हमारे काम या हमारे स्वस्थ बच्चे अथवा हमें प्राप्त सामान्य उपहार जैसे मेज पर रखी खाने की चीजें और देखने को दो आंखें। पार्किंग स्थल के उस पूर्ण पल की ही तरह।

जीवन कितना छोटा-सा ही तो है। हां, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने करियर को उत्कृष्ट बनाने पर ध्यान केंद्रित करें और शानदार सफलताएं हासिल करें। मैं इससे पूरी तरह सहमत हूं। किंतु यात्रा का आनंद उठाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हंसना। मजे करना। रोमांच को अनुभूत करना। और यह देखना कि पूर्ण पलों का आनंद छूटने न पाए। ये मुफ्त मिलते हैं। और ये आपके एकदम सामने होते हैं। आज। अगर आप उन्हें ढूंढने का वक्त निकाल लें।

यह सच है कि जीवन हमेशा और अधिक बेहतर हो सकता है। किंतु प्रसन्नता का अर्थ है अनुपात और दृष्टिकोण का बोध प्राप्त करना।

प्रशंसा का विरोधाभास

मैं जब कोल्बी को उसके स्कूल छोड़ने ले जा रहा था तो मेरे मन में एक विचार आया जिसे मैं आपसे साझा करना चाहता हूँ। हम दोनों एवरीबॉडी लव्स रेमंड नामक एक टेलीविजन शो के बारे में बातें कर रहे थे जो मेरे बच्चों को अत्यंत प्रिय है। खासकर हम रेमंड की (सनकी) माँ मेरी और उसकी (स्नेहिल) पत्नी डेबोरा के बीच तनाव पर चर्चा कर रहे थे। कोल्बी ने कहा कि वे एक दूसरे को इसलिए नापसंद करती हैं कि मेरी को डेबोरा के बनाए व्यंजन अच्छे नहीं लगते। मैंने उससे और गहरे जाकर वास्तविक मुद्दे तक पहुंचने को कहा। थोड़ी देर और चर्चा करने के उपरांत हम एकदम से सही कारण पर पहुंच गए: मेरी को डेबोरा और अपने पुत्र रेमंड के बीच प्रेम से भय होता है। वह असुरक्षित महसूस करती है। वह समझती है कि वह बेटे को खो देगी। यही कारण है कि वह डेबोरा के प्रति कठोर है और उसके लिए प्रशंसा के दो शब्द नहीं बोलती। कभी नहीं।

इसने मुझे कार्यस्थल पर (और घर में) प्रशंसा के बारे में चिंतन को प्रेरित कर दिया। यह एक अनोखी चीज है। मुझे लगता है कि प्रशंसा सूरज की तरह है: आप जितना ज्यादा देते हैं, आपकी चहुंओर की सभी चीजें उतना ही अधिक आप की तरफ विकसित होती हैं। फिर भी अधिकतर लोग मुक्तहस्त प्रशंसा नहीं बांटते (जबकि इसमें कौड़ी नहीं लगती)। गैलप ऑर्गनाइजेशन के एक सर्वेक्षण के अनुसार कर्मियों द्वारा किसी संगठन को छोड़ने का सबसे बड़ा कारण यह होता है कि उन्हें अपने वरीय कर्मियों द्वारा महत्व नहीं मिला करता। फिर भी अधिकतर प्रबंधक न तो प्रशंसा करते हैं न ही महत्व देते हैं। क्योंकि वे सोचते हैं कि इससे उनका कद छोटा दिखेगा।

जहां तक मैं समझता हूँ, सच्चाई यह है कि अपनी चारों ओर के सभी लोगों की प्रशंसा—जब वे बिल्कुल इसके काबिल हों—करने से आपका कद बढ़ता है। यह आपको ऊपर उठाता है। इससे आप एक नायक की तरह दिखते हैं। इससे अपने कार्यस्थल में आप एक विशाल व्यक्ति की तरह दिखते हैं। अपनी चहुंओर के सभी लोगों को। इसलिए जिस चीज के लिए आपकी टीम के सभी साथी इतने उत्कंठित हैं उसे उन्हें देने में कृपणता न बरतें। हम सभी कुछ विशिष्ट महसूस करना चाहते हैं। मैं चाहता हूँ। आप चाहते हैं। और डेबोरा भी यही चाहती है।

अपनी चारों ओर के सभी लोगों की प्रशंसा—जब वे बिल्कुल इसके काबिल हों—
करने से आपका कद बढ़ता है। यह आपको ऊपर उठाता है। इससे आप एक नायक
की तरह दिखते हैं।

36

भाग्य बनाम नियम

यह कहावत सच है कि आप जितनी कड़ी मेहनत करते हैं उतना ही अधिक भाग्यशाली हो जाते हैं। आपको यह असमंजस हो सकता है कि “एक उल्लेखनीय जीवन भाग्य से बनता है अथवा जब हम प्रकृति के नानाविध नियमों से अपनी अनुकूलता स्थापित कर लेते हैं तो उनसे ही जीवन की महानता का परिणाम प्राप्त होता है?” मेरा उत्तर यह है: अच्छी चीजें उन लोगों के साथ होती हैं जो अच्छी चीजें करते हैं। सही चीजें करें और सही नतीजे आ कर रहेंगे।

मैं पिछले दिनों खेती के बारे में काफी सोचता रहा हूं। नहीं, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है कि मैं नेतृत्व और व्यक्तिगत सफलता से संबद्ध अपना काम छोड़ कर मक्के की खेती करने लगूं (हालांकि यह जीने की एक विशिष्ट राह होगी)। मगर आप जरा यह सोचें: कृषि तथा प्रकृति के नियम वही हैं जो हमारे व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन पर लागू होते हैं। आप जो बोएंगे, वही काटेंगे। अपने खेतों की देखभाल करें और एक भरपूर पैदावार निकल ही आएगी। यदि आप अपने करियर या स्वास्थ्य अथवा संबंधों की सारसंभाल करें तो क्या आपको एक भरपूर प्रतिदान नहीं मिलेगा? असंभव।

यकीनन कभी-कभी हम भाग्यवान हो जाते हैं। पर वह सिर्फ रोटि पर घी की तरह है। मुझे तो लगता है कि एक विशिष्ट शैली का जीवन प्रकृति के नियमों से संयोजित होकर जीने का परिणाम होता है। अपने ग्राहकों अथवा अपनी चहुंओर के सभी लोगों का मूल्यवर्द्धन करना। प्रत्येक व्यक्ति, जिससे आप मिलते हैं, के साथ एक वीआईपी जैसा बर्ताव करना। अप्रत्याशित रूप से ईमानदार तथा आश्चर्यजनक ढंग से उत्साही होना। बस इन चीजों को करते चलिए, आप अच्छे रहेंगे। और याद रखें, आप जितने अधिक बीज बोएंगे, उतने ही अधिक पौधे देखेंगे।

अच्छी चीजें उन लोगों के साथ होती हैं जो अच्छी चीजें करते हैं। सही चीजें करें
और सही नतीजे आ कर रहेंगे।

ऊंट की पीठ जैसी स्थिति

अधिकतर संगठन किसी एक ही झटके से धराशायी नहीं होते। ज्यादातर संबंध किसी एक ही बड़े विवाद से समाप्त नहीं होते। अधिकांश जिंदगियां किसी एक दुखद घटना से टुकड़े-टुकड़े नहीं होतीं। नहीं, मेरी राय यह है कि स्थाई विफलता छोटी और नित्यप्रति की ऐसी अनदेखियों के फलस्वरूप पैदा होती है जो एक अवधि तक इकट्ठा होती हुई अंततः एक विस्फोट तथा टूटन में बदल जाती हैं।

ऊंट की पीठ का रूपक याद करें। उस बेचारे पशु पर पुआल के टुकड़े रखे जाते रहे। हर एक टुकड़ा हलका था और उससे कोई हानि नहीं होनी थी। किंतु टुकड़ों पर टुकड़े उसकी पीठ पर जमा होते हुए वह भार इतना अधिक हो गया कि केवल एक अंतिम टुकड़े ने उसकी पीठ तोड़ दी।

मैं इसे ऊंट की पीठ जैसी स्थिति कहता हूं। एक छोटी अनदेखी अनिवार्यतः व्यवसायों और जिंदगियों को साफ तौर पर जर्जर कर देने की ओर अग्रसर कर देती है। जबकि जो सर्वोत्तम होते हैं वे छोटी-छोटी बारीकियों पर भी पसीना बहाते हैं। वे महत्वहीन-सी दिखने वाली चीजों को भी सही ढंग से करते हैं। उनमें वह अनुशासन होता है कि छोटी परियोजनाओं और गतिविधियों तथा अन्य करने योग्य चीजों में भी वे उत्कृष्टता दिखाते हैं जो शानदार महान सफलताओं को जन्म देती हैं। वे यह समझते हैं कि टिकाऊ सफलताएं क्रमिक विकास से प्राप्त होती हैं, न कि किसी क्रांति से। आप भी ऐसा ही कर सकते हैं।

स्थायी विफलता छोटी और नित्यप्रति की ऐसी अनदेखियों के फलस्वरूप पैदा होती है जो एक अवधि तक इकट्ठा होती हुई अंततः एक विस्फोट तथा टूटन में बदल जाती हैं।

38

अतिरिक्त 1 प्रतिशत लगाएं

रोम से घर की वापसी उड़ान में मैं ब्रिटिश जीक्यू पढ़ रहा था। (रोम भी कमाल का है। जैसा एक ऑस्ट्रेलियाई मित्र ने हाल ही मुझसे कहा, “आप चाहे जिधर भी जाकर इतिहास के एक सबक की खोज कर सकते हैं।”) इस पत्रिका में जो सबसे बड़ा विचार मुझे दिखा उसे क्रिस कार्मिकैल—जो टूर डी फ्रांस के सात बार विजेता रहे लैंस आर्मस्ट्रांग के कोच हैं—ने कहा, “अंतिम 1 प्रतिशत, जिसे अधिकांश लोग सुरक्षित रखते हैं, ही वह अतिरिक्त प्रतिशत है जिसे लगा देने की हिम्मत विजेताओं में होती है।” शानदार विचार। मैं आशा करता हूं कि हम इसे कभी नहीं भूलेंगे।

अपना सर्वोत्तम प्रदर्शित करते तथा विश्वस्तरीय नतीजे देते हुए अपनी शक्ति का हर कतरा इस्तेमाल करें। आप जो कुछ भी करते हैं, उसे अपनी क्षमता का हर कतरा पेश करें। और अपनी प्रतिभा जगाएं। तथा आंतरिक अग्नि प्रज्वलित करें। ताकि अंत में आप कह सकें, “मैंने इसमें अपनी सारी शक्ति लगा दी। मैंने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया।” यह कमाल की चीज होगी। है न? और कृपया याद रखें— पूर्ण महानता का मौका उसी पल आता है जिस पल साधारण लोग हार मान लेते हैं।

अंतिम 1 प्रतिशत, जिसे अधिकांश लोग सुरक्षित रखते हैं, ही वह अतिरिक्त प्रतिशत है जिसे लगा देने की हिम्मत विजेताओं में होती है।

परस्परता को याद रखें

जिन्होंने हमारी मदद की है, उन्हें मदद पहुंचाने की इच्छा विशुद्ध मानवीय प्रकृति है। हममें से प्रत्येक की एक गहरी भूख होती है कि हम दूसरों के साथ वैसा ही करें जैसा उन्होंने हमारे साथ किया। और इसलिए मेरा यह विश्वास है कि हम वही वापस पाते हैं जो हम बाहर देते हैं। एक उदाहरण।

मैं अभी-अभी अपने रास्ते से दूसरी ओर 20 मिनटों की दूरी तय कर अपनी कार में ईंधन डलवाने गया। मैं ऐसा क्यों करूंगा जब मेरे पास आज के कामों की एक लंबी सूची और आज का पूरा कार्यक्रम तयशुदा रहता है? मैं क्यों ऐसी असुविधाजनक चीज करूंगा जब कि सुविधा की यह मांग है कि मैं अपने कार्यालय से मात्र दो मिनटों की दूरी पर स्थित पेट्रोल स्टेशन चला जाऊं? उत्तर: मैंने ऐसा इसलिए किया कि मैं एक उपकार का बदला चुकाना चाहता था। किसी ऐसे व्यक्ति को जिसने मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया। एक भले व्यक्ति को।

कुछ सप्ताह पूर्व, अपने बच्चों को विद्यालय छोड़ने के पश्चात, मैंने पाया कि मेरी कार का एक टायर पंक्चर था। मैं तीन पेट्रोल स्टेशनों तक घुमा और केवल एक ने मेरे टायर को जल्दीबाजी में ठीक करना कबूल किया। एक उम्रदराज व्यक्ति जिनके ओवरऑल के सीने पर उनका नाम टॉनी सिला हुआ था, ने कहा कि उन्हें मेरी मदद कर खुशी होगी। जब तक मैं प्रतीक्षा करता रहा, उन्होंने मुझे कॉफी की पेशकश की। टायर की मरम्मत करते हुए भी वे मेरा जी बहलाते रहे। उन्होंने अपना काम बड़े आनंद से किया। एक खिताबविहीन नेतृत्वकर्ता। उनकी तरह के लोग मुझे प्रेरित करते हैं। मुझमें यह इच्छा जगाते हैं कि मैं एक बेहतर व्यक्ति बनूं।

इसलिए मैं एक मौके की तलाश में था ताकि अपना आभार प्रकट कर सकूं। आज इसका आरंभ होता है, उन्हें व्यवसाय दे कर। और फिर मैं अपने मित्रों को भी वहां भेजूंगा। और वे दूसरों को कहेंगे और यह सिलसिला आगे बढ़ेगा। क्योंकि टॉनी जीतने योग्य हैं। और मैं उन्हें प्रत्युत्तर देना चाहता हूँ।

जिन्होंने हमारी मदद की है, उन्हें मदद पहुंचाने की इच्छा विशुद्ध मानवीय प्रकृति है। हममें से प्रत्येक की एक गहरी भूख होती है कि हम दूसरों के साथ वैसा ही करें जैसा उन्होंने हमारे साथ किया।

जो आप महसूसते हैं उसे कहें

क्या कभी गौर किया कि जिन लोगों से हमें सर्वाधिक प्यार होता है उनके ही प्रति हम सर्वाधिक बेपरवाह हो जाते हैं? विचित्र, है न? यह आसान है कि आप अपने परिवार के साथ कम वक्त गुजारे क्योंकि वे तो आपके लिए हमेशा मौजूद हैं ही (या फिर आप ऐसा मान लेते हैं)। यह आसान है कि आप अपने प्रियजनों के प्रति अपने प्रेम के इजहार को टाल दें क्योंकि वैसा करने की कोई फौरी वजह नहीं दिखती। यह आसान है कि घरेलू संबंधों की अनदेखी कर दी जाए क्योंकि आपको लगता है कि गौर करने लायक कई ज्यादा जरूरी चीजें हैं। मगर आपके परिवार से ज्यादा जरूरी और कौन-सी चीज हो सकती है, भला? अकेले-अकेले अत्यंत सफल होने से क्या फायदा? एक भरेपूरे परिवार का एलबम मुझे तो एक भरेपूरे बैंक खाते से भी कहीं अधिक प्रभावशाली प्रतीत होता है। सचमुच।

इसलिए फोन उठाएं और अपने माता-पिता को यह बताएं कि आप उनसे प्यार करते हैं। काम पर निकलने से पूर्व अपने जीवनसाथी को एक चुंबन दें-इस तरह कि वह वस्तुतः हार्दिक हो। और कृपया, अपने बच्चों को गले लगाकर उन्हें कहें कि आप उनसे अत्यंत स्नेह करते हैं। आपके बच्चे केवल एक ही बार छोटे होंगे। और मौके की यह खिड़की जब कभी एक बार बंद होगी तो यह हमेशा के लिए बंद हो चुकी होगी।

जिन लोगों से हमें सर्वाधिक प्यार होता है, उनके ही प्रति हम सर्वाधिक बेपरवाह हो जाते हैं।

रिचर्ड ब्रैनसन एवं असाधारण आशावाद

अभी-अभी फॉर्चून का एक अंक पढ़ कर रखा है। इसके एक आलेख में एक तकनीकी कॉन्फरेंस का जिक्र था जो रिचर्ड ब्रैनसन द्वारा 25 वर्ष पूर्व खरीदे गए एक कैरीबियाई एकांतस्थल नेकर आइलैंड में संपन्न हुआ है। युवा नेट प्रतिभाओं की उपस्थिति तथा उनकी स्वप्रदर्शी अंतर्दृष्टियों का वर्णन था। नौकायन करते तथा उम्दा शराबों का सेवन करते हुए उनके कौतुकों तथा शक्तिशाली संवादों का वर्णन था (हममें से प्रत्येक के लिए यह जरूरी है कि हम अपने सप्ताहों के बीच-बीच में “शक्तिशाली संवादों” का पुट दिया करें ताकि खुद को तरोताजा कर सकें, ऊपर उठा सकें और टिकाए रखें)। और तब यह आलेख ब्रैनसन पर आया जो वर्जिन समूह के संस्थापक है। इसके लेखक डेविड कर्कपैट्रिक ने पाया कि ब्रैनसन खाने से लेकर खेलों तक लगभग किसी भी चीज पर किसी से भी बातें कर सकते थे। किंतु जिस चीज ने उन्हें उस व्यक्ति के बारे में सर्वाधिक प्रभावित किया, वह उनकी संक्रामक जिंदादिली थी। ब्रैनसन हमेशा ही जिंदादिली से लबरेज नजर आते। एक न्यूज कॉर्प अधिकारी ने सहमति प्रकट करते हुए जोड़ा, “यह एक ऐसी चीज है जिसे मैंने इन समृद्ध और शक्तिशाली व्यक्तियों में पाया है। वे प्रायः हमेशा ही अपने आसपास सर्वाधिक आशावादी व्यक्ति होते हैं।” दिलचस्प।

बहरहाल, हमारा आहार यह है कि आशावाद कोई सतही, दुलमुल और उबाऊ चीज नहीं है। नहीं। यह किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए जो प्रामाणिक, उत्कृष्टता तथा एक पूर्ण जीवन जीने के मिशन के लिए समर्पित है, एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है। प्रत्येक दिन उन लोगों के लिए चुनौतियां लेकर आता है जो साहस दिखाते हैं, जोखिम उठाते हैं और सपने देखते हैं। जब आप महानता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए समर्पित हैं तो ये सब उस खेल के हिस्से ही तो हैं। अपने आसपास सबसे आशावादी व्यक्ति होना आपको शेष सबसे आगे करने में सहायक होगा। और वहां पहुंचा देगा जहां आप हमेशा से होना चाहते थे।

अपने आसपास सबसे आशावादी व्यक्ति होना आपको शेष सबसे आगे करने में सहायक होगा।

42

पीड़ित-वचन से सावधान

दि ग्रेटनेस गाइड में आपसे साझा किए गए मुद्दे-शब्दशक्ति-पर वापसी। शब्द आपकी अनुभूति को आकार देते हैं। वे उस तरीके को प्रभावित करते हैं जिससे आप वास्तविकता का प्रसंस्करण करते हैं। और वे या तो आपको आपके पर्वतशिखर के निकट पहुंचा सकते हैं अथवा आपकी घाटी के नजदीक खींच ले सकते हैं। विश्वस्तरीय शब्दों का उपयोग करें और आप अपने विश्वस्तरीय जीवन तक पहुंच जाएंगे। कल मैं मैनहटन के एक स्टारबक्स में था। मेरे सामने बैठे एक ग्राहक ने चाई लैटे लाने का आदेश किया। परिचारिका ने उसे बताया कि चाई समाप्त हो चुकी है। ग्राहक आहत दिखा। गंभीरतापूर्वक। काश, आपने उसका चेहरा देखा होता। लगा जैसे एक तीर ने उसके दिल को बेध दिया हो। उसका उत्तर? पूरी तरह पीड़ित-वचन: “आप मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकती हैं?” मैंने उसकी मुस्कराहट की प्रतीक्षा की। वह नहीं आई।

जीवन चाहे हमें जो भी दे, अपनी प्रतिक्रिया के तौर-तरीके के लिए हम स्वयं ही जिम्मेवार हैं। सचमुच ही जिम्मेवार हैं। अपनी प्रतिक्रिया के नियामक हम स्वयं ही हो सकते हैं। किसी परिस्थिति में हम क्या करेंगे इसका चयन हम स्वयं कर सकते हैं। हम कड़वे हो सकते हैं या हम उससे बेहतर भी हो सकते हैं। ढेरों विकल्प होते हैं-हर समय। उनकी शुरुआत हमारे शब्दों से होती है। उनका चयन सावधानी से करें। नेतृत्वकर्ता यही करते हैं।

जीवन चाहे हमें जो भी दे, अपनी प्रतिक्रिया के तौर-तरीके के लिए हम स्वयं ही जिम्मेवार हैं।

43

मैं भी पूरी क्षमता से लगा हूँ

मैं जानता हूँ कि मैं आपको संभाव्य की सीमा से आगे जाने को प्रोत्साहित करता हूँ। कुछ नया करने को। ऊपर उठने को। आप जो कुछ करते हैं और जिस जीवन का नेतृत्व करने का विशेषाधिकार आपको प्राप्त है, उसके अंदर अगले स्तर तक पहुँचने को। और मैं जानता हूँ कि मैं अपने भयों की ओर भागने (याद रखें कि अधिकांश वे चीजें जिनसे हम भय खाते हैं, कभी घटित होने के करीब भी नहीं आतीं) और अपनी असुविधाओं को गले लगाने की भी बहुत बातें करता हूँ। मैं बिल्कुल यही करने की पूरी-पूरी कोशिश करता हूँ। एक उदाहरण इस प्रकार है।

अभी पिछले ही हफ्ते मैंने दो दिन एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो में गुजारे। बहुत दिनों से मेरा सपना रहा है कि शक्तिशाली संदेश के साथ एक संगीत की रचना कर सकूँ। कानून की अपनी पढ़ाई के दौरान एक रॉक बैंड में मैं गिटार बजाता था (बुरी तरह किंतु लगाव से) और अब मुझे अपने उस प्यार की ओर वापस लौटने की जरूरत थी। और आप जानते हैं: आपके दिली सपनों को साकार करने का आदर्श समय कभी नहीं होगा। इसलिए मैंने एक जोखिम लिया। (अल पैसिनो ने हाल ही लेरी किंग से कहा, “आप सिर्फ उतने ही अच्छे होंगे, जितने अच्छे जोखिम लेंगे।”) मैं ऑरेंज रिकॉर्ड लेबल के दो कमाल के साझीदारों तक पहुँचा और उन्हें अपनी योजना बताई। अनुमान करें क्या हुआ, “न मांगें, तो न पाएँ”। उन्होंने मेरे साथ अनुबंध कर लिया। तत्काल।

पिछले दो दिनों में मैंने स्टूडियो में खुद को कुछ ऐसे लोगों के साथ पाया जो मेरे जीवन में मिले सर्वाधिक सृजनशील लोगों में थे। लेखक और संगीतकार। कल्पनाकार और स्वप्नदर्शी। सभी एक ऐसे शानदार संगीत की रचना में मेरी मदद के लिए एकजुट थे, जो लोगों को अपना जीवन असाधारण बनाने हेतु प्रेरित करेगा। कला की मौलिक कृतियाँ। मुझे गाना पड़ा (अपनी हंसी रोकिए)। मुझे गिटार बजाना पड़ा। मुझे अपने सुरक्षित आश्रय से बाहर निकल कर फिर से एक शुरुआती बनना पड़ा। “कैसा लगा?” आप पूछते हैं। हैरतभरे ढंग से शानदार। (यदि आप मुझे वादन करते हुए देखना चाहते हैं तो [राबिनशर्मा.कॉम](#) पर जाकर सीएनएन क्लिप देखें) मैं भयभीत, उत्तेजित, आनंदभरा और मुदित था। मैं कांपा। मैं हंसा। यह एक ऐसा अनुभव था जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा—जो उस व्यक्तिगत कहानी का हिस्सा है जिसे मैं जीवन कहता हूँ। इसलिए वहाँ तक पहुँचें। जोखिम लें। मांग करें। सपने देखें। हिम्मत करें। गिरें। नाकाम रहें। और कभी भी किसी को खुद से यह न कहने दें कि आपके सपने सच नहीं हो सकते। अंततः कोई उसे करेगा जिसे करने का स्वप्न आपने देखा था। आप क्यों नहीं?

कभी भी किसी को खुद से यह न कहने दें कि आपके सपने सच नहीं हो सकते।
अंततः कोई उसे करेगा जिसे करने का स्वप्न आपने देखा था। आप क्यों नहीं?

अत्यंत कड़ी कोशिश बंद करें

मेरे जीवन के केन्द्रीय संगठक सिद्धांतों में से एक यह है कि चीजों को घटित करने के प्रयास तथा उन्हें घटित होने देने के बीच नाजुक संतुलन साधने का नतीजा ही सफलता है। अलबत्ता, हमारी यह जिम्मेवारी बनती है कि हम अपने लक्ष्य निर्धारित करें, अपनी क्षमताओं को कार्यरूप में परिणत कर अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन करें। हमें अपने हिस्से का काम कर देने की जरूरत है। उन लोगों के लिए अच्छी चीजें अवश्य होनी हैं जो महान चीजें करने के प्रति समर्पित हैं। किंतु मेरी राय है कि हमें चीजों को खुद से संपन्न होने देने के प्रति भी थोड़ी प्रतिबद्धता रखनी चाहिए। दूसरे शब्दों में, अपना सर्वोत्तम करें—और बाकी जीवन को करने दें।

जीवन आपको हमेशा एक ऐसी जगह तक ले जाएगा, जो बेहतर हो (तब भी, जब वह वैसा प्रतीत नहीं होता)। मैंने यह सीखा है कि जीवन को हमारा नेतृत्व करने देना भी महत्वपूर्ण है (यह सब सीखना आसान नहीं है—मैं जानता हूं; मैं इस पर अभी स्वयं भी काम कर ही रहा हूं)। यदि आपने एक परिणाम हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर लिए हों, फिर भी चीजें योजनानुसार नहीं हो सकीं तो उतनी जोरदार कोशिश बंद कर दें। तनावमुक्त हो जाएं। संभव है, कुछ भी गलत न हो रहा हो। संभव है, यह समय ही उपयुक्त न हो। संभव है, आप जो चाहते थे वह आपके सर्वोत्तम हित में नहीं था। संभव है, जब एक दरवाजा बंद होता प्रतीत हो रहा हो, तो वस्तुतः दूसरा खुल रहा हो। और प्रायः ऐसा होता है कि जिसे आप सर्वोत्तम मानते थे उसे छोड़ दें, तो कुछ और बेहतर के आगमन के लिए जगह बन जाती है। क्योंकि प्रत्येक समाप्ति एक बिल्कुल नए प्रारंभ में प्रवेश कराती है।

जीवन आपको हमेशा एक ऐसी जगह तक ले जाएगा, जो बेहतर हो।

45

दर्पण जांच

मुझे विश्वास है कि यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि जब आप बेहतर जानते हैं तो आप बेहतर कर सकते हैं। जानकारी के उच्चतर स्तरों की सहायता से आप अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण विकल्पों का चयन कर सकते हैं। और आप क्या बनना चाहते हैं, इस संबंध में आपमें जितनी ज्यादा स्पष्टता आती है, उतनी ही जल्दी आप उन विकल्पों का चयन आरंभ कर सकते हैं जो आपको वहां पहुंचाने के लिए जरूरी है। वस्तुतः स्पष्टता बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय प्रक्रिया के लिए एक ढांचा पेश करती है (और हम वही बन जाते हैं जो हमारे निर्णय होते हैं)।

आपके लिए एक सरल साधन है—दर्पण जांच। दर्पण में देखें और खुद से निम्नलिखित प्रश्न करें: “मैं आज ऐसी कौन-सी चीज कर सकता हूं जिसे यदि मैंने किया तो मेरा पेशेवर तथा व्यक्तिगत जीवन अपनी महानता के अगले स्तर पर पहुंच जाएगा?” फिर उस चीज के बारे में सोचें। उस कदम को अत्यंत अच्छी तरह क्रियान्वित करने पर चिंतन करें। और आगे बढ़ कर उसे कर डालें। हिम्मत से कर्म करें। अभी। याद रखें, नित्यप्रति के छोटे-छोटे सुधार ही एक अवधि के उपरांत शानदार नतीजे देते हैं।

खुद से निम्नलिखित प्रश्न करें: “मैं आज ऐसी कौन-सी चीज कर सकता हूं जिसे यदि मैंने किया तो मेरा पेशेवर तथा व्यक्तिगत जीवन अपनी महानता के अगले स्तर पर पहुंच जाएगा?”

असुविधाजनक मित्रों की तलाश करें

संभव है, यह आपको चुनौती दे, उत्तेजित करे और शायद थोड़ा खिझाए (यदि ऐसा है, तो मैंने अपना काम कर दिया)। क्योंकि हम अपनी क्षमताओं का पूरा-पूरा दोहन करने वाले विचारों तथा अनुभवों के माध्यम से ही विकसित होते हैं। और मैं बस यही करना चाहता हूँ कि आपको (आपकी महानता में) विकसित होने में सहायता करूँ।

यह विचार आपके द्वारा खुद को ऐसे लोगों से घेरने के महत्व पर केंद्रित है जो आपको ज्ञात के सुरक्षित आश्रय को छोड़ने के लिए बाध्य करते हैं। दोयम तरीके से काम करने वाले लोगों के साथ आप अपना वक्त क्यों गुजारें? अपने व्यक्तिगत जीवन में ऐसे मित्र क्यों रखें जो साधारण बने रहने में ही संतुष्ट रहते हों? हम जिन लोगों के साथ चाय पीते हैं, उनके ही जैसे हो जाते हैं। हम वस्तुतः अपने सरोकार के लोगों जैसे ही बन जाते हैं।

शक्तिशाली विचार: जिन पांच लोगों के साथ आप अपना ज्यादातर वक्त गुजारेंगे, बहुत हद तक आप उनके ही जैसे बन जाएंगे (उम्मीद है, मैंने आपको भयभीत नहीं किया)। इसलिए मेरी राय यह है कि आप अपने पेशेवर तथा व्यक्तिगत जीवन में ऐसे लोगों को आमंत्रित करें जो आपको प्रेरित करें। जो आपको ऊपर उठाएं। जो आपको अधिक असाधारण/ प्रामाणिक/ अविस्मरणीय (और स्नेहिल) बनाएं। जो अंतरतम से विश्वस्तरीय होने के लिए प्रतिबद्ध हों। और सबसे महत्वपूर्ण यह कि जो विश्व को अलग तरह की दृष्टि से देखते हों। वे आपको चुनौती देंगे। वे आपको आगे बढ़ने को बाध्य करेंगे। और संभव है, कभी-कभी वे आपको खिझाएंगे (यदि ऐसा हो, तो कमाल है)। यह प्रक्रिया आपका बहुत भला करेगी। ताकि आप बढ़ें। और पहुंचें। और विकसित हों। ताकि फिर आप पहले जैसे न रहें।

दोयम तरीके से काम करने वाले लोगों के साथ आप अपना वक्त क्यों गुजारें?
अपने व्यक्तिगत जीवन में ऐसे मित्र क्यों रखें जो साधारण बने रहने में ही संतुष्ट
रहते हों?

आप जहां हैं, कुछ नया करें

विश्वस्तरीय बनने के लिए कुछ नया करने वाला बनना एकदम अनिवार्य है। चीजों को अविराम ढंग से बेहतर बनाना और मूल्य-संवर्द्धन, बुद्धिमानी से कार्य करने और तेजी से गतिशील होने के नए-नए तरीकों की खोज करना, ये कुछ ऐसी केन्द्रीय रचनात्मक विशिष्टताएं हैं जिनका अनुपालन व्यवसाय के सर्वोत्तम लोग करते हैं। और विस्मयकारी रूप में रचनात्मक होने तथा आपको आपके सर्वोच्च स्तर तक उछाल देने वाले बड़े विचारों को जन्म देने के लिए आपको वनों में विचरण करने अथवा किसी आश्रय की खोज करने की आवश्यकता नहीं है। सर्वोत्तम अंतर्दृष्टियों में से कई आपके वर्तमान स्थल पर ही कुछ नवाचार करने तथा चौखटे के बाहर जाकर सोचने से आती हैं। सिलिकन वैली स्थित डिजाइन फर्म आइडीईओ के अध्यक्ष टॉम केली ने कहा, “स्की-लॉजों और सागरतटीय सैरगाहों में मस्तिष्क मंथन विपरीत परिणाम दे सकता है। क्या आप चाहते हैं कि आपकी टीम के सदस्य यह समझें कि रचनात्मकता और प्रेरणा केवल ऊंचाइयों अथवा किसी सागरतट पर ही आ सकती है? मुझे गलत न समझें: दूरस्थ स्थल अच्छे हैं। किंतु याद रखें, आप अपने कार्यालयों में रचनात्मकता की शक्तिशाली अनुभूति का वैसा ही नियमित प्रवाह चाहते हैं जैसा सागर तट पर समीर।” कितनी पूर्णता से कही गई बात।

विश्वस्तरीय बनने के लिए एक शानदार नवाचारी बनना एकदम अनिवार्य है।

48

बच्चों के पालन में गौरव

नेतृत्व घर से आरंभ होता है। यदि आपका लक्ष्य वस्तुतः उस अत्यंत विशिष्ट जीवन तक पहुंचना है जिसके आप योग्य हैं, तो आपके परिवाररूपी संगठन के प्रबंधन, संरक्षण और उत्थान की आवश्यकता है। मैं यह भी विश्वास करता हूं कि हमारे जीवन के उच्चतम पल वे हैं जिन्हें हम अपने प्रियजनों के साथ साझा करते हैं।

मैंने अभी-अभी बियांका को उसके विद्यालय पहुंचाया है। एक कार देखी जिसमें कमाल का नंबर प्लेट लगा था। इसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर इस तरह संयोजित (RKIDSROC) थे कि उनका एक विशिष्ट अर्थ व्यंजित होता था। मैं मुस्कराए बिना न रह सका।

अपने बच्चों के लिए आपमें कितना गौरव है? क्या वे आपकी प्रथम प्राथमिकता हैं? मेरे तो निश्चित रूप से हैं। यदि अपने बच्चों के लिए मेरा वैसा करना जरूरी हो, तो मैं अपने कामकाजी जीवन में जो कुछ भी कर रहा हूं उसे एक पल में छोड़ दूंगा। क्या आप अपने बच्चों के साथ पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत करते हैं? मैं पिछले 13 वर्षों से एक पिता हूं और मुझे आपको यह अवश्य बताना चाहिए कि चाहे जो भी खिलौने, वीडियो गेम और उपहार मैं अपने बच्चों को दूं, वे मेरे समय से बेहतर नहीं हो सकते। यही वह है जो वे वस्तुतः चाहते हैं। जैसा मैंने दि ग्रेटनेस गाइड में लिखा है, मैं आपको बता नहीं सकता कि मेरे कितने अत्यंत अमीर एकजीक्युटिव कोचिंग शिक्षार्थी अपने निजी जेट विमानों से टोरंटो आकर मेरे साथ बैठे हैं और उन्होंने मुझे बताया है कि यद्यपि उनके पास “वह सब कुछ है,” किंतु वस्तुतः कुछ भी नहीं है। क्योंकि अपने बच्चों का बचपन देखना उनसे छूट गया। पैसा संपत्ति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप नहीं है। एकदम नहीं है।

इसलिए आज, अपने प्रियजनों से प्रेम करें। उनका संरक्षण करें। और उन्हें वे सारी बातें कहें जो आप कहना चाहते थे, किंतु कहने की हिम्मत नहीं जुटा सके। उन्हें यह दिखा कर कि आप उनसे कितने गौरवान्वित हैं, आप कभी नहीं पछताएंगे। कभी नहीं।

पैसा संपत्ति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप नहीं है।

अदृश्य प्रयास

मैंने हाल ही टाइम का एक दिलचस्प अंक पढ़ा। विश्व के 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों के जिक्र से भरा। उनमें जॉब्स हैं। ब्रैनसन एवं गोर भी हैं। मित्तल अपनी छाप छोड़ते हैं, उसी तरह ओपरा भी। मगर जिन जिक्रों ने मुझमें सर्वाधिक उत्सुकता जगाई, उनमें से एक लियोनार्डो डीकैप्रियो पर है। दरअसल उनके बारे में फिल्मकार मार्टिन स्कोरसेसे की मात्र एक अलहदा उक्ति से मैंने वैसा महसूस किया। डीकैप्रियो के अभिनय को पहली-पहली बार देखने के प्रभाव को उन्होंने कुछ इस तरह वर्णित किया: “उनके प्रदर्शन में कोई प्रयास लगता जैसा नहीं देखा।” इन शब्दों को पढ़ कर मुझे पत्रिका रख देनी पड़ी।

निष्णात लोग हर चीज को दिखने में कितना सरल बना देते हैं। सर्वोत्तम कलाकारों में भी सबसे उत्कृष्ट जन अपनी कला अनायास और असाधारण सुंदरता से प्रदर्शित करते हैं, अथवा कम से कम आपको और मुझे वैसा प्रतीत कराते हैं। हम उसमें कोई प्रयास-सा लगता नहीं देख पाते। विश्व में सर्वोत्तम बनने के लिए उन्हें सोते-उठते कठिन श्रम करते हुए हम नहीं देखते। दुरूह मुश्किलें पार कर अपने स्वप्न साकार करने में लगे भीषण दृढ़निश्चय को हम नहीं भांप पाते। और हम आलोचकों के उस अट्टहास को भी नहीं सुन पाते जिसकी अनदेखी करके ही पर्वतशिखर पर पहुंचा जा सका था। मनोरंजन, व्यवसाय, राजनीति, शिक्षा जैसे क्षेत्रों के सभी उल्लेखनीय लोगों के प्रदर्शन अनायास जैसे दिखते हैं। किंतु ये वाकई वैसे नहीं होते। रातोंरात सनसनी बन जाने के पीछे वर्षों की साधना हो सकती है। हम यह न भूलें।

निष्णात लोग हर चीज को दिखने में कितना सरल बना देते हैं। सर्वोत्तम कलाकारों में भी सबसे उत्कृष्ट जन अपनी कला अनायास और असाधारण सुंदरता से प्रदर्शित करते हैं, अथवा कम से कम आपको और मुझे वैसा प्रतीत कराते हैं।

50

परिवर्तन की प्रतीक्षा न करें

आप जानते हैं, मैंने कभी पूर्णता का दावा नहीं किया। मैंने हमेशा यह माना कि मैं कोई गुरु नहीं बल्कि, निश्चित रूप से, विकसित होती एक प्रक्रिया हूँ। बहुत साधारण। मेरी अपनी शक्तियाँ हैं। और मेरी कमजोरियाँ हैं (प्रत्येक मानव की तरह)। अधीरता मेरी कमजोरियों में एक है। मुझे महान चीजें संपन्न कराने की एक पीड़ादायक भूख है। धीमा बदलाव बर्दाश्त नहीं होता। अपनी छाप छोड़ने और अपनी प्रतिभा (यह हम सभी के पास होती है) खर्च करने की प्यास है। तत्काल।

कुछ अन्य कमजोरियों की तरह यह भी सफलता का एक महान स्रोत है। मैं चीजों को तेजी से आगे बढ़ाता हूँ। गति से प्यार करता हूँ। केवल परिणामों का महत्व होता है (मैं जरा सामान्यीकरण कर रहा हूँ)। इस पर मुझे बेस्टलाइफ में क्लिन्ट ईस्टवुड के व्यक्त विचार स्मरण हो आए: “यदि आप बेहतरी के लिए कोई बदलाव चाहते हैं, तो कभी-कभी आपको चीजें अपने हाथों में लेनी होती हैं।” बिल्कुल।

बेशक, आप अपनी टीम के साथ काम करें। सहयोग लें और दें। जहाँ आपकी क्षमता नहीं है वहाँ दूसरों को शक्तियाँ हस्तांतरित करें। किंतु कभी-कभी, जब दूसरे सभी लोग किसी दूसरे के द्वारा पहला कदम उठाने का इंतजार कर रहे हों, आपके द्वारा परिवर्तन का वाहक बनने की आवश्यकता आन पड़ती है। मेरे लिए, वह साहस का क्रियात्मक रूप है। मेरे लिए, वह आपके जीवन का बेहतर उपयोग है। मेरे लिए, वह नेतृत्व है—असाधारण बनने की पहल है।

कभी-कभी, जब दूसरे सभी लोग किसी दूसरे के द्वारा पहला कदम उठाने का इंतजार कर रहे हों, आपके द्वारा परिवर्तन का वाहक बनने की आवश्यकता आन पड़ती है।

51

महान संबंधों के प्रथम सिद्धांत

आपके जीवन की गुणवत्ता आपके संबंधों की गुणवत्ता पर सिमट आती है। अपने ग्राहकों के साथ, अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ, अपने प्रियजनों के साथ, अपने स्व के साथ (यह एक बड़ी चीज है)। उद्दाम रूप में महान संबंधों के लिए प्रतिबद्ध हों और आपका जीवन भी उद्दाम ढंग में महान बन उठेगा। फिर एक महान मानवीय संबंध-योजक होना एक बहुत आसान चीज है। याद रखें, सफलता का अर्थ मूलभूत चीजों के प्रति एक शानदार निरंतरता रखना है।

निम्नलिखित सात प्रथम सिद्धांत गहन रूप से सरल, फिर भी एकदम से गहन हैं—क्या सभी महान सत्यों के साथ यही बात नहीं होती?

- जब भी आप दूसरे व्यक्ति से मिलें, पहले अपनी ओर से ही हलो (या नमस्ते / शालोम / होला / सलाम / मालेकम या जो भी उचित हो) कहें। दूसरे शब्दों में, पहले आप भलमनसाहत दिखाएं (जिसके लिए साहस की जरूरत होती है, क्योंकि हम सभी को ठुकराए जाने का भय सताता रहता है)।
- खूब मुस्कराएं। यह अगले को आपके सामने खोल देने के सर्वोत्तम तरीकों में एक है। याद रखें, लोगों से मिलने के प्रथम चंद मिनटों में ही उन पर हमारी एक टिकाऊ छवि बन जाती है।
- लोगों के नाम लेकर बातें करें। यह वस्तुतः महत्वपूर्ण है। यह बताता है कि आप खयाल रखते हैं और यह सम्मान की निशानी है।
- लोगों से बात करते समय उनकी आंखों में देखें।
- एक विश्वस्तरीय श्रोता बनें। इसे सही ढंग से करें और आप “संबंधों का महासितारा” खिताब पा जाएंगे। अधिकतर लोग सुनते ही नहीं। अधिकतर लोग इतने स्वकेंद्रित होते हैं कि जब वे किसी दूसरे व्यक्ति से मिलते हैं तो अच्छे प्रश्न करने में विफल रहते हैं। सुनना और प्रश्न करना विनम्रता प्रदर्शित करता है। यह दिखाता है कि आप दिलचस्पी ले रहे हैं। यह बताता है कि आप दूसरे से जुड़े हैं—खुद में ही खोए नहीं हैं। अधिकांश लोगों के लिए सुनने का अर्थ तब तक रुके रहना है, जब तक दूसरा व्यक्ति बोलना समाप्त न कर ले ताकि वे अपनी बात घुसा सकें।
- सच्ची प्रशंसा अर्पित करें। प्रशंसा मुफ्त आती है। चाहे काम पर हों अथवा घर में, दूसरे की सफलता का जश्न मनाने और उसे ऊपर उठाने का कोई मौका हाथ से न जाने दें। आप उनके अंदर के सर्वोत्तम से जुड़ सकेंगे। और तब वे भी आपको अपना सर्वोत्तम देंगे। आप लोगों को जिस मिजाज में पाएं, उन्हें उससे बेहतर महसूस कराते हुए उनसे विदा लें।
- हर व्यक्ति से अत्यंत गरिमापूर्ण बर्ताव करें (मैं हर व्यक्ति पर जोर दूंगा; जब कोई मेरे प्रति तो बहुत मीठा, किंतु वेटर के प्रति कठोर होता है तो मैं भयभीत हो जाता हूँ—यह निरंतरता नहीं है)। इस तरह बर्ताव करें कि आप उन्हें दोबारा नहीं देखेंगे। प्रतिदिन जब मैं काम से घर लौटता हूँ तो मेरे बच्चे दौड़ते आते हैं और मुझसे लिपट जाते हैं। प्रतिदिन। मैं स्वयं को राजा जैसा महसूस करता हूँ।

वेशक उपर्युक्त सात विचार सरल हैं। इन प्रथम सिद्धांतों पर स्वामित्व पाएं और आप अपने पर्वतशिखर पर अपनी कल्पना से भी अधिक तेजी से पहुंच जाएंगे। महानता मूलभूत चीजों पर स्वामित्व से आती है।

चाहे काम पर हों अथवा घर में, दूसरे की सफलता का जश्न मनाने और उसे ऊपर उठाने का कोई मौका हाथ से न जाने दें।

52

चिंता बनाम चिंतन

बहुत सारे वैचारिक नेतृत्वकर्ता हमें अतीत में जाने से बचने की राय देते हैं। “वर्तमान में रहें”, उनकी सलाह होती है। “इस पल का आनंद लें।” “अतीत तो कब्र है।” ठीक है, मैं उनका कहना समझ सकता हूं। लेकिन क्या अतीत में जाकर अब तक की यात्रा के आनंददायी पलों का मोद मनाना और जो कुछ अनुभव हमने बटोरे, उनसे सीखना अच्छा नहीं है?

इसने मुझे चिंता बनाम चिंतन पर ला दिया। मुझे लगता है कि आपको अपने अतीत में दोबारा जाना चाहिए या नहीं, यह आपके इरादे पर निर्भर है। यदि अपने अतीत में जाने का आपका इरादा और कारण यह है कि आप अपने बुरे अनुभवों पर टिके रहें और जिन चीजों को आप बदल नहीं सकते उनकी चिंता करें तथा अपने पीड़ाभरे कालों को फिर से जी लें, तो मेरी राय है कि यह एक अस्वस्थ क्रिया होगी (समय की वस्तुतः पूरी बर्बादी; यह आपको बस बांधे रखेगी)। किंतु यदि आपका इरादा उन सबकों पर चिंतन करना है जिन्हें घटनाओं ने आपको सिखाया है तथा अपना विवेक बढ़ाना है एवं जिन अमूल्य पलों की अनुभूति आपको ईश्वरीय कृपास्वरूप मिली थी उनका रसास्वादन करना है, तो मैं समझता हूं कि यह एक अच्छी चीज है। क्योंकि आप अतीत को अपनी सेवा करने और खुद को बेहतर करने में लगा रहे हैं।

मैं आपको जिस बिंदु पर विचार करने को आमंत्रित कर रहा हूं वह यह है कि आपके द्वारा की गई उन चीजों पर दोबारा जाना और दुखी होना जिन्हें आप बदल नहीं सकते, समय का अपव्यय है। किंतु अच्छे वक्तों को याद करना, उनके लिए आभारी होना तथा अपने व्यक्तिगत इतिहास के चुनौतीपूर्ण समयों का भविष्य की सफलताओं के लिए इस्तेमाल करना समय का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग है।

लेकिन क्या अतीत में जाकर अब तक की यात्रा के आनंददायी पलों का मोद मनाना और जो कुछ अनुभव हमने बटोरे, उनसे सीखना अच्छा नहीं है?

दूसरों पर भरोसा करें

मैं अपने बच्चों को हिलरी स्वीक की फिल्म फ्रीडम राइटर्स दिखाने ले गया। इसने मुझे गहराई से प्रेरित किया। मेरी आंखों में आंसू ला दिए। इच्छा जगी कि मैं बनूं, करूं तथा अधिक से अधिक दूं। यह भी कि चीजों को बेहतर करूं। गहराई से।

इस फिल्म से मैंने जो चीजें लीं उनमें एक यह है कि नेतृत्व का अर्थ दूसरों में (और खुद में) भरोसा करना है जब कोई दूसरा नहीं कर रहा हो। फिल्म में बच्चे एक गिरोह के सदस्य हैं। कठिन जीवन। कठोर हृदय। किंतु उनकी शिक्षिका ने उन्हें उस रूप में देखा जो वे वस्तुतः थे: होशियार/ अच्छे/ खयाल रखने वाले मनुष्य जिन्हें नीचे गिरा अपने हाल पर छोड़ दिया गया। उनके स्कूल ने उन्हें नई किताबें भी नहीं दीं— उन्हें इस योग्य ही नहीं समझा। किंतु उनकी शिक्षिका ने समझा। उनके साथ आदर का बर्ताव किया। उनके लिए खुद ही किताबें खरीदीं (इसके लिए उसने दो अतिरिक्त जॉब किए)। उसने उन्हें चुनौती दी। उनका जश्र मनाया। उन पर भरोसा किया। और वे बदले। क्योंकि जब आप लोगों में सर्वोत्तम देखते हैं, तो वे भी आपको अपना सर्वोत्तम देते हैं।

मैंने इसे सारी दुनिया के विभिन्न संगठनों में होते देखा है। लोगों को विकसित, सम्मानित और प्रेरित करें और वे बढ़ चलेंगे। जैसा विस्मयकारी शिक्षक लियो बुस्कगेलिया ने एक बार कहा, “प्रायः हम एक स्पर्श, एक मुस्कान, एक सहृदय शब्द, उत्सुकता से सुनना, एक ईमानदार प्रशंसा अथवा खयाल रखने की कोई मामूली—सी क्रिया की शक्ति को कमतर आकते हैं। पर इन सब में किसी जीवन को बदल देने की शक्ति होती है।”

नेतृत्व का अर्थ दूसरों में (और खुद में) भरोसा करना है जब कोई दूसरा नहीं कर रहा हो।

अभ्यास सर्वोत्तम व्यवहार है

कल्पना करें कि लैस आर्मस्ट्रांग अपने नित्य अभ्यास की शानदार ढंग से अनुशासित नियमावली छोड़ दें और फिर भी टूर डी फ्रांस जीतने की आशा करें। कल्पना करें कि स्टीव नैश अपनी रोजाना की थकाऊ वर्जिश एवं खेल के बाद की विवेचनाओं को छोड़ कर भी अपनी सर्वोत्तम लय में रहने की उम्मीद करें। टाइगर वुड के बारे में जरा यह सोचें कि वे अपने गोल्फ के खेल में अंतहीन निखार और सुधार लाने के प्रति अपनी असाधारण प्रतिबद्धता को ढीला कर दें। हास्यास्पद, आप कहेंगे। फिर भी हममें से कितने अपने व्यवसाय अथवा जीवन में निरंतर रोजाना अभ्यास के प्रति समर्पित हैं? न के बराबर।

आप अभ्यास नहीं करेंगे तो बेहतर कैसे बनेंगे? सफलता बस यों ही नहीं आती। शानदार नतीजे संयोग से नहीं दिखते। जीवन की सर्वोत्तम चीजें धैर्य, ध्यान और त्याग मांगती हैं। विश्वस्तरीय होने के लिए आपको काम करने की जरूरत होती है। नित्य। अविराम। ललक से।

केवल यह आशा करना कि आप एक नेतृत्वकर्ता (और मानव) के रूप में महान हो जाएंगे, एक जादुई सोच से अधिक कुछ नहीं है। यह वक्त की बर्बादी है। याद रखें कि 1 प्रतिशत ही जीतते हैं। रोजाना अभ्यास से प्रतिदिन हासिल होने वाले कुछेक छोटे-छोटे सुधार ही एक अवधि के पश्चात हैरतभरे नतीजों में तब्दील हो जाते हैं। एथलीट अपने खेल में अभ्यास के द्वारा ही बेहतर बनते हैं। नेतृत्वकर्ता अपनी कला संवार कर ही बेहतर होते हैं। अपने कौशल को निखार कर। उनके प्रभाव को गहरा कर। अपने पर्वतशिखर की ओर सचेतनता से कदम बढ़ा कर। जब तक वे वहां पहुंच न जाएं।

शानदार नतीजे संयोग से नहीं दिखते। जीवन की सर्वोत्तम चीजें धैर्य, ध्यान और त्याग मांगती हैं।

पीड़ा आपका बड़ा भला करती है

मैं कैन्यन रैंच के लाइफ इनहान्समेंट प्रोग्राम के निदेशक एवं मनोवैज्ञानिक डैन बेकर की एक उत्कृष्ट पुस्तक ब्हाट हैपी पीपल नो पढ़ रहा हूं। मैं उनके कुछ शब्दों को आपसे साझा करना चाहता हूं जो आशावाद एवं जीवन की कठिन परिस्थितियों से गरिमापूर्ण तथा सुंदर ढंग से निबटने के विषय पर हैं।

वे जब युवा थे तो उनके नवजात पुत्र की मृत्यु हो गई। इस घटना ने उन्हें मार्मिक चोट पहुंचाई और उन्हें गहरी निराशा ने घेर लिया। इस पुस्तक में अपनी सीखों का जिक्र करते हुए वे कहते हैं कि अपनी चुनौतियों के माध्यम से “मैंने सीखा कि आशावाद वस्तुतः क्या है: वह यह जानना है कि जितनी ही पीड़ाजनक घटना होगी, वह उतनी ही गहरी सीख देगी। इस जीवन में बहुतेरे ऐसे सबक हैं जिन्हें हम सीखना नहीं चाहते। आप किसी को बस ये चीजें सुना कर उससे ज्ञानवान हो जाने की अपेक्षा नहीं कर सकते। ज्ञान हमेशा कठिन राह से ही आता है।”

सारगर्भित शब्द। जो चीजें हमारा दिल तोड़ देती हैं, संभवतः वे वही चीजें होती हैं जो उसे खोलने में भी मदद पहुंचाती हैं। पीड़ा हमारा कितना भला कर सकती है (यदि हम इससे मिलने वाले सबक को सीखना चाहे)। और संभवतः जीवन की महानतम चुनौतियां इसके सर्वाधिक बड़े सुअवसर भी पेश करती हैं।

जो चीजें हमारा दिल तोड़ देती हैं, संभवतः वे वही चीजें होती हैं जो उसे खोलने में भी मदद पहुंचाती हैं।

आपकी टीम आपके जितनी ही अच्छी होगी

सुबह कोल्बी को पैदल स्कूल पहुंचाते वक्त एक पथनिर्माण टीम को काम करते हुए देखा। टीम के मुखिया के लिए यह एक कठिन दिन था। एक बस की चालिका बार-बार हॉर्न बजा रही थी क्योंकि यातायात नियंत्रित करने हेतु लगाए गए अवरोध उसके बस की गति धीमी किए दे रहे थे। टीम का मुखिया चीखा, गुस्से में उसने हवा में एक मुक्का घुमाया और अवरोध पर ठोकर मारी। एक क्रुद्ध व्यक्ति।

फिर वह अपनी टीम के लोगों पर चीखने लगा। उनकी नकल की। क्रोध में विषवमन करते हुए। एक पागल की तरह निरर्थक प्रलाप करते हुए। वे सब नजरें नीची किए काम में लगे रहे। मैंने पाया कि वे इस सार्वजनिक दृश्य से अपमानित महसूस कर रहे थे। किंतु उनका मुखिया लगातार जारी रहा। एक व्यस्त सड़क पर सबकी नजरों के सामने अपना जहरीला कचरा उड़ेलते हुए। आज रात वह अपनी टीम पर नाकामी का आरोप मढ़ेगा। और शायद अपने बच्चों पर चीखेगा।

बड़ा विचार: आपकी टीम कभी भी आपसे अधिक महान नहीं हो सकेगी (यदि आप टीम के मुखिया नहीं हैं, फिर भी)। आप वह मानक तय करते हैं जहां तक सभी उठेंगे। हाथ की शक्ति को प्रत्येक उंगली प्रभावित करती है। जब संस्थाएं अपने कर्मियों के द्वारा विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने और असाधारण नतीजे देने में मदद के लिए मुझे बुलाती हैं तो मैं अपने सामने बैठे सभी व्यक्तियों को विनम्रतापूर्वक ध्यान दिलाता हूं कि “सभी चीजें आपसे ही आरंभ होती हैं।” उनके लिए मेरी यह राय होती है कि यह इस मिशन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विचार है। दूसरों पर दोषारोपण करना भूल जाएं—वह सिर्फ अपने आपको बचाने का बहाना है। और यह सब आपकी आंतरिक दुनिया से आरंभ होता है। बाहरी नेतृत्व अंदरूनी काबू से शुरू होता है। जब तक आप एक उत्कृष्ट मनुष्य बनने को प्रतिबद्ध नहीं होते, तब तक आप एक उत्कृष्ट संगठन के निर्माण में सहायक नहीं हो सकते।

मैंने सड़क पर टीम के जिस मुखिया को देखा, उसे दर्पण में झांकने की जरूरत थी। उसे अपनी गंदगी साफ करने की जरूरत थी। अपने व्यक्तिगत क्रोध पर काबू। अपने सीमित विश्वासों में सुधार। अपने चरित्र का विकास। अपना खुद का दिल खोलना। “कहने-सुनने की बातें हैं, रॉबिन,” आप कहेंगे? नहीं, मैं सचमुच यह नहीं मानता। ये करने की चीजें हैं। (कितने लोगों में इन्हें करने का साहस है?) ये वे चीजें हैं जो अंततः व्यवसाय के बेहतर नतीजे देती हैं। लाभ बढ़ाती हैं। संगठनों को महानता तक पहुंचाती हैं। और क्या मैंने कहा कि ये सब आपसे ही आरंभ होती हैं? क्योंकि यह वस्तुतः उसी तरह होता है।

आप वह मानक तय करते हैं जहां तक सभी उठेंगे। हाथ की शक्ति को प्रत्येक उंगली प्रभावित करती है।

संगीत जीवन को बेहतर बनाता है

अभी सुबह के 4 बजे हैं। मैं कॉफी पी रहा हूँ। बच्चे सो रहे हैं। और मैं अपने जर्नल में लिख रहा हूँ। (जर्नल लिखने का अर्थ खुद से वार्तालाप है। यह आपको एक बेहतर आप बनने में मदद करता है।) चिंतनरत हूँ। और माना की सीडी एमार एस कोम्बैटिटर सुन रहा हूँ। यह मुझे बहुत प्रिय है। यहां एक प्रश्न है: आप अपने जीवन में कितना संगीत आमंत्रित करते हैं?

संगीत ने मुझे अत्यंत पीड़ाजनक समयों को पार करने में मदद की है। जब मुझे जरूरत थी, इसने मुझे प्रेरणा दी; जब मैं खुशी के लिए तरस रहा था, इसने मुझे खुशी दी और जब मेरा दिल शांति की तीव्र कामना कर रहा था तो इसने मुझे शांति दी। इसने मुझे एक अधिक बहुरंगी, लगावयुक्त और जिंदादिल मनुष्य बनाया। मेरी राय है कि जीने और अपने सर्वोत्तम स्तर पर कार्य करने हेतु हमें ललक, प्रसन्नता और जीतने की अविराम इच्छा से लबरेज होने की जरूरत है। संगीत मदद करेगा। काफी अधिक। यह प्रत्येक पल को बेहतर बनाएगा। यह एक शानदार जीवन तक पहुंचाने वाला साउंडट्रैक है। और आप माना से आरंभ कर सकते हैं।

संगीत मदद करेगा। काफी अधिक। यह प्रत्येक पल को बेहतर बनाएगा। यह एक शानदार जीवन तक पहुंचाने वाला साउंडट्रैक है।

अपने बहानों के लिए संघर्ष न करें

“मैं अपने काम में और बेहतर नहीं हो सकता।” “मुझे व्यायाम करने की फुरसत नहीं मिलती।” “मैं यह परियोजना नहीं कर सकता (या उस सपने तक नहीं पहुंच सकता) क्योंकि यह बहुत कड़ा/डरावना/अव्यावहारिक है।” अपने बहानों के लिए संघर्ष करना बहुत मानवीय है। और उनके लिए आप जितना ही ज्यादा संघर्ष करेंगे, वे आपको उतना ही अधिक अपनाएंगे। उन्हें छोड़ दें। और अपनी शक्ति धारण करें।

“विफलता के लिए हमारे पास 4 करोड़ कारण हैं—किंतु एक भी बहाना नहीं,” रूडयार्ड किपलिंग ने कहा। सफल लोग बहाने नहीं बनाते। वे नतीजे देते हैं। और कभी कोई भी महान जीवन बहानों की नींव पर खड़ा नहीं हुआ। इसलिए बहाने बनाना बंद करें। उनमें से अधिकतर स्वनिर्मित भ्रम हैं, जो इस हेतु गढ़े गए हैं कि वे उन कामों से बचने में आपकी मदद कर सकें जिन्हें करने में आप भय महसूस करते हैं। हां, प्रत्येक बहाने के पीछे एक भय होता है। बदलाव से भय। अज्ञात से भय। विफलता से भय। सफलता से भय।

आज वह दिन हो सकता है जब आप खुद को बहानों तक पहुंचाने वाले सेतुओं को जला डालें (कृपया इसे कर डालें)। आज वह दिन हो सकता है जब आप अपने जीवन की पिटी-पिटाई लीक से परे संभावनाओं की सीढ़ियां चढ़ सकें। आज वह दिन हो सकता है जब आप खिताबविहीन नेतृत्व कर सकें। और अपनी महानता तक पहुंच सकें।

कभी कोई भी महान जीवन बहानों की नींव पर खड़ा नहीं हुआ। इसलिए बहाने बनाना बंद करें।

हमेशा जुड़ाव करते रहें

संबंधों से नेतृत्व के ढेर सारे सरोकार हैं। सच्चे नेतृत्वकर्ता शक्तिशाली सामाजिक नेटवर्क तथा टीम के सहयोगियों, आपूर्तिकर्ताओं एवं ग्राहकों की भरोसेमंद जमात बनाते हैं जो उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचने में सहायता करें (और वे भी, अपनी बारी आने पर, उन्हें प्रत्युत्तर दें) और असाधारण नेतृत्वकर्ता जुड़ाव करना जानते हैं। शानदार ढंग से।

मैं होंगकौंग से घर की वापसी उड़ान पर अपने ब्लैकबेरी पर ब्लॉग कर रहा हूं। एयर कनाडा की एक खुशगवार परिचारिका पूरे रास्ते अपने यात्रियों से जुड़ने के तरीके इस्तेमाल करती रही है। उसे हमारे नाम याद हैं। और वह हमारे चेहरे पर मुस्कान खिलाती ही रहती है। उसने अभी-अभी मुझसे पूछा कि क्या मैं कुछ खाना चाहता हूं। मैंने इनकार किया (उड़ान पर मैं न के बराबर खाने की कोशिश करता हूं)। उसका जवाब गजब का था: “मेरा अनुमान है कि आप उम्दा व्यंजनों का भरपूर सेवन कर चुके हैं।” मैं हंस पड़ा। उसकी इस बात ने उसे और अधिक अविस्मरणीय बना दिया।

इसलिए जुड़ने के रास्ते तलाश करें। उन लोगों से जिनके साथ आप काम करते हैं। उन प्रियजनों से जिनके साथ आप रहते हैं। और अजनबियों से जिनके साथ आप वह सफर करते हैं जिसका नाम जिंदगी है। आप न केवल और ज्यादा पेशेवर सफलताएं प्राप्त करेंगे, बल्कि एक ज्यादा खुश इंसान भी बनेंगे।

जुड़ने के रास्ते तलाश करें। उन लोगों से जिनके साथ आप काम करते हैं। उन प्रियजनों से जिनके साथ आप रहते हैं। और अजनबियों से जिनके साथ आप वह सफर करते हैं जिसका नाम जिंदगी है।

60

कौन-सी चीज आपको अलग करती है?

स्टारबरी वन के बास्केटबॉल जूते देखने में बहुत कुछ नाइकी एवं रीबॉक द्वारा बेचे जाने वाले जूतों जैसे ही लगते हैं। ये जूते बास्केटबॉल कोर्ट में एन.वाइ. निक्स गार्ड स्टीफन मैरबरी द्वारा पहने जाते हैं। और ये जूते अपने स्पर्द्धियों की ही तरह टिकाऊ होते हैं। तो फिर वह क्या है जो उन्हें विशिष्ट बनाता है? वह यह तथ्य है कि उनकी कीमत 14.98 डॉलर प्रति जोड़ी (सचमुच) होती है। सर्वोत्तम व्यवसाय अपना अलगाव बिंदु—उनके स्पर्द्धात्मक लाभ—जानते हैं और उनमें यह अनुशासन होता है कि वे उस पर शानदार ढंग से केंद्रित रहें ताकि पूरी दुनिया यह जान सके कि कौन-सी चीज उन्हें विशिष्ट बनाती है। टेस्ला केवल स्पोर्ट्स कार बनाती है—1,00,000 डॉलर प्रति कार। किंतु इसकी विशेषता: यह 0 से 60 मील प्रति घंटे पहुंचने में केवल 4 सेकेंड लेती है, बिजली की शक्ति से चलती है और एक बैटरी से 1,00,000 मील चल सकती है। कमाल के अलगाव बिंदु।

इसलिए अलग होने का साहस पैदा करें। अपने उद्योग में ऐसे मूल्य सृजित करने की हिम्मत करें जो पहले कभी नहीं हुए हों। अत्यंत प्रभावशाली रूप से सृजनात्मक बनें, हमेशा बेहतर बनते और बड़े स्वप्न देखते हुए। और यह जानें कि कौन-सी चीज आपको हर दूसरे से अलग करती है। क्योंकि यदि आप नहीं जानते कि आपके व्यवसाय को कौन-सी चीज विशिष्ट बनाती है तो फिर आप दूसरों को कैसे बता पाएंगे?

यह जानें कि कौन-सी चीज आपको हर दूसरे से अलग करती है। क्योंकि यदि आप नहीं जानते कि आपके व्यवसाय को कौन-सी चीज विशिष्ट बनाती है तो फिर आप दूसरों को कैसे बता पाएंगे?

वक्त बहुत तेजी से गुजरता है

बियांका को आज स्कूल छोड़ा। उसे अपने निकट से जाते हुए देखता रहा। अपने दोस्तों की ओर। अब वह 11 वर्ष की हो चुकी है। बड़ी होती जा रही है। मानों कल की ही तो बात है जब मैं उसे पीठ पर लिए घुमाता, उसे बबल गम खरीद देता तथा क्रेयोन्स से रंग भरते हुए देखा करता था। अब वह एवरिल लविग्रे, बियोन्से और हिलरी डफ में रुचि रखती है। जैसा मैंने पहले उल्लेख किया है, वह बड़ी होकर एक रॉक ड्रमवादिका बनना चाहती है (जब वह छोटी थी तो वह डेंटिस्ट और एक डॉलर स्टोर मालकिन बनना चाहती थी।)

मेरे पसंदीदा संगीत कलाकारों (संगीतज्ञ सचमुच कलाकार होते हैं) में एक अंग्रेज गीतकार लॉयड कोल का एक गीत है जो हमें यह ध्यान दिलाता है कि वक्त बहुत कुछ एक विमान की तरह होता है, बहुत तेज उड़ते हुए। झपकी न लेने लगे। इसके पहले कि आप को पता हो पाएगा, आपके बच्चे अपना खुद का जीवन जीने आपसे परे जा चुके होंगे। वक्त ऐसा ही करता है। वह हमारी उंगलियों के बीच से रेत के दानों की तरह निकल जाता है। इसलिए आप अपने प्रियजनों से प्यार कर लें। काम को अपना सर्वोत्तम दे लें। आप जो भी करते हैं उसमें कुछ अतिरिक्त कर लें। सच्चाई से बोलें। सम्मान से जी लें। और कुछ मजे उठा लें। क्योंकि एक दिन आपका समय समाप्त हो जाएगा।

आप जो भी करते हैं उसमें कुछ अतिरिक्त कर लें। सच्चाई से बोलें। सम्मान से जी लें। और कुछ मजे उठा लें। क्योंकि एक दिन आपका समय समाप्त हो जाएगा।

नीरवता को क्या हो गया?

मैं एक हवाईअड्डे पर था। लॉस वेगास के लिए उड़ान भरने को तैयार जहां मुझे 3,000 नेटवर्क विक्रेताओं को संबोधित करना था। मेरे पास कुछ वक्त था, सो मैं पढ़ने हेतु बिजनेस लाउंज में जाने के लिए ऊपरी तल्ले पर गया। वहां बहुत शोर-शराबा था। सेल फोन की घंटियां बज रही थीं (कर्कश स्वरों में, जिनसे मुझे नींद में भी करवटें बदलनी पड़ती है)। लोग अपने ब्लैकबेरी पर ऊंची आवाजों में बातें कर रहे थे (आरआइएम हमारे मुअकिलों में से एक है—आप लोगों से मुझे अब भी प्यार है)। एक यात्री एक प्लेस्टेशन पोर्टेबल पर बिना इयरपीस के ही एक गेम खेल रहा था। सो जब-जब वह ट्रैगनों से टकराता या फिर नए इलाकों पर हमले करता (एक कौतुक जैसा, वस्तुतः) तो हम सब उनकी आवाजें सुनते। अपने आइपौड की मेहरबानी से मैंने दुनिया को खुद से काट दिया। धन्यवाद, स्टीव जॉब्स। किंतु मेरे लिए ऐसा करने की नौबत आनी नहीं चाहिए थी।

फिर मैं गेट पर पहुंचा। अनुमान करें, वहां क्या था? शोर। शोर। शोर। किसी ने वहां पर तीन फ्लैट टीवी लगा दिए थे जिनके वॉल्यूम अभी लेवेल-10 पर हैं। विश्वास करना भी कितना कठिन है। हर कोई तो टीवी देखने की मनोदशा में नहीं था, न ही व्यवधान ही चाह रहा था। किसी ने भी हमारी अनुमति लेने की जहमत नहीं उठाई। फिर आइपौड बाहर निकला। मुझे मेरी शांति चाहिए। दरअसल, मुझे इसकी तीव्र चाह है। (मेरा विश्वास है कि चरम प्रदर्शन के बाद गहरे नवीकरण के बारी-बारी दौर से विश्वस्तरीय नतीजे मिलते हैं; यह एक बड़ा विचार है।)

यकीनन, मैं तकनीक की अहमियत समझता हूं। अगर होशियारी से इस्तेमाल की जाए तो यह हमें बेहतर तरीके से काम करने और बेहतर जीने में मदद करती है। किंतु नीरव मध्यांतरों और शांत स्थलों को क्या हो गया? बहुत अधिक शोर सपने देखने और अच्छा संवाद करने तथा बस अपने आपमें स्थित होने में बाधा पहुंचाता है। और हम सब को इनकी जरूरत है। यदि हम एक अच्छा जीवन जीना चाहते हैं। और महान बनना चाहते हैं।

बहुत अधिक शोर सपने देखने और अच्छा संवाद करने तथा बस अपने आपमें स्थित होने में बाधा पहुंचाता है।

एक बेदाग चरित्र

स्टेनलेस (दागहीन) स्टील—एक महान खोज। किंतु एक दागहीन चरित्र के बारे में क्या खयाल है? ऐसा, जो भला हो, अपने सभी कार्यों में उत्कृष्टता की चाह रखता हो और अपने आदर्शों के निकटतर पहुंचने के प्रयास में ढील न आने देता हो। जो अंदर है वह हमेशा बाहर भी प्रकट होना ही चाहिए। मेरा तात्पर्य यह है कि आपकी अंदरूनी दुनिया की गुणवत्ता अंततः आपकी बाहरी दुनिया की गुणवत्ता पर प्रतिबिंबित होती ही है। आपका बाहरी जीवन कभी भी आपके आंतरिक जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। जीवन वास्तव में एक दर्पण है—यह प्रतिबिंबित करता है कि हम कौन हैं, न कि हम कितना कुछ चाहते हैं।

एक इंसान जो शुद्ध सपने देखता है और जो त्रुटिहीन ढंग से ईमानदार, अच्छा, नैतिक है तथा जो कुछ भी उत्तम है उसका हिमायती है, तो वह शीघ्र ही उन मूल्यों के अनुरूप कर्म करेगा। और वे कर्म असाधारण नतीजे लाएंगे ही। आंतरिक हमेशा ही बाह्य का सृजन करता है। हमेशा।

बीती रात मैंने बियांका के साथ स्पाइडरमैन 3 देखा। फिल्म की सर्वोत्तम पंक्ति वही थी जो सर्वाधिक स्पष्ट थी: “हमारे पास एक विकल्प हमेशा रहता है। हम हमेशा ही सही और गलत में किसी एक का चयन कर सकते हैं।” नेतृत्व/ सफलता/ महानता की यह बात वस्तुतः बहुत सरल है। सरल है, किंतु आसान नहीं है (और उत्कृष्टता का अर्थ केवल सही बनाम आसान करना है)। जीवन की सर्वोत्तम चीजें प्रयास, प्रतिबद्धता तथा अनुशासन मांगती हैं। (मेरे मित्र निदो क्युबीन ने एक बार कहा, “अनुशासन की कीमत हमेशा खेद की पीड़ा से कम होती है।”) और यकीनन, यह सब कितना स्पष्ट तो लगता है। किंतु जो सर्वाधिक स्पष्ट होता है वह प्रायः हमेशा ही भुला दिया जाता है।

हमारे पास एक विकल्प हमेशा रहता है। हम हमेशा ही सही और गलत में किसी एक का चयन कर सकते हैं।

लोगों को आजाद करें

सर्वोत्तम नेतृत्वकर्ता अपने टीम-साथियों को बंधनमुक्त करते हैं। वे स्पष्ट तौर से अपने स्वप्न उन्हें समझाते हैं, उन्हें प्रशिक्षित और विकसित करते हैं, और एक बार यह सब संपन्न हो जाए तो उन्हें आजाद कर देते हैं। अपनी सृजनात्मकता और मौलिकता का इस्तेमाल कर नतीजे हासिल करने के लिए आजाद। उत्कृष्ट कार्य करने और शानदार समाधान प्राप्त करने के लिए आजाद। कामयाबी के मायने महसूसने के लिए आजाद। और नाकाम रहने के लिए आजाद क्योंकि गलतियां करना कामयाबी हासिल करने का एक हिस्सा है।

लोग एक ऐसे संगठन का हिस्सा बनना पसंद करते हैं जो उन्हें उनकी प्रतिभाओं का इस्तेमाल करने और पूरी तरह चैतन्य बने रहने दे। लोग भागीदार बनाया जाना तथा अपने योगदान पर गौरवान्वित होना चाहते हैं। अत्यंत गहरे स्तर पर हममें से प्रत्येक अपने द्वारा किए जा रहे कार्य तथा नेतृत्व किए जा रहे जीवन के द्वारा हुए बदलाव को जानने की तीव्र इच्छा रखता है। क्या आप अपनी चहुंओर के लोगों को आजाद कर उन्हें अपनी इस लालसा को साकार करने देंगे? क्योंकि यदि आप यह नहीं करेंगे तो कोई दूसरा करेगा।

लोग एक ऐसे संगठन का हिस्सा बनना पसंद करते हैं जो उन्हें उनकी प्रतिभाओं का इस्तेमाल करने और पूरी तरह चैतन्य बने रहने दे।

गौर से सुनने का एक दिन

गौर से सुनना, बहुत सारे अर्थों में, विश्वस्तरीय संस्कृतियों की सामाजिक समानता है जो विश्वस्तरीय संगठनों में विकसित हो जाती है। गौर से सुनने पर लोग खुद को विशिष्ट महसूस करते हैं (और प्रतिभाएं मुख्यतः इसी कारण से संगठनों को छोड़ देती हैं कि उन्होंने वहां खुद को विशिष्ट महसूस नहीं किया)। गौर से सुनना सम्मान प्रकट करता है। गौर से सुनने पर आपको वे सारी सूचनाएं मिलती हैं जो प्रत्येक उन चीजों को बेहतर कर देंगी जिन्हें आप करते हैं। मेरा अनुमान है कि शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी लोग शानदार श्रोता होते हैं।

आज, केवल एक दिन के लिए, गौर से सुनने (बनाम सिर्फ सुनने) का निर्णय लें। बीच में व्यवधान न डालें। जब अगला व्यक्ति बोल रहा हो उसी वक्त आप अपने उत्तर का पूर्वाभ्यास न करें। और जब अगला व्यक्ति आपसे अपने विचार साझा कर रहा हो तो अपने ईमेल या मोबाइल संदेश देखने की हिमाकत न करें। बस गौर से सुनते रहें। गहराई से। वहां उस व्यक्ति के लिए मौजूद रहें। क्योंकि हर व्यक्ति की एक आवाज है। और हममें से प्रत्येक की यह लालसा होती है कि हमारी आवाज को पहचान मिले। एक बार यह कर लें तो फिर अपने सम्मुख महान चीजों को अनावृत्त होते देखते रहें।

हर व्यक्ति की एक आवाज है। और हममें से प्रत्येक की यह लालसा होती है कि हमारी आवाज को पहचान मिले।

होशियार कंपनियां भावनाएं जीतने की स्पर्द्धा करती हैं

शक्तिशाली विचार: मुख्य स्पर्द्धा “बटुए के हिस्से” (जैसा मैं अपने शिक्षार्थियों के साथ अपने कितने सारे सम्मेलनों में सुना करता हूं) के लिए नहीं है। नहीं। यह ग्राहकों के दिलों के हिस्से के लिए है। आज के व्यवसाय जगत में होशियार कंपनियां जिनकी सेवा करती हैं, उनके दिलों को छूने की स्पर्द्धा करती हैं।

लोग अपनी भावनाओं के साथ खरीदारी करते हैं। मैं कोलंबियाई कॉफी पीता हूं। क्यों? क्योंकि यह असाधारण रूप से स्वादिष्ट है और इससे मुझे खुशी मिलती है। मैं एक सामाजिक अंतरात्मा के साथ कंपनियों से खरीद करने का प्रयास करता हूं। क्यों? क्योंकि ऐसा करने से मुझे खुद के लिए अच्छा महसूस होता है। मुझे अपने पुराने, फटे लेवीज से बेहद प्यार है। क्यों? क्योंकि वे मुझे सहज और यथार्थ के धरातल पर महसूस कराते हैं। ये सब भावनात्मक लगाव हैं।

मुझे न्यूयार्क में मर्सर, मियामी में होटल विक्टर, फ्लोरेंस में दि सेवॉय और सिंगापुर में रिज-काल्टन तथा गोआ में लीला पैलेस में ठहरना प्रिय है। क्यों? क्योंकि वे मुझे काफी प्रभावित करते हैं। और मुझे विशिष्ट महसूस कराते हैं (यहां फिर वही भावनात्मक चीज है)।

अपने ग्राहकों के मस्तिष्क से जुड़ें और वे आपके उत्पाद या सेवा को एक वस्तु के रूप में ले सकते हैं: जब आपका एक स्पर्द्धी कमतर कीमत पर आ जाएगा तो वे आपको छोड़ देंगे। किंतु उनके हृदय से जुड़े और वे पूरी जिंदगी आपके साथ रहेंगे। महान व्यवसायों के पास ऐसे ग्राहक नहीं होते जो उन्हें पसंद करते हैं। उनके पास ऐसे ग्राहक होते हैं जो उनसे प्यार करते हैं। और यही उन्हें टिकाऊ बनाता है।

मुख्य स्पर्द्धा “बटुए के हिस्से” के लिए नहीं है। नहीं। यह ग्राहकों के दिलों के हिस्से के लिए है।

जब आप जानेंगे तो जान जाएंगे

मैंने कल सीरियस सैटेलाइट रेडियो पर एक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम की होस्ट, जेसी डाइलैन, ने मुझसे एक विचारणीय प्रश्न किया: “रॉबिन, हम सबके लक्ष्य और आकांक्षाएं होती हैं। किंतु कभी-कभी चीजें योजनानुसार नहीं होतीं। आप कैसे जानेंगे कि कब कोशिशें छोड़ दें?” मेरा उत्तर सीधा था: “जब आप जानेंगी तो जान जाएंगी।”

अपने कार्य में अथवा व्यक्तिगत जीवन के दायरे में कोई भी तब तक विश्वस्तरीय नहीं हो सकता जब तक वह प्रयास न छोड़ने के प्रति अविराम निष्ठा न रखता हो। वीरता के सारे कार्य ऐसे मनुष्यों द्वारा संपन्न किए गए जिन्होंने हार न मानी। चीजें चाहे कितनी भी बुरी, असंभव अथवा अव्यावहारिक दिखती हों, वे छोड़ने वाले नहीं होते। किंतु यह कहने के बावजूद जीवन हमारे लिए कभी-कभी कुछ दूसरी ही योजनाएं रच लेता है। (हास्य कलाकार गिल्डा रैडनर, 42 वर्ष की उम्र में जिनका निधन गर्भाशय के कैंसर से हो गया, ने इस बात को बखूबी कहा: “मैंने कठिन अनुभवों से यह जाना है कि कुछ कविताएं लयबद्ध नहीं होतीं और कुछ कहानियों के स्पष्ट आरंभ, मध्य और अंत नहीं होते। जीवन का अर्थ है—मालूम न होना, परिवर्तन के लिए बाध्य होना, इस पल को लेना और उसका अधिकतम उपयोग बिना यह जाने करना कि अगले पल क्या होने जा रहा है। मजेदार अस्पष्टता।”)

हम कुछ घटित होने एवं कुछ स्वप्नों के साकार होने को लालायित होते हैं। किंतु हम चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, बादल नहीं छंटते। हमें कभी भी अवसर नहीं मिल पाता। भाग्य हम पर कभी भी नहीं मुस्कराता। हम केवल अपनी आस्था के बल पर अंधेरे में भी कठिन परिश्रम जारी रखते हैं। यदि आपके अंदर कहीं गहराई में आपकी आग तेज जल रही है और आपका रोम-रोम आगे बढ़ने को कह रहा है (स्वआस्था महानता की निशानी है)—तो बहुत अच्छा है। किंतु कभी-कभी आप ऐसे बिंदु पर पहुंचते हैं जब आप यह जान जाते हैं कि अब रणनीति में बदलाव का वक्त आ गया है। इसका अर्थ निराश होना नहीं है। बस आप जान जाते हैं। इसका अर्थ जीवन पर भरोसा करना है। यह विश्वास रखना कि एक बेहतर चीज आपकी प्रतीक्षा कर रही है। और यही वक्त है कि हम अपनी राह सही करें।

जैसा मैंने आपको एक पूर्व अध्याय में बताया है, पिछले कुछ वर्षों से मैंने एक सरल दर्शन के अनुरूप जीने का प्रयास किया है: अपना सर्वोत्तम करें और बाकी जीवन को करने दें। आप जिसे चाहते हैं उसे छोड़ पाना आसान नहीं होता (मैं जानता हूं कि यह कितना पीड़ादायक हो सकता है)। किंतु यदि कोई बेहतर चीज कहीं आसपास ही प्रतीक्षा कर रही हो तो आप क्यों यह नहीं करेंगे?

अपना सर्वोत्तम करें और बाकी जीवन को करने दें।

एक हीरो बनें

कोल्बी के साथ एक हालिया उड़ान में मैं अखबारों के पन्ने पलट रहा था जबकि वह एक हार्डी बॉयज पुस्तक पढ़ने में लगा था। ट्रिस्टन अन्सवर्थ, एक 11 वर्षीय बालक जो कनाडा के आपने छोटे गृहनगर का हीरो बन चुका है, के बारे में एक आलेख देखा। ट्रिस्टन के साथ स्लोबोर्डिंग करने वाला उसका एक सहपाठी मित्र कक्षा में उसकी बगल में बैठा कैन्डी चूस रहा था। किसी ने कुछ मजेदार कहा, बच्चे हंसने लगे और वह कैन्डी बालक की श्वासनली में जा अटकी। कक्षा में सभी इतने स्तब्ध हो गए कि किसी को कुछ न सूझा। बच्चे का दम घुटने लगा। उसका चेहरा नीला पड़ने लगा। जैसा उसने बाद में बताया, उसे लगा कि उसका अंतिम दिन आ चुका। किंतु ट्रिस्टन की दादी ने उसे हीमलिक प्रक्रिया सिखा रखी थी। उसने तुरंत उसे आजमाया और मित्र की जान बचा ली। सुंदर।

कल उसके स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा, “वह मेरे पूरे जीवन में मुझे मिला सर्वाधिक विनम्र बालक है। वह एकदम गजब का बच्चा है।” आपके ध्यान के लिए एक शक्तिशाली विचार: हममें से प्रत्येक के अंदर महानता का निवास है। और चाहे आप मास्को के एक उद्यमी हों या तेल अवीव के एक शिक्षक अथवा बगोटा में एक छात्र या कि मनीला में एक प्रबंधक—यह आपके लिए हमेशा सच है। हम इसे न भूलें। हम अपनी उत्कृष्टता को न छिपाएं। हम इसे इतना गहरे दफन न कर दें कि हम कौन हैं, इसका सार ही भुला दें। हम ट्रिस्टन की तरह बनें। और उल्लेखनीय बनें।

हममें से प्रत्येक के अंदर महानता का निवास है। और चाहे आप मास्को के एक उद्यमी हों या तेल अवीव के एक शिक्षक अथवा बगोटा में एक छात्र या कि मनीला में एक प्रबंधक—यह आपके लिए हमेशा सच है।

69

योजना क्यों?

व्यक्तिगत योजना निर्माण एवं लक्ष्य निर्धारण कोई सेक्सी विषय नहीं हैं। किंतु ये अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण हैं और जीवन के असाधारण अनुभव के लिए केंद्रीय हैं। मैं इसे अपने उन शिक्षार्थियों से बार-बार कराता हूँ जिन्हें मैं सिखाता हूँ: काफी वक्त लगा कर अपने जीवन के अहम क्षेत्रों के बारे में अपने स्वप्न का स्पष्ट तथा बारीक वर्णन करना कि वे उन्हें कैसा देखना चाहते हैं, फिर उस स्वप्न को लक्ष्यों में तोड़ कर एक लिखित योजना तैयार करना ताकि स्वप्न इतना विशाल न दिखे और उस बड़ी तस्वीर को उन करने योग्य चरणों में देखा जा सके जो रोज-रोज की प्रगति तय कर सकें।

योजना निर्माण के सर्वोत्तम प्रभावों में से एक—जिसे मैंने व्यक्तिगत स्तर पर खोजा है—वह है जो यह मेरे मस्तिष्क पर डालता है। इसे मुझे इस रूप में कहने दें: और कोई चीज मस्तिष्क को इतनी अच्छी तरह एकाग्र नहीं कर सकती जितनी कागज पर योजनाएं निर्धारित करना और उन्हें लक्ष्यों में क्रमबद्ध करना। इसे करने की क्रिया ही आपकी चेतना को ऊपर उठा यह साफ कर देती है कि सबसे अहम चीज कौन-सी है। और बेहतर चेतना से आप बेहतर विकल्प चुन सकते हैं। और जब आप बेहतर विकल्प चुनते हैं तो यह तय है कि आप बेहतर नतीजे पाते हैं।

इसलिए खुद को एक उपहार दें: कागज का एक शुभ्र, श्वेत, ताजा पन्ना निकालें। एक पेंसिल की नोंक तेज करें। और यह लिखना आरंभ करें कि आप काम और घर को कैसा बनाना चाहते हैं। यह आपके सोचने से कहीं अधिक आसान होगा। और इसके नतीजे आप को स्तब्ध कर देंगे।

खुद को एक उपहार दें: कागज का एक शुभ्र, श्वेत, ताजा पन्ना निकालें। एक पेंसिल की नोंक तेज करें। और यह लिखना आरंभ करें कि आप काम और घर को कैसा बनाना चाहते हैं।

पाने के लिए मांगें

यदि आप प्रयास ही नहीं करते तो कभी नहीं जान पाएंगे। आप जो चाहते हैं उसे मांगने में अत्यधिक ताकत है। प्रायः हमेशा ही हमारे अंतर में चलने वाला वार्तालाप हमें वैसे कदम उठाने से रोक देता है जो हमें हमारी खुद की महानता तक पहुंचाने के लिए जरूरी हैं। हम अपनी आंतरिक कल्पनाओं—जिनमें से अधिकांश झूठी होती हैं—के द्वारा क्षुद्रता के स्तर पर सीमित रखे जाते हैं।

सर्वोत्तम लोगों में भी सर्वाधिक बुद्धिमान, जो सार्थक और शानदार जीवन जीते हैं, एक झक्की की तरह मांगते हैं। वे समझते हैं कि यह एक ऐसी आदत है जिसे चमकाने के लिए उसे मांजना जरूरी है। और आप इसे जितना ही अधिक करते हैं, यह उतना ही आसान हो जाता है (किसी भी हुनर की तरह)। सो वे मांगते हैं। अपने काम के लिए जरूरी सहारा और मदद। घर में अपने लिए जरूरी समझ। अपने व्यवसाय के लिए जरूरी जीत। अपने पसंदीदा रेस्तरां में एक बेहतर टेबल। किसी संगीत सभा की बिकी हुई सीटों में एक बेहतर सीट। और चूंकि वे ज्यादा मांगते हैं, वे ज्यादा पाते हैं (सफलता हमेशा ही अंकों का खेल है)।

जब तक आप मांगते नहीं, तब तक कुछ नहीं होता। लोग मस्तिष्क पढ़ना नहीं जानते। उन्हें यह जानना होता है कि आप के लिए क्या अर्थपूर्ण है। और यदि आप भलीभांति मांगते हैं तो वे हां कह सकते हैं।

सर्वोत्तम लोगों में भी सर्वाधिक बुद्धिमान, जो सार्थक और शानदार जीवन जीते हैं, एक झक्की की तरह मांगते हैं।

नई चीजें करें

मनुष्य में नियंत्रण की तीव्र इच्छा होती है—हम ऐसे ही हैं। यह जीवित रहने की एक प्रणाली है जो हमारे गुफावासी होने के दिनों से ही हमारे साथ है। हमें निश्चितता चाहिए और उससे कम कोई भी चीज हमें असहज कर देती है। किंतु नेतृत्व का अर्थ असहज होने में कुशल होना है। इसका अर्थ भयभीत करने वाली चीजों से दूर नहीं, बल्कि उनकी ओर भागना है। और नेतृत्व का अर्थ नई चीजों को आजमाना है।

रोजाना एक ही तरह का भोजन करना कितना आसान है। किंतु यदि आप खाने की नई चीजों को नहीं आजमाएंगे तो आप अपने नए पसंदीदा आहार को ढूंढने के मौके से वंचित रह सकते हैं। एक ही तरह के लोगों से जुड़े रहना और रोजाना एक जैसा वार्तालाप करते रहना आसान है। लेकिन अगर आप अपनी जमात का दायरा नहीं बढ़ाते तो अपने नए बेहतरीन दोस्त से मिलने का मौका चूक सकते हैं। काम में नित्य एक ही चीज करना—एक लीक से चिपके रहना—कितना आसान होता है। मगर आप अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं करते तो आप से ऐसी उपलब्धि छूट जाएगी जो आप को आत्मविश्वास एवं संतुष्टि की भावना से भर देगी और जो काम की एक बिल्कुल नई दुनिया की शुरुआत हो सकेगी।

इसलिए मैं आपको आमंत्रित करता हूं कि आप प्रत्येक दिन का इस्तेमाल एक ऐसे प्लैटफॉर्म के रूप में करें जो आपके जीवन में नई चीजें भर कर उसे अधिक रोमांच, ललक तथा ऊर्जा से भर दे। यदि आप सामान्यतः बाख को सुना करते हैं तो बूजूबैजो को सुनें। यदि आप मांस और आलू खाते हैं तो मलेशियाई खाना खाएं। यदि आप फार्चून के ग्राहक हैं तो ड्वेल पत्रिका पढ़ें। बाहर एक बड़ी दिलचस्प दुनिया है। और यदि आप चाहें तो यह आपकी है।

यदि आप सामान्यतः बाख को सुना करते हैं तो बूजूबैजो को सुनें। यदि आप मांस और आलू खाते हैं तो मलेशियाई खाना खाएं। यदि आप फार्चून के ग्राहक हैं तो ड्वेल पत्रिका पढ़ें।

स्वयं पर स्वामित्व के बारे में

सुंदर शब्द: स्वयं पर स्वामित्व। उनमें एक प्रेरक प्रभाव है। वे आशा का संचार करते हैं। वे चुनौती देते हैं। वे उकसाते हैं। वे हमारी सर्वोच्च संभावनाओं की पुष्टि करते हैं और हमें उनकी याद दिलाते हैं।

जीवन का उपहार पाना एक बला का दायित्व पाना है। हममें से प्रत्येक को नित्य बाहरी दुनिया में निकल सर्वोत्तम ढंग से जीना ही चाहिए। हां, जीवन में हमेशा उचित ही नहीं होता। हमें मुश्किल ग्राहकों एवं कमतर प्रदर्शन करने वाले आपूर्तिकर्ताओं तथा क्रुद्ध यात्रियों से निबटना पड़ेगा। हम कठिन तथा भ्रमपूर्ण समय से गुजरेंगे। हम अकेलापन महसूस करेंगे या फिर अपने सर्वोच्च तथा सर्वोत्तम के साथ बने रहने को छोड़ना चाहेंगे। यह सब बस जीवन का घटित होना है। किंतु, साथ ही साथ, जीवन आपको चमक उठने के रोजाना मौके पेश करता है। अपनी प्रतिभाओं को निखारने के लिए। अपने बंधनों को खोलने के लिए। स्वयं पर स्वामित्व के लिए।

आज एक शपथ लें जो आपके जीवन की धारा बदल देगी। हमेशा के लिए। खुद को स्वयं पर स्वामित्व के लिए समर्पित कर दें। अपनी सोच के बारे में सोचें। अपने प्रामाणिक मूल्यों को तथा उन चीजों को हूँ जिनके साथ आप बने रहना चाहते हैं। (आप जो हैं वह कैसे हो सकते हैं यदि आप यह नहीं जानते कि आप कौन हैं?) अपने डरों को जानें। अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा और मानवीय क्षमता पर विचार करें। अतीत के भावनात्मक बोझ से मुक्त होना सीखें। नकारात्मकता को बर्दाश्त करने से इनकार कर दें। (खलील जिब्रान ने एक बार कहा कि “संशय एक इतनी अधिक अकेली पीड़ा है कि वह यह नहीं जान पाती कि आस्था उसकी जुड़वां बहन है”); हममें से प्रत्येक के पास उनसे कहीं अधिक विकल्प होते हैं जितने हमें अभी दिखते हैं, और हम ज्यों ही हिम्मत दिखाते हैं, वैसे द्वार खुलने लगते हैं जिनके अस्तित्व का भी पता हमें न था।) अधिक पढ़ें। अधिक सीखें। चुस्त बनें—नहीं, अत्यधिक चुस्त बनें (खेदजनक—अच्छा स्वास्थ्य केवल उनके लिए ही महत्व रखता है जो इसे खो चुके हैं)। आप जो भी काम करते हैं उसमें उल्लेखनीय बनें। अपने काम में इतने अच्छे बनें कि आपका संगठन आपके बगैर चल न सके। अपनी जानकारी के दायरे में सर्वाधिक दोस्ताना इंसान बन जाएं। करुणा और समझदारी बढ़ाएं। भले बनें। अच्छे बनें।

जीवन आपको चमक उठने के रोजाना मौके पेश करता है। अपनी प्रतिभाओं को निखारने के लिए। अपने बंधनों को खोलने के लिए। स्वयं पर स्वामित्व के लिए।

यदि आप मेरा ब्लॉग नियमित रूप से पढ़ते हैं तो आप जानते हैं कि मैं इयान श्रैगर के होटलों का प्रशंसक हूँ। मैं इसमें पहली बार लगभग एक दशक पूर्व ठहरा था जब मैं दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी के लिए संयुक्त राज्य पुस्तक भ्रमण पर निकला था (न्यूयार्क में यह दि पैरामाउंट के नाम से है)। दि ग्रेटनेस गाइड में मैंने लंदन के सेंट मार्टिन्स लेन के बारे में लिखा है (जो अभी भी पृथ्वी पर मेरे सार्वकालिक पसंदीदा होटलों में एक है)। मैं श्रैगर के होटलों को क्यों पसंद करता हूँ? क्योंकि जब वे पहली बार प्रारंभ हुए तो बाकी सबसे अलग किस्म के थे (अब ज्यादातर बुटीक होटलों में श्रैगर के प्रारंभिक दिनों के कुछ तत्व होते हैं)। वे अविस्मरणीय रूप से विशिष्ट होते हैं। उनमें अंशतः आधुनिक कला दीर्घा एवं अंशतः शयन स्थल होने का आत्मविश्वास होता है। सभी सर्वोत्तम व्यवसायों (और मनुष्यों) की तरह वे अनुसरण करने की बजाए नेतृत्व करते हैं।

मैं इस सुबह कोलंबियाई कॉफी पीते हुए हैरी बेकविथ द्वारा लिखित एक शानदार पुस्तक व्हाट क्लायन्ट्स लव पढ़ रहा हूँ। व्यवसाय एवं जीवन पर चिंतन करते हुए। पुस्तक में बेकविथ ने श्रैगर को उद्धृत किया है जो अपने तरीके के अनुरूप कहते हैं, “चौबीस लोगों को मेरे होटलों को मेरे सरोकारों के कारण नापसंद करने दें—ताकि पच्चीस में एक उन्हें प्यार करे।” एक बड़ा गुर: ऐसे व्यवसाय जो सभी लोगों के लिए सभी चीजें होने की कोशिश करते हैं, अंततः किसी के लिए कुछ भी नहीं हो पाते। आप को किसी खास चीज के साथ होना होता है। आप को आक्रामक रूप से खेलना पड़ता है। ललक के साथ। जज्बात के साथ। विश्वस्तरीय होने के लिए। या फिर बिल्कुल न खेलें।

हमारे लिए एक बड़ा गुर: ऐसे व्यवसाय जो सभी लोगों के लिए सभी चीजें होने की कोशिश करते हैं, अंततः किसी के लिए कुछ भी नहीं हो पाते।

अपनी महानता को अपनाएं

आज पूर्वाह्न पेंसिल से लिखा एक पत्र पढ़ा जिसे एक अमेरिकी कारागार के कैदी ने भेजा है। उसने कहा कि दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी ने उसका जीवन बदल दिया। क्योंकि इसने उसे यह स्मरण करने में मदद की कि वह कुछ बदलाव लाने और अपनी संभावना साकार करने के लिए बना था। वह भूल गया कि उसे क्या होना था। क्योंकि जीवन ने उसे चोट पहुंचाई थी। बहुत अधिक।

मैं बराबर यह सुनता हूं। ध्यान दिलाने पर लोग इसे समझ सकते हैं कि वे महान कार्यों के लिए बने हैं। कि वे पृथ्वी पर कोई फालतू लोग नहीं हैं। कि हर जीवन का एक उद्देश्य है। अपने बालपन में हम यह सत्य जानते थे। अतः हम सपने देखते थे। हम पहुंचते थे। हम निडर हो कोई काम किया करते थे। जीवन को ललक से जीते थे। और संभावना में खड़े थे। किंतु जब हम बड़े हुए और अपनी वास्तविक प्रकृति से दूर हो कर बाहरी दुनिया में हमने कदम बढ़ाए, तो वह ज्ञान खो दिया।

संभव है, स्वसुधार समय की बर्बादी हो। संभव है, स्वस्मरण (एवं उस बुद्धिमानी/ रचनात्मकता/ प्रामाणिकता/महानता से फिर से जुड़ने) के लिए सक्रिय होने की आवश्यकता हो। दि ग्रेटनेस गाइड के बहुत सारे पाठकों के द्वारा मुझे भेजे गए पत्रों में यह उल्लेख होता है। और यह भी कि जीवन आदतन हमें यह विस्मृत करा देता है। हम दिनचर्या में फंस जाते हैं। हम यह मान लेते हैं कि चीजें हमारे लिए ही बनी हैं। हम जोखिम लेना बंद कर देते हैं। हम पर्वतशिखर को लक्ष्य करना छोड़ देते हैं। हम जीवनरूपी उपहार के साथ क्षुद्रता से बर्ताव करते हैं। किंतु हम दोयमपने से बेहतर के लायक हैं। साधारण लोग उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। यह स्मरण कर कि वे सचमुच क्या है। और अपने सर्वोत्तम स्तर पर जी कर।

ध्यान दिलाने पर लोग यह समझ सकते हैं कि वे महान कार्यों के लिए बने हैं। कि वे पृथ्वी पर कोई फालतू लोग नहीं हैं। कि हर जीवन का एक उद्देश्य है।

कोल्डप्ले जैसे बनें

मैंने कुछ समय पूर्व टोरंटो में कोल्डप्ले देखा। उन्होंने दो घंटों तक स्टेडियम को उन 20,000 दर्शकों के साथ हिलाए रखा जो खड़े थे और हर्षध्वनि कर रहे थे। मेरे लिए यह हैरतभरा वक्त था और मैंने अंततः यह समझा कि क्यों यह कहते हैं कि “कोल्डप्ले अगला यू2 है।” मैंने इस बैंड का प्रदर्शन देखते हुए नेतृत्व के कई गुर पाए और मेरी उम्मीद है कि उनका इस्तेमाल आप अपने अगले स्तर पर पहुंचने में करेंगे।

चार बड़े गुर। पहला, आरंभ से अंत तक उन्हें यह ध्यान था कि वे वहां पर किसलिए थे: अपने दर्शकों के लिए एक नया अनुभव सृजित करने। रोशनी का बेहतरीन इंतजाम था, विश्वस्तरीय दृश्य थे और सटीक मंचन था। दूसरा, उन्होंने दर्शकों को बांधे रखा और उन्हें प्रदर्शन का हिस्सा बना लिया। उन्होंने हमें गाने, नाचने और हंसने को बाध्य कर दिया। तीसरा, उन्होंने हमारे प्रति प्यार दिखाया। (कितने व्यवसाय आपके प्रति प्यार दिखाते हैं और जब आप उनके साथ व्यवसाय करते हैं तो आपको विशिष्ट महसूस कराते हैं? अलबत्ता, कोल्डप्ले ने यही किया।) उन्हें इतना सफल बनाने के लिए उन्होंने हमारा धन्यवाद किया, सच्चा आभार प्रकट किया और वे सचमुच साधारण-से व्यक्ति दिखे (और लोग सामान्यता से जुड़ते हैं)। चौथा, उन्होंने जो किया उसमें वे वस्तुतः अच्छे थे। शानदार गीतों की महान अदायगी।

हां, कोल्डप्ले ने बढ़-चढ़ कर प्रदर्शन किया और फिर आगे का अनुमान करें—इसके कारण मैं उनका वास्तविक प्रशंसक बन गया। आपको मेरी चुनौती: अपने व्यवसाय के कोल्डप्ले बनें। प्रशंसक बनाएं और फिर उन्हें आनंदित करें। और वह सब कुछ करें जो उन्हें और अधिक के लिए बार-बार वापस लाता रहे।

प्रशंसक बनाएं और फिर उन्हें आनंदित करें। और वह सब कुछ करें जो उन्हें और अधिक के लिए बार-बार वापस लाता रहे।

उतना अधिक सोना बंद करें

मैं जानता हूँ कि इस बिन्दु पर मैं अलोकप्रिय हूँ किंतु मुझे आपको अपनी सच्चाई बतानी है: अधिकांश लोग अपनी आवश्यकता से अधिक सोते हैं। वे अपने जीवन के सर्वोत्तम समय का कुछ हिस्सा बिस्तर पर गंवा देने के जाल में फँस जाते हैं। वे ऐसा कर अपनी संभावित शानदार प्रतिभाओं को बर्बाद कर लेते हैं। वे बिस्तर की लड़ाई हार जाते हैं। वे अपनी महानता को खूज बटन के बदले बेच देते हैं।

यहां एक ऐसी अंतर्दृष्टि है जिस पर विचार करने हेतु मैं आपको आमंत्रित करता हूँ: नींद से नींद का जन्म होता है। आप जितनी अधिक नींद लेते हैं, आपको उसकी जरूरत उतनी बढ़ती है। क्या कभी गौर किया है कि जब आप ज्यादा सोते हैं तो आपको और ज्यादा नींद आती है? विचित्र, है न? पर यह सच है।

हां, मैं यह समझता हूँ कि हमें प्रसन्नचित्त, तरोताजा एवं स्वस्थ रखने के लिए नींद जरूरी है। मुझे भय बहुत ज्यादा नींद से है। ऐसी, जो महान लोगों को साधारण बनाए रखती है। ऐसी, जो ऊंची संभावना भरे जीवन को एकदम क्षुद्र बना देती है। ऐसी, जो शानदार होने को बने मनुष्यों की जिंदगी से जीवन चूस लेती है (और आप जानते हैं कि आप कौन हैं)। हममें से ढेरों के साथ यही होता है। क्योंकि हमें तकिए से प्यार हो जाता है।

हमारे लिए इतनी सारी महत्वपूर्ण चीजें करने को हैं, इतने महान स्थल खोजने को है तथा इतने बड़े लक्ष्य प्राप्त करने को है कि हम बहुत अधिक नहीं सो सकते। जीवन जीने के लिए है। मुझे इसे दोहराना है: जीवन जीने के लिए है। आपको और मुझे आज एक उपहार मिला है: बदलाव का मौका प्राप्त करने का और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने का और यह करते हुए अत्यंत आनंददायक दौर से गुजरने का। और हमें इस उपहार को पकड़ लेना (और उसका सम्मान करना) है। सो, कम सोएं। अधिक जिएं। और जैसा बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा, “जब आपकी मौत होगी तो आपके पास सोने को ढेर सारा समय होगा।” मैंने उस व्यक्ति को हमेशा पसंद किया है।

मुझे भय बहुत ज्यादा नींद से है। ऐसी, जो महान लोगों को साधारण बनाए रखती है। ऐसी, जो ऊंची संभावना भरे जीवन को एकदम क्षुद्र बना देती है।

लम्बवत जाएं

इटली में बच्चों के साथ छुट्टियों पर हूं। एक नई पुस्तक पर भी काम हो रहा। लेखन बखूबी चल रहा। साथ ही थोड़ा आराम और नई ऊर्जा पा रहा हूँ। मैंने अपने जीवन में इतना सारा पास्ता नहीं खाया। मैं अपने पड़ोस के ट्रेटोरिया (इतालवी रेस्तरां) को व्यवसाय करा रहा हूँ। (संभव है मेरी अगली परियोजना एक आहार पुस्तक हो?)

कल अपराह्न बच्चों के साथ मैंने एक छोटी नौका किराए पर ली और हम अमाल्फी तट के किनारे चल पड़े। हम तट से चिपके रहे, जमीन से निकट, दूर नहीं निकले। मेरी चिंतनधारा क्रिस्टोफर कोलंबस पर मुड़ गई। साथ ही होशियारी से जोखिम लेने पर भी।

उसके पहले प्रत्येक खोजी नाविक तट को नजरों से ओझल करने से भय खाता था। वे ज्ञात से चिपके रहे। उन्होंने सुरक्षा को चुनना पसंद किया। उन्होंने हिम्मत नहीं दिखाई। कोलंबस ने कुछ अलग किया। वह बहादुर था। वह समुद्र में सीधा चला। तट से लंबवत। और एक नई दुनिया पाई। साधुवाद।

यकीनन मुझे अपने बच्चों के साथ सुरक्षित रहना था। मैं बस एक विचार रखना चाह रहा हूँ: कभी-कभार एक नेतृत्वकर्ता और एक मनुष्य के रूप में महानता की यह मांग होती है कि आप सुरक्षा का दामन छोड़ दें। कभी-कभार आपको ज्ञात का साथ त्यागना पड़ता है। और अज्ञात की ओर नौकायन करना पड़ता है। एक नया रास्ता आजमाने को। एक नया विचार सोचने को। एक नए ढंग का बर्ताव करने को। और जब बाकी दुनिया तट और सुरक्षा से चिपकी हो, तो उसके लंबवत जाने को। हां-मैं समझ सकता हूँ कि जब हमें परिवर्तन, संक्रमण और विकास के नीले सागर का अनुभव होता है तो भय खाना कितना मानवीय है। किंतु जैसा लॉर्ड चेस्टरफील्ड ने कहा, “जब तक कोई तट को नजरों से ओझल करने को इच्छुक न हो, नए महासागरों की खोज संभव नहीं है।”

जब तक कोई तट को नजरों से ओझल करने को इच्छुक न हो, नए महासागरों की खोज संभव नहीं है।

अपना जीवन जिएं

यह रविवार की एक शांत सुबह है, जब मैं यह अध्याय लिख रहा हूं। “कैफे डेलमार” बज रहा है और मैं कॉफी के एक स्वादिष्ट कप का आनंद ले रहा हूं। मेरे बच्चे पढ़ रहे हैं और मैं धीमी गति से कुछ-कुछ कर रहा हूं। यह मुझे प्रिय है।

कुछ देर पहले कुछ ऐसा हुआ जिसने मुझे हंसा दिया और मैं इसे आपसे साझा करना चाहता हूं। बियांका और मैं खेल रहा था। सही कहूं तो हम दोनों भूमिका अभिनय कर रहे थे। वह मेरी भूमिका में थी और मैं उसकी। मेरे अध्ययन कक्ष में बैठ कर वह मेरे जर्नल में लिख रही थी और मेरी बोली की नकल कर रही थी। दूसरी ओर मैं कुत्तों, रॉक बैंडों और वर्तमान चलन के सीडी पर अविराम बोले जा रहा था। कुछ मिनटों तक मेरी नकल करने के बाद उसने जो कहा वह (ईमानदारी से) इस प्रकार है: “मैं अब और अधिक आप नहीं बनना चाहती, डैड। यह बहुत कठिन है। मैं बस मैं ही रहना चाहती हूं।” बिल्कुल सही।

आपके लिए जीवन में आप बनने (और आप जो हैं उसे प्यार करने) से बढ़ कर महत्वपूर्ण और क्या हो सकता है, भला? हममें से अधिकांश वास्तव में किसी दूसरे का जीवन जीते समाप्त हो जाते हैं। अपनी सच्चाई को जीने से संतुष्टि आती है। अपने मूल्यों को लागू करने से। अपनी इच्छाओं और आदर्शों का अनुसरण करने से। “अपने खुद के लिए सच्चे बनें,” ब्रिटिश संत शेक्सपियर ने लिखा। अपने अंत में पहुंच कर यह महसूस करने से क्या फायदा कि आपने अपने वास्तविक आपको अपनी भूमिका खेलने कभी बाहर आने ही नहीं दिया। एक शानदार जीवन एक प्रामाणिक जीवन से विकसित होता है। सचमुच।

एक शानदार जीवन एक प्रामाणिक जीवन से विकसित होता है।

79

पाने के लिए दें

आज सड़क पर चलते हुए मैंने एक व्यक्ति को हर गुजरने वाले से यह मंत्र दोहराते हुए सुना: आज आपने स्वयं के अतिरिक्त और किसी की मदद की है? वह पैसे इकट्ठा करना चाहता था। किसी उद्देश्य के लिए। किंतु इससे मैं देने पर सोचने को प्रेरित हुआ: पाने के लिए आपको देना पड़ता है। देना ही तो पाने की प्रक्रिया प्रारंभ करता है।

समर्थन पाने के लिए समर्थन दें। प्रशंसा पाने के लिए प्रशंसा दें। सर्वोत्तम को आकृष्ट करने के लिए अपना सर्वोत्तम दें। आदर का अनुभव करने के लिए आदर दें। अधिक प्रिय बनने के लिए अधिक प्यार दें। (शक्तिशाली विचार: यदि आप प्रतिदिन पांच लोगों को उनके बारे में बेहतर महसूस करने में मदद करते हैं, तो एक वर्ष के अंदर आप अकेले ही लगभग 2,000 लोगों का जीवन उठा सकेंगे। इस व्यवहार को जारी रखें, तो एक दशक पश्चात आप 20,000 लोगों को सकारात्मक रूप से प्रेरित कर चुके होंगे। जिन लोगों को आपने छुआ, उनमें से बहुत लोग भी दूसरों को प्रेरित करेंगे। और आप बहुत जल्द यह पाएंगे कि “आपकी रोजाना की छोटी-छोटी प्रेरक क्रियाओं” ने आपके जीवनकाल में लाखों लोगों का भला किया।

पाने के लिए दें। सुंदर मंत्र। और कितने आश्चर्यजनक रूप से सरल (जैसी सबसे सच्ची बातें हुआ करती हैं)। इसका अर्थ है सेवक नेतृत्व। दूसरों को विश्वस्तर पर पहुंचने में मदद करें। और वे खुशी-खुशी आपको आपके चिरअभिलषित आदर्शों तक पहुंचने में मदद करेंगे।

पाने के लिए आपको देना पड़ता है। देना ही तो पाने की प्रक्रिया प्रारंभ करता है।

एक स्वप्नद्रष्टा की प्रकृति ही ऐसी होती है कि वे उसे देख लेते हैं जो दूसरों से छूट जाती है। (इससे जर्मन दार्शनिक आर्थर शॉपेनहावर की एक उक्ति मेरे ध्यान में आई: “प्रतिभा एक ऐसे लक्ष्य का भेदन करती है जिसे कोई और नहीं भेद सकता; महान प्रतिभा एक ऐसे लक्ष्य का भेदन करती है जिसे कोई और नहीं देख पाता।”) यह एक ऐसे आंतरिक लतीफे जैसा होता है जिसे केवल वे ही समझते हैं: वे इस स्पष्ट स्वप्न/अवसर/इच्छा को अपनी कल्पना में देखते हैं और तब उसमें प्राण फूंकने में अपना जीवन लगा देते हैं—तब भी जब उनकी चहुंओर का प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि वे अपना समय बर्बाद कर रहे हैं अथवा यह कि वे झट्की या मूर्ख या यहां तक कि सनकी है। गांधी के बारे में सोचिए। एडीसन के विषय में सोचिए। डिज्नी के लिए सोचिए। जे.के. के बारे में सोचिए।

जे.के. रोलिंग एक अकेली मां थीं, जिनके लिए अपने बिलों का भुगतान करना भी मुश्किल था। चार घंटों के ट्रेन सफर के दौरान उनके मस्तिष्क में एक असामान्य किशोर जादूगर के बारे में एक पुस्तक लिखने का विचार अवतरित हुआ। वह अपने वेबसाइट पर कहती हैं कि वे इसे दैवी कृपा मानती हैं कि उस वक्त उनके पास कोई कलम न थी क्योंकि चमत्कारिक विचार जिस तेजी से उनके मस्तिष्क में आ रहे थे, उन्हें लिखने से वह प्रवाह धीमा पड़ जाता। एक बार जब पांडुलिपि तैयार हो गई, तो उनके एजेंट ने उसे प्रकाशकों के पास भेजना आरंभ किया। अधिकांश ने उसे तत्काल ही अस्वीकृत कर दिया। एकने ऐसा नहीं किया। और स्वप्नदर्शियों के बारे में वही मेरी राय है: वे एक ऐसा अवसर देख लेते हैं जिसे उनके आसपास के अधिकांश लोग बस समझ नहीं पाते। जरा इसकी कल्पना करें। हैरी पॉटर को अस्वीकृत करना। यह सोचना कि इस पुस्तक को कोई भी नहीं खरीदेगा। मानवीय इतिहास की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों में से एक को छोड़ना।

एक स्वप्नदर्शी होने और अपने जीवन के उच्चतर क्षेत्र में कदम रखने के जरूरी मायने ये होते हैं कि लोग आप पर सवाल खड़े करेंगे। आप कहां जा रहे हैं, यह वे नहीं समझ पाएंगे। वे आपको विचित्र या मूर्ख अथवा असामान्य कह सकते हैं। वे आप पर हंसेंगे। अच्छा है। उनकी टिप्पणियों के लिए उनका धन्यवाद करें और आपको जहां जाना है वहां पहुंचने के लिए जो करना है उसे करते रहें। जब एक बार आप सफल हो जाएंगे, तो यह दुनिया एक बेहतर जगह हो जाएगी। जैसा माया एंजेलो ने कहा, “यदि भाग्य ने साथ दिया तो एक अकेली कल्पना लाखों वास्तविकताओं का स्वरूप बदल दे सकती है।”

और स्वप्नदर्शियों के बारे में वही मेरी राय है: वे एक ऐसा अवसर देख लेते हैं जिसे उनके आसपास के अधिकांश लोग बस समझ नहीं पाते। जरा इसकी कल्पना करें।
हैरी पॉटर को अस्वीकृत करना।

प्रतिबद्धता को क्या हो गया?

कुछ समय पहले मैं यंग प्रेजिडेंट्स ऑर्गनाइजेशन के लिए नेतृत्व प्रस्तुति हेतु दुबई गया तो वहां एक महिला मेरे पास आई और उन्होंने कहा, “रोबिन, मुझे दि मंक हू सोल्ड हिज फेरारी पढ़ने में बड़ा आनंद आया, किंतु आप इन सारी चीजों को कितना आसान-सा बना देते हैं। मेरे जीवन में सुधार लाना तो कठिन है।” हूंSS। मुझे सोचना पड़ा। काफी ज्यादा। मैं जहां पहुंचा वह इस प्रकार है।

हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जिसे आसानी ने आसक्त बना लिया है। हम महान दिखना और अत्यंत आकर्षक रूप से चुस्त बनना चाहते हैं, किंतु वहां पहुंचने के लिए व्यायाम करना पड़े, इसे पसंद नहीं करते। हम अपने करियर में सफल होना चाहते हैं, किंतु हम यह जानने को उत्सुक रहते हैं कि क्या विश्वस्तरीय होने की कोई ऐसी राह है, जिसमें कड़ी मेहनत और अनुशासन आवश्यक न हो (प्रत्येक महान कार्यकारी और प्रत्येक महान कंपनी अत्यंत प्रभावशाली रूप से अनुशासित होती है)। हम भयहीन और आनंदपूर्ण जीवन जीने के सपने देखते हैं, किंतु प्रायः हमेशा हम उन सर्वोत्तम व्यवहारों (जैसे सुबह उठना, जोखिम लेना, लक्ष्य तय करना एवं पढ़ना) से बचते हैं जो निश्चित रूप से हमें हमारे आदर्शों तक पहुंचा सकते हैं। कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। मुफ्त आहार सचमुच ही नहीं होता। जीवन की सर्वोत्तम चीजों को त्याग और समर्पण की दरकार होती है। हममें से प्रत्येक को अपनी अनोखी किस्म की व्यक्तिगत और पेशेवर महानता तक पहुंचने के लिए उसकी कीमत चुकानी ही चाहिए। और हम इसे जितना अधिक चुकाएंगे, उतना ही अधिक पाएंगे।

बगैर कुछ किए और अपने करने योग्य महत्वपूर्ण कार्यों पर अनुशासित रहे अपने काम और घर में सर्वोत्तम जीवन जीने की चाह करना कुछ वैसा ही है जैसा बिना कोई पौधा रोपे एक शानदार बाग पाने की इच्छा करना या फिर रोजाना चॉकलेट खाना छोड़े बगैर अत्युत्तम शारीरिक अवस्था की आशा करना। या कोई जादुई गोली खाकर एक महान व्यवसाय पाने की प्रार्थना करना। प्रतिबद्धता को क्या हो गया? और समर्पण को?

महान जीवन आसमान से नहीं टपकते। उन्हें ताज महल और चीन की महान दीवार की तरह संवारा और बनाया जाता है, टुकड़े-टुकड़ों में, रोज ब रोज। और अत्युत्तम व्यवसाय बस यों ही प्रकट नहीं होते। उन्हें लगातार तथा अंतहीन सुधारों तथा प्रयास से ढाला जाता है। हम इस मुगालते में न रहें कि जीवन की सर्वोत्तम चीजें अनायास मिल जाती हैं। अपना सर्वोत्तम दें, और आपके पास सर्वोत्तम आएगा। पक्का वादा है।

कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता। मुफ्त आहार सचमुच ही नहीं होता। जीवन की सर्वोत्तम चीजों को त्याग और समर्पण की दरकार होती है।

आनंदित हों अथवा दुखी हों

हमारे सभी मानवीय गुणों में सबसे महत्वपूर्ण है विकल्प चुनने की शक्ति। यह चुनना कि हम कैसे रहें। यह चुनना कि हम क्या करें। यह चुनना कि हम एक परिस्थिति को किस नजरिए से देखें तथा उस पर कैसे विचार करें।

मैं यहां ऊंचाई पर पहाड़ों में बच्चों के साथ एक संक्षिप्त स्की भ्रमण पर आया हूं। कल बारिश हो गई। हम झुंझला सकते थे। हम शिकायत कर सकते थे। हम निराशा के शिकार हो सकते थे। इसकी बजाए हमने शांति से सोचा और एक बेहतर विकल्प चुनने का निर्णय लिया तथा पूरी चीज को एक बड़े रोमांच के रूप में देखा। हम आनंदित बनाम दुखी हुए। हमने उस सैरगाह द्वारा मुहैया किए गए प्लास्टिक के कवर पहने। सूट चढ़ाए। और इस तरह स्की की जैसे फिर सुबह नहीं होगी। अनुमान करें, क्या हुआ? स्की का हैरतभरा अनुभव। नरम बर्फ। कोई भीड़भाड़ नहीं। साफ-सुथरी ढलानें। अपने चेहरे से मुस्कान पोंछने में मुझे एक सप्ताह का वक्त लग जाएगा। प्रतिदिन हमें विकल्प चुनने के अवसर प्राप्त होते हैं। और जिस तरह हम इन्हें चुनते हैं, वह हमारी भवितव्यता को आकार देता है। सो, दुखी न हों। आनंदित हों। जैसा लेखक पॉल थेरो ने एक बार कहा, “सिर्फ एक मूर्ख ही अपनी छुट्टियां खराब करने का दोष बारिश पर मढ़ता है।”

प्रतिदिन हमें विकल्प चुनने के अवसर प्राप्त होते हैं। और जिस तरह हम इन्हें चुनते हैं, वह हमारी भवितव्यता को आकार देता है।

सेतु बनाएं, दीवारें नहीं

आज एक वीआईपी (वेरी इंटेरेस्टिंग परसन) से बातें हुईं। बत्तीस वर्ष की उम्र। कैरिबियन में पल-बढ़ा। आजीविका-बाड़ें बनाना। हृदय से एक दार्शनिक।

मुझे बताया कि कैसे इन दिनों हर व्यक्ति बाड़ें बनवाने में लगा है। अपने पड़ोसियों को रोकने के लिए। खुद को अलग-थलग करने के लिए। निजता बनाए रखने के लिए। और अलगाव बढ़ाने के लिए। “मैं सेंट विसेंट में बड़ा हुआ,” उसने बताया, “अपने छोटे-से द्वीप पर हमलोग एक बड़े परिवार की तरह थे। हर बच्चे को बड़ा करने में पूरा गांव ही लग जाता। हर व्यक्ति एक-दूसरे से हंसता-बोलता। लोग एक दूसरे की चिंता करते। हम एक दूसरे के जीवन के हिस्से थे—एक वास्तविक समुदाय।”

समुदाय। सुंदर शब्द। हममें से प्रत्येक को इसकी एक गहरी भावनात्मक जरूरत है। हम सभी में किसी के कुछ लगने की लालसा होती है। यह जानने की कि हम एक बड़े पूर्ण के हिस्से हैं। यह हमें सुरक्षाबोध देता है। संरक्षा। और खुशी। सर्वोत्तम संगठन समुदाय को बढ़ावा देते हैं और कार्यस्थलों को इस तरह बनाते हैं कि लोग वहां अपना निज होने में सुरक्षित महसूस करें। सर्वोत्तम परिवार भी यही करते हैं—एक दूसरे का सम्मान करना और समृद्ध साझेदारी का सृजन करना। इसलिए शायद हमें बाड़ें बनवाने की उतनी नहीं सोचनी चाहिए। और सच्ची सुरक्षा के सृजन की शुरुआत करनी चाहिए—सेतुओं का निर्माण कर।

हम सभी में किसी के कुछ लगने की लालसा होती है। यह जानने की कि हम एक बड़े पूर्ण के हिस्से हैं।

शीघ्र विफल हों

पूर्ण खुलासा: “शीघ्र विफल हों” शब्दावली का उपयोग करने वाला मैं कोई पहला व्यक्ति नहीं हूँ। किंतु मुझे इससे प्यार है। कोका-कोला के मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी ने वार्षिक सम्मेलन में शेयरधारकों को बताया कि कंपनी कुछ नया करने के दौर में जा रही है और इसके पुनः अन्वेषण की योजना “सफलता का घोषणापत्र” नामक एक दस्तावेज में दर्ज है। उन्होंने कहा कि विक्रय तथा नवाचार मद पर व्यय में 40 करोड़ यू.एस. डॉलर की वृद्धि की जाएगी और तब-यहां वह बड़ी पंक्ति है-कहा, “आप कुछ विफलताएं देखेंगे। जब हम अधिक जोखिम लेंगे, तो यह कुछ ऐसा है जिसे हमें अपने पुनरोदय की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में स्वीकार करना ही चाहिए।” यही मुझे शीघ्र विफल होने की आवश्यकता तक ले आता है।

एक बड़ी दवा कंपनी की विक्रयटीम के समक्ष मेरे द्वारा दी गई एक नेतृत्व प्रस्तुति के बाद एक व्यक्ति ने मेरे पास आकर कहा, “रॉबिन, मुझे आपका व्याख्यान बहुत प्रिय लगा। खासकर यह विचार कि विफलता महानता की कीमत है।” इससे मुझे यह ध्यान आया कि हममें से काफी अधिक लोग विफलता से इतने भयभीत रहते हैं कि प्रयास ही नहीं करते (सनेका ने एक बार कहा, “ऐसा नहीं है कि चीजें कठिन हैं इसलिए हम उन्हें करने की हिम्मत नहीं करते। चीजें कठिन इसलिए हैं कि हम उन्हें करने की हिम्मत नहीं करते”)। हममें से बहुत सारे लोग विफलता से मुख्रि दिखने अथवा इससे शर्मसार होने से अत्यंत भयभीत होते हैं और नतीजतन हम जोखिम नहीं लेते तथा किसी अवसर को नहीं पकड़ पाते। हम सोचते हैं कि विफलता बुरी है। यह नहीं है। यह अच्छी है। नहीं, यह महान है।

विफलता के बिना सफलता नहीं हो सकती। यह इस प्रक्रिया का हिस्सा ही है। सफलता के शिखर तक पहुंची कंपनियां और लोग वही होते हैं जिन्होंने विफलता का सर्वाधिक सामना किया। जीतने के लिए आपको विफल होना पड़ता है। और जितनी जल्दी आप विफल होंगे, उतनी ही जल्दी यह सीखेंगे कि जीतने के लिए आपको क्या करना है। इसलिए शीघ्रता से विफल हों। प्रतिस्पर्द्धियों से अधिक विफल हों। पहले से अधिक विफल हों। मैं रॉबर्ट एफ. केनेडी के एक उद्धरण के साथ आपसे विदा लूंगा: “जो महानता से विफल होने की हिम्मत कर सकते हैं, केवल वही महानता से जीत प्राप्त कर सकते हैं।”

विफलता के बिना सफलता नहीं हो सकती। यह इस प्रक्रिया का हिस्सा ही है।
जीतने के लिए आपको विफल होना पड़ता है।

85

आपके विकास में देवदूत

एक विचार अभी मेरे मन में आया। आपने इसे पहले भी सुना है, पर हम एक विचार के साथ जितना ही अधिक रहते हैं, उतनी ही गहराई से उससे जुड़ते हैं। जिस तरह एक शक्तिशाली पुस्तक को दूसरी और तीसरी बार पढ़ना। उसे नए सिरे से पढ़ने पर हर बार ऐसा लगता है जैसे हम एक नई पुस्तक पढ़ रहे हैं। तो क्या पुस्तक बदल गई? नहीं। आप बदल गए। आपकी समझ और बड़ी हो गई। आपकी विश्वदृष्टि अधिक विस्तृत हो गई। अंतर्दृष्टियों को अंगीकार करने की आपकी सामर्थ्य विकसित हो गई। और इसलिए आपने उस पुस्तक में ज्ञान के एक बिल्कुल नए स्तर की खोज की। वह तो हमेशा ही वही था। आपके पास उसे देखने की दृष्टि पहले नहीं थी।

इस अपराह्न, जबकि बाहर धूप खिली है, मैं जिसे इतने तीव्र रूप से महसूस कर रहा हूं उसे एक सरल शब्दावली में विकास के देवदूत कहा जा सकता है। इसका आशय कुछ भी असामान्य अथवा अप्रासंगिक नहीं है। यह जीवन की चुनौतियों को एक बेहतर रोशनी में देखने का तरीका है। वरदानों, न कि अभिशापों, के रूप में। क्योंकि संभव है, वे वही हों। विकास के देवदूत। हर कोई जो आपके जीवन में तनाव, संघर्ष और चुनौतियां पैदा कर रहा है, वह किसी तरह का देवदूत हो सकता है। अपनी महानता के अगले स्तर तक पहुंचने के लिए आपको जो सबक सीखने निहायत जरूरी है, संभव है, ये उन्हीं को लेकर आए संदेशवाहक हों।

आपकी टीम के कठिन साथी भी किसी किस्म के देवदूत हो सकते हैं, जो आपको समझदारी सिखाने यहां पर हों। कोई अशिष्ट विक्रेता भी एक देवदूत हो सकता है जो आपको करुणा, अपनी बातें कहने-समझाने अथवा स्वयं की हिमायत के तरीके सिखाने पहुंचा हो। व्यवसाय की कोई अड़चन या पेशे की कोई निराशा एक देवदूत हो सकती है, जिसे आपका निश्चय और आपकी प्रतिबद्धता सुदृढ़ करने भेजा गया हो। स्वास्थ्य की कोई समस्या एक देवदूतीय जागरण संदेश हो सकती है, जो आपको बेहतर आहार, नियमित व्यायाम, तनाव मुक्ति और ध्यान के लिए प्रतिबद्ध करने आई हो। प्रत्येक कठिन प्रसंग एक ऐसे शिक्षाप्रद पल का प्रतिनिधित्व करता है, जो आपको आपके लिए ही बनाई गई उत्कृष्टता तक ले जाता है।

विकास के देवदूत। आपके जीवन की कठोरतम चीजें वे आदर्श चीजें हैं, जो आपको वहां पहुंचाने आई हैं जहां पहुंचने का स्वप्न आप हमेशा देखते रहे हैं। ऐसे लोग और घटनाएं जो आपको खिझाती, क्रुद्ध करती और चोट पहुंचाती हैं, वे शिक्षिकाएं हैं, जो आपको अपने काम, घर और जीवन में चमकने के सबक सिखाने आई हैं। ताकि आप विकसित हों। और बढ़ें।

हर कोई जो आपके जीवन में तनाव, संघर्ष और चुनौतियां पैदा कर रहा है, वह किसी तरह का देवदूत हो सकता है...आपके सीखने हेतु बहुत जरूरी सबकों का वाहक।

उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करें

पिछले दिनों अपने एक पुराने मित्र से मेरी बातें हुई। उन्होंने अपने व्यवसाय में कुछ असाधारण चीजों की हैं और एक सार्थक जीवन गढ़ पाने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कुछ ऐसा कहा, जिसे मैं आपसे साझा करना चाहता था। क्योंकि यह दूसरे लोगों को प्रेरित करने का सबसे अच्छा तरीका बतलाता है। उदाहरण के द्वारा नेतृत्व।

“रॉबिन,” उन्होंने कहा, “जीवन में महानतम उपदेश वह है जिसे आप आंखों से देखते हैं।” मैंने इसका जो अर्थ समझा, वह यह है कि हम अपने जीवन को संदेश बनाएं। अपने सत्य को जिएं। अपने मूल्यों पर चलें। अपने दर्शन को व्यवहार में उतारें। यही वह तरीका है, जिससे आप अपने आसपास के लोगों को अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एक बड़ी चीज के बारे में बातें करना कितना आसान है। उसे जीना कहीं कठिन होता है। किंतु महान लोग उसे जी कर दिखाते हैं। गरिमापूर्ण ढंग से। निरंतरता से। ललक से। जैसा सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अब्राहम मैस्लो ने कहा “सच्ची खुशी के लिए हमें वह होना ही चाहिए, जो हम हो सकते हैं।”

जीवन में महानतम उपदेश वह है जिसे आप आंखों से देख सकते हैं।

विचारों का एक कारखाना बनें

एक बड़ा विचार आपके जीवन में—और यहां तक कि आपकी चहुंओर की दुनिया में—क्रांति ला सकता है। पूरे खेल को बदल देने के लिए बस एक अकेले अत्यंत शक्तिशाली विचार की जरूरत होती है। मैं न्यूयार्क के म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट में वास्तुशास्त्र और रूपांकन के क्युरेटर पाओला एंतोनेली द्वारा लिखित हंबल मास्टरपीसेस: एवरीडे मार्बल्स ऑफ डिजाइन नामक एक गजब की पुस्तक पढ़ रहा हूं। इस पुस्तक के छोटे-छोटे अध्यायों में से एक में मैंने डिजाइनर डेनियल कजिक के बारे में जाना। वह एक बहादुर स्वप्नदर्शी हैं जिन्होंने टिके रहने वाले धातु टैबों का अनुसंधान किया, जिन्हें हम आज हर वर्ष अरबों की संख्या में बनने वाले एल्युमिनियम डब्बों पर देखते हैं। उनके इस अनुसंधान के पहले ये टैब निकाल कर फेंक दिए जाते थे जो टनों कूड़े का सृजन करते थे, उनसे घायल होने वाले पैरों की संख्या तो पूछिए मत। केवल एक विचार ने इन सबको बदल दिया।

एक रात कजिक अपने दो बच्चों के साथ टीवी देख रहे थे, जब यह स्वप्न उन्हें सुझा। (आपके सर्वोत्तम विचार आपके पास तब आएंगे, जब आपको इसकी न्यूनतम आशा होगी। सबसे क्रांतिकारी विचार उस वक्त नहीं आते, जब आप दबाव के कारण हड़बड़ी में होते हैं। वे उस समय आते हैं, जब आप आनंद ले रहे हों। इसलिए आनंद उठाएं—यह आपके व्यवसाय के साथ-साथ आपकी रूह के लिए अच्छा है।) इसके बदले कि वे इस विचार को मस्तिष्क से निकल जाने देते (जैसा हममें से अधिकांश करते हैं), उन्होंने टिके रहने वाले टैब का स्केच बना लिया। तुरंत ही उन्होंने उसे एक ड्राफ्ट्समैन को दिया और जल्द ही उसका एक प्रतिरूप बना लिया। उसके बाद का अनुमान करें? यह काम कर गया। यहां से मैं अपनी सलाह पर आता हूं विचारों का कारखाना बन जाएं। अपने बड़े विचारों के त्रुटिहीन क्रियान्वयन द्वारा उनमें प्राण फूंकने के प्रति एक ललकभरी प्रतिबद्धता भी आपके लिए जरूरी है। इन दोनों को एकजुट कर आप कुछ ऐसी चीज दे सकेंगे, जो असाधारण रूप से बहुमूल्य होगी। और क्या वह एक हैरतभरी चीज नहीं होगी?

एक बड़ा विचार आपके जीवन में—और यहां तक कि आपकी चहुंओर की दुनिया में—क्रांति ला सकता है। पूरे खेल को बदल देने के लिए बस एक अकेले अत्यंत शक्तिशाली विचार की जरूरत होती है।

अपना सत्य बोलें

बीते सप्ताहांत बच्चे और मैं हैलीफैक्स, नोवा स्कोटिया लौटे जो अटलांटिक महासागर के तट पर एक आश्चर्यजनक शहर है। यहां के लोग अत्यंत विशिष्ट हैं और यहां की मछलियां और चिप्स असाधारण रूप से अच्छे होते हैं (और यही वह जगह है जहां मैं बड़ा हुआ)। हमलोग वहां एक मित्र की शादी की चालीसवीं सालगिरह का जश्न मनाने पहुंचे थे। जैसे ही हम पुस्तकों की एक दुकान से बाहर निकले, एक कार हमारी बगल से गुजरी जिसके बंपर पर एक ऐसा स्टिकर लगा था जिसे मैं कभी भूल नहीं सकता। इस पर लिखा था: अपना सत्य बोलें—तब भी, जब आपकी आवाज कांपती हो। शानदार।

इन दिनों काफी अधिक लोग चिकनी-चुपड़ी बातें करते हैं। टनों खोखले वायदे। और अतिशयोक्तियां। और ऊंची बातें, जिनके कभी कोई अर्थ नहीं होते। सच्चे नेतृत्वकर्ता भिन्न होते हैं। वे कम कहते और अधिक करते हैं। मुझे शांत नेतृत्वकर्ता प्रिय लगते हैं। वे मौन प्राणी जो कम वायदे करते और अधिक अदा करते हैं। और जब वे बोलते हैं तो सत्य बोलते हैं। हममें से शानदार लोग समझते हैं कि किसी व्यक्ति के शब्द उसके बौंड हैं। और यह कि हर पूरा किया गया वायदा विश्वसनीयता बनाता है जो भरोसे की नींव है। इसलिए अपने शब्दों के साथ त्रुटिहीन होने को प्रतिबद्ध हों।

आप वस्तुतः एक नेतृत्वकर्ता हो सकते हैं, चाहे आपके पद का जो भी नाम हो। रंगमंच के लोग कहते हैं कि “कोई भी भूमिका छोटी भूमिका नहीं होती।” और जीवन में कोई भी व्यक्ति महत्वहीन नहीं होता (“यदि महानता से किया जाए, तो प्रत्येक जीवन—पुकार महान है,” ऑलिवर वेंडेल होम्स ने कहा।) प्रतिदिन काम पर और घर में आपको अपना एक प्रभाव छोड़ने, एक बदलाव लाने और अपनी क्षमता प्रकट करने के मौके मिलते हैं। और जो चीजें नेतृत्वकर्ताओं को अनुयायियों से अलग करती हैं, उनमें से एक यह है कि वे खुल कर, ईमानदारी तथा हिम्मत से बोलते हैं। तब भी, जब वैसा करने का विचार उन्हें भयभीत कर देता है। तब भी, जब उनकी आवाज कांपती है।

जो चीजें नेतृत्वकर्ताओं को अनुयायियों से अलग करती हैं, उनमें से एक यह है कि वे खुल कर, ईमानदारी तथा हिम्मत से बोलते हैं।

नेतृत्व घर से आरंभ होता है

एक बैठक के लिए जाते हुए मैंने एक होर्डिंग देखी, जिसने मेरा ध्यान आकृष्ट किया। उसके शब्द: अपने बच्चों को आप क्या सिखा रहे हैं? एक बड़ा विचार। नेतृत्व वस्तुतः घर से ही आरंभ होता है।

हम जिस जीवन का नेतृत्व कर रहे हैं और जो उदाहरण रख रहे हैं, उनके द्वारा अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं? मैं विश्वास करता हूँ कि आपके बच्चों को प्रभावित करने का सबसे अच्छा तरीका अपने प्रति सच्चा रहना और अपनी सामर्थ्यभर सर्वोत्तम जीवन जीना है ताकि वे वही मूल्य अपना सकें, भले ही उनके रास्ते अलग हों। उन छोटे नेतृत्वकर्ताओं को, जो आपके हर कदम पर निगाहें रखते हैं तथा आपकी हर क्रिया का अनुकरण करते हैं, आप क्या संदेश दे रहे हैं? आप अपने कार्य में उल्लेखनीय बन कर उन्हें दिखा रहे हैं कि क्या किया जा सकता है? या आप खुद औसत दर्जे तक सीमित रह उन्हें छोटे स्तर पर रहना सिखा रहे हैं? वृक्ष से गिर कर फल दूर नहीं जाते और आपके बच्चे, आपके यकीन से कहीं बढ़ कर, आपकी तरह बनेंगे। आप अपने बच्चों को उनकी महानता तक पहुंचने में मदद कर सकते हैं। यह आपके द्वारा रास्ता दिखाने से आरंभ होता है।

वृक्ष से गिर कर फल दूर नहीं जाते और आपके बच्चे, आपके यकीन से कहीं बढ़ कर, आपकी तरह बनेंगे।

सम्मान सर्वोपरि हे

कार्यस्थल पर सम्मान के विषय पर कभी-कभी हम ऊब उठते हैं। यह धारणा इतनी स्पष्ट है कि विचारणीय लगती ही नहीं। हम सभी जानते हैं कि यदि आप अपने लोगों से अच्छा व्यवहार करें, तो वे आपके ग्राहकों से अच्छा व्यवहार करेंगे। हम सभी जानते हैं कि जब कर्मचारियों को यह महसूस होता है कि उनका ध्यान रखा जा रहा है, उन पर विश्वास किया एवं उन्हें महत्व दिया जा रहा है, तो वे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। हम सभी समझते हैं कि हर कोई एक ऐसे संगठन में काम करना चाहता है, जहां वे विकास कर सकते हैं, दोस्त बना सकते और स्वयं की संभावना साकार कर सकते हैं।

मैंने अभी-अभी 3,70,378 कर्मियों पर सिरोंटा सर्वे इंटेलेजिजेन्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के बारे में पढ़ा है, जो कार्यस्थल में सम्मान के इसी विषय पर है। अनुमान करें क्या हुआ? गैर प्रबंधन पदों पर कार्यरत सभी मतदानकर्ताओं में से केवल 21 प्रतिशत ने यह महसूस किया कि प्रबंधन द्वारा उन्हें दिया जा रहा सम्मान “बहुत अच्छे” स्तर का है। संभव है, हमारे संगठनों के अंदर सम्मान का महत्व उतना अंतर्निहित नहीं हो, जितना हम समझते हैं। यहां शानदार मौका छिपा है।

अध्ययन ने इसकी भी पुष्टि की कि जिन लोगों ने खुद को सर्वाधिक सम्मानित महसूस किया, उन्होंने लोगों ने अपनी कंपनी के लिए सर्वाधिक वफादारी भी महसूस की। और एक ऐसे विश्व में जहां शानदार प्रतिभाओं को आकृष्ट करना और उन्हें टिकाए रखना सभी सफलता कारकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता हो, ऐसी कोई भी चीज जो ज्यादा वफादारी पैदा करती है, जरूर की जानी चाहिए।

इसलिए सम्मान सर्वोपरि है। लोगों के साथ उत्तम व्यवहार बहुत उत्तम होता है। अपनी टीम के सदस्यों को विशिष्ट महसूस कराना पहली प्राथमिकता का काम है। क्योंकि वे विशिष्ट हैं।

काम में सम्मान देने की कुछ व्यावहारिक रणनीतियां इस प्रकार हैं—

- “कृपया” और “धन्यवाद” कहें।
- समय पर सारा काम करें (समय की पाबंदी महान लोगों की निशानी है)।
- उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लोगों को पुरस्कृत करें।
- एक शानदार श्रोता बनें (लोग इसके लिए आपसे प्यार करेंगे)।
- जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, उन्हें प्रशिक्षित कर अपनी संभावना तक पहुंचने में मदद करें (हम सभी बेहतर बनना चाहते हैं)।
- धन्यवाद नोट लिखा करें।
- बेबाकी और सत्यकथन को बढ़ावा दें।
- लोगों को जाना-बूझा जोखिम लेने तथा विफल रहने की आजादी दें।
- सृजनात्मकता एवं प्रामाणिकता को प्रोत्साहित करें।

जब लोग सम्मानित महसूस करते हैं, तो वे अपने लिए बेहतर महसूस करते हैं। और जो लोग अच्छा महसूस करते हैं, वे अच्छा करते हैं।

अपनी टीम के सदस्यों को विशिष्ट महसूस कराना पहली प्राथमिकता का काम है।

माइकल जे. फॉक्स से सीखें

हाल ही एक रात मैंने एनबीसी पर टेलीविजन सितारे माइकल जे.फॉक्स को इंटरव्यू देते हुए देखा। शायद आप जानते हों कि वे पार्किंसंस रोग से ग्रस्त हैं। यह स्थिति हममें से अधिकांश को निष्क्रिय कर देगी। एमजेएफ को नहीं। उनके अनुसार उन्होंने वस्तुतः यह महसूस किया कि उनके जीवन में इस रोग की ढेरों देन हैं और इंटरव्यू के दौरान यह बताया कि कैसे इसने सतही चीजों को परे धकेल विवेक, समझ और प्यार जैसी कहीं समृद्ध चीजों के लिए रास्ता बनाया।

शक्तिशाली विचार: जीवन के सर्वाधिक पीड़ाजनक अनुभव ही वे परिस्थितियां हैं, जो हमें अपने सर्वोत्तम से परिचित कराती हैं। आसान समय में हम सतही क्रियाकलाप और सुखों में फंस जाते हैं। कठिन समय हमें गहरे जाने को बाध्य करते हैं। निरर्थक चीजें हमसे विलग हो जाती हैं और हम महत्वपूर्ण के प्रति सचेत हो उठते हैं। जैसे परिवार, मित्र, संबंध, दुनिया को अपना सर्वोत्तम देना, हर दिन की देन का आनंद उठाना और इस विश्व को हमने जैसा पाया था उससे बेहतर छोड़ जाना।

हर जीवन का अवसान होना है। हम चाहे जितना लंबा जी लें, हम सभी एक जैसे अंत की ओर अग्रसर हैं। जब यह आपके ध्यान में आता है कि हमारे जानने के पहले यह सब मिट्टी हो जाएगा, तो जो चीजें अभी आपको सीमाबद्ध कर रही हैं (जैसे भय, गर्व, एवं अतीत की निराशाएं), वे परे हट जाती हैं। और आप यह पाते हैं कि सफल और महान होने का समय वस्तुतः अभी ही है। इसलिए, माइकल जे. फॉक्स, आपका धन्यवाद। हिम्मत और नेतृत्व प्रदर्शित करने के लिए। ईमानदारी से बोलने के लिए। अत्यंत घने अंधकार से भरे इस विश्व में एक दीपशिखा बनने के लिए।

हर जीवन का अवसान होना है। हम चाहे जितना लंबा जी लें, हम सभी एक जैसे
अंत की ओर अग्रसर हैं।

सफर मंजिल पाने जैसा ही अच्छा है

जीक्यू के एक अंक में प्रकाशित कैडिलैक के एक विज्ञापन में अभी एक चीज पढ़ी। इसमें अभिनेता एंडी गार्सिया को यह कहते हुए उद्धृत किया गया है कि “एक लक्ष्य की ओर जाते हुए यह महत्वपूर्ण है कि यात्रा की निष्ठा को कभी नजरों से ओझल न होने दिया जाए।” उन्होंने इस बात को जिस भाषा में व्यक्त किया है, मैं उसकी प्रशंसा करता हूं। और वे सही हैं। किसी भी नतीजे की ओर यात्रा-चाहे वह नतीजा आजीविका के क्षेत्र में आपका आश्चर्यजनक रूप से बेहतर होना हो अथवा अपनी जीवनपद्धति में-उतनी ही महत्वपूर्ण (यदि ज्यादा नहीं, तो) है, जितना वह नतीजा। मैं आपको जिस चिंतन के लिए आमंत्रित कर रहा हूं, वह यह है कि पर्वतशिखर पर पहुंचने की अपेक्षा उसकी चढ़ाई आपको कहीं अधिक मूल्य और उतने ही प्रतिदान पेश करती है। क्यों? क्योंकि आपके विचारों तक की चढ़ाई आपका चरित्र गढ़ती है, आपको अपनी क्षमता साकार करने का मौका देती है, और यह देखने के लिए आपको जांचती है कि आप जीतने को वस्तुतः कितने इच्छुक हैं। यह चढ़ाई आपको सिखाती है, रूपांतरित करती है और आपके अंदर निवास करने वाली प्रतिभा को जागृत करती है। आप लगन / साहस / लचीलापन / करुणा / समझदारी जैसे महानता के गुण विकसित करते हैं। यकीनन, सपनों को साकार करना सुखद ढंग से विस्मयकारी होता है। इस बिन्दु पर आपसे सहमत होने वाला मैं पहला व्यक्ति हूं। किंतु यह आपको यात्रा जैसा टिकाऊ उपहार नहीं देता। हम सफलता के दौर की अपेक्षा अपनी परीक्षा लेने वाले समय से ज्यादा सीखते हैं।

इसलिए अपने द्वारा इच्छित पेशेवर तथा व्यक्तिगत जीवन के रास्ते में अगली बार जब आप अधैर्य अथवा निराशा अनुभव करें, तो याद रखें कि आप जिस मुकाम पर हैं, वही वह सबसे अच्छी जगह है जहां आप पहुंच सकते थे। और संभव है, यह सफर अपनी मंजिल से बेहतर हो।

मैं आपको जिस चिंतन के लिए आमंत्रित कर रहा हूं वह यह है कि पर्वतशिखर पर पहुंचने की अपेक्षा उसकी चढ़ाई आपको कहीं अधिक मूल्य और उतने ही प्रतिदान पेश करती है।

93

सफलता क्या है?

मेरे लिए सफलता का अर्थ एक ऐसे जीवन के आनंदपूर्ण सृजन की प्रक्रिया में रहना है, जो आपके उच्चतम मूल्यों, आपके सर्वाधिक गहरे विश्वासों और महानतम स्वप्नों को दर्शाता है। इस कथन में बहुत कुछ है और मैं आपको इस हेतु आमंत्रित करता हूँ कि आप इसे खंड-खंड कर उस पर चिंतन करें। एक खंड आपकी शर्तों पर जीवन के सृजन की “प्रक्रिया” के बारे में है (सफर वस्तुतः अंत से अच्छा होता है)। एक खंड जीवन में आनंदपूर्ण ढंग से यात्रा करने के विषय में है, क्योंकि जीवन आनंद के लिए बना है। फिर एक तत्व अपने मूल्यों और विश्वासों के आधार पर जीने का है जिसका आशय अपने प्रति सच्चा होना और अपनी शर्तों पर जीना है। और फिर अपने सपनों का पीछा करने का पहलू है, क्योंकि हमारे सपने ही रोज हमें बिस्तर से उठाते और हमारे हृदय में आशा भरते हैं।

यह मुझे मार्क ट्वेन के शब्दों की याद दिलाता है: “अब से बीस वर्षों बाद आप उन चीजों की बजाए जिन्हें आपने किया, उन चीजों से ज्यादा निराश होंगे जिन्हें आपने नहीं किया। इसलिए पालों के बंधन खोल दें। नौका को सुरक्षित पोत-आश्रय से दूर खे चले। उसके पालों में हवाएं थाम लें। अन्वेषण करें। सपने देखें। खोज करें।” यही सच्ची सफलता है।

मेरे लिए सफलता का अर्थ एक ऐसे जीवन के आनंदपूर्ण सृजन की प्रक्रिया में रहना है, जो आपके उच्चतम मूल्यों, आपके सबसे गहरे विश्वासों और महानतम स्वप्नों को दर्शाता है।

आपकी सर्वोच्च स्वतंत्रता

विक्टर फ्रैंकल, एक आस्ट्रियाई मनोचिकित्सक जो एक नाजी यातना शिविर की कैद में रहने के बावजूद जीवित बच गए, द्वारा लिखित मैन्स सर्च फॉर मीनिंग मेरी पसंदीदा पुस्तकों में एक है। उनके आसपास के अनेक लोगों ने उस शिविर में दम तोड़ दिए। उन सबने आशा का दामन छोड़ दिया। वे पहले निराशा और फिर मौत के आगोश में समा गए। विक्टर फ्रैंकल उस अत्यंत कठिन परीक्षा को उस चीज के सहारे झेल जाने में सफल रहे जिसे मैं सर्वोच्च मानवीय स्वतंत्रता मानता हूं: यह चुनाव करने की स्वतंत्रता कि हम अपने साथ घटित किसी घटना के प्रति कैसी प्रतिक्रिया करें और उसे किस तरह प्रसंस्कृत करें। हम किसी अच्छी चीज की तलाश कर सकते हैं या फिर हम बुरे पहलू के गिरफ्त में पड़ जा सकते हैं। फ्रैंकल लिखते हैं, “किसी व्यक्ति से सारी चीजें छीन ली जा सकती हैं, किंतु जो एक अंतिम मानवीय स्वतंत्रता नहीं छीनी जा सकती, वह है: परिस्थितियों की किसी खास शृंखला के प्रति अपना दृष्टिकोण एवं अपना तरीका चुनना।” क्या गजब का विचार है।

किसी व्यक्ति से सारी चीजें छीन ली जा सकती हैं, किंतु जो एक अंतिम मानवीय स्वतंत्रता नहीं छीनी जा सकती, वह है: परिस्थितियों की किसी खास शृंखला के प्रति अपना दृष्टिकोण एवं अपना तरीका चुनना।

हॉलीवुड की तरह करें

मैं हाल ही एक रात्रि डॉनी ड्यूश का दि बिग आइडिया देख रहा था। मैं टीवी अधिक नहीं देखता, किंतु उनका शो मुझे मजेदार लगता है। महान अतिथिगण। दिलचस्प अंतर्दृष्टि। और एक टन प्रेरणा। यह शो सीएसआई के जनक पर था, एक व्यक्ति जो 8.50 डॉलर के मेहनताने पर ट्राम चालक था। उसका बड़ा विचार? टेलीविजन शो के लिए एक ऐसी कहानी लिखना, जिसमें पारंपरिक पुलिस शो के साथ विधिविज्ञान संयुक्त था। इसी विजयी अवधारणा ने उसे धनवान बना दिया। इसने मुझे भी सोचने को बाध्य किया। पटकथाओं और हॉलीवुड लेखकों के बारे में। वे अपनी कहानियां खुद लिखते हैं। विभिन्न चरित्रों का अभिनय करने वालों की सूची बनाते हैं। और यह तय करते हैं कि किस तरह सभी चीजों का समापन होगा। आप भी वही करते हैं। यह सच है कि जीवन क्या मोड़ लेगा, इसका अनुमान हम नहीं कर सकते। बहुत सारे रूपों में हम अप्रत्याशित की ही प्रत्याशा कर सकते हैं। किंतु अपनी कहानियां लिख कर और उन्हें नित्य अभिनीत करने की दिशा में अपना सर्वोत्तम कर, हम अपने हॉलीवुड समापन के काफी करीब पहुंच सकते हैं। यदि हम पटकथाएं लिख लें, तो हमारी बहुतेरी पेशेवर तथा व्यक्तिगत इच्छाएं वस्तुतः सच हो सकती हैं। और यह एक सुंदर चीज है।

यदि हम पटकथाएं लिख लें, तो हमारी बहुतेरी पेशेवर तथा व्यक्तिगत इच्छाएं
वस्तुतः सच हो सकती हैं।

महानता के बोझ पर

अभी मैंने एक बार फिर अपने बच्चों के साथ हिलरी स्वीक की शक्तिशाली फिल्म फ्रीडम राइटर्स देखी। इसने मुझे ध्यान दिलाया कि सबसे महत्वपूर्ण क्या होता है। हमारे जीवन के अंत में सिर्फ यही चीज टिकती है कि हम क्या बन पाए, हम क्या बदल पाए और कितना प्यार दे पाए। फिल्म की नायिका उन बच्चों के लिए काम करती है, जिन्हें अन्य शिक्षकों ने त्याग दिया था। नायिका के भले काम से गौरवान्वित महसूस कर रहे उसके पिता उससे कहते हैं, “तुम्हें दैवी वरदान रूपी एक बोझ मिला है।” मैं विश्वास करता हूं कि यह हममें से प्रत्येक के लिए सत्य है। जैसा गूगल के सहसंस्थापक लैरी पेज ने एक बार कहा, नेतृत्व का वास्तविक अर्थ “असंभव के लिए एक स्वस्थ उपेक्षा है।”

हम सभी के पास प्रतिभा, संसाधन और क्षमताएं हैं, जो हमें विशिष्ट बनाती हैं। और उन उपहारों के साथ दायित्व भी आते हैं। उनका उपयोग करना, उन्हें परिष्कृत करना। उन्हें त्रुटिहीन बना कर उनमें चमक लाना ताकि हम मूल्यवर्द्धन कर सकें और अपनी चहुंओर की दुनिया को ऊपर उठा सकें (हार्ली-डेविडसन का विज्ञापन मुझे अत्यंत प्रिय है जो हमें प्रेरित करता है कि हम “अपने पीछे वे जूते छोड़ जाएं, जिन्हें कोई भी भर न सके”)। महान बनने का जो बोझ आप पर है, उसे भूलने का अर्थ अपने जीवन की पुकार को अनसुना करना है। और कोई भी विफलता उससे बड़ी नहीं हो सकती।

हमारे जीवन के अंत में सिर्फ यही चीज टिकती है कि हम क्या बन पाए, हम क्या बदल पाए और कितना प्यार दे पाए।

एक गहन जीवन जिएं

मैं तेज संगीत, कड़क कॉफी और बड़े सपने पसंद करता हूं। मैं रंगयुक्त दिनों को, तीव्र भावनायुक्त लोगों को और ऐसी बातचीत को पसंद करता हूं, जो मेरे अंदर के सर्वोत्तम को अभिव्यक्त कराए। मैं इस तरह जीना कि जैसे कल नहीं आएगा, अपने अंदर का सर्वोत्तम प्राप्त करना और अपने जीवन में आए लोगों को सच्ची तरह प्यार करना चाहता हूं। इस दुनिया को ऊपर उठाने में मैं अपनी भूमिका अदा करना चाहता हूं। मैं गहनता से जीना चाहता हूं।

कितना सुंदर शब्द: गहनता। एक जोरदार जीवन जिएं। पूरी क्षमता से खेलें। जोखिम लें। ऊंचाई छुएं। पीछे न देखें। प्रामाणिक बनें। महान बनें। “आंसुओं के निकल पड़ने के बिन्दु तक जिएं,” न उपन्यासकार ऐल्बर्ट कामू ने कहा। मैं इस पंक्ति से कितना प्यार करता हूं।

यकीनन, हमें यात्रा का आनंद उठाना है, अपने कदम आराम से बढ़ाने हैं और अपने साहस को उल्लेखनीय भलमनसाहत से संतुलित करना है। किंतु यह सब विरल ललक से, बहादुरी तथा अपनी आंखों में चमक के साथ करें। यह सब गहनता से करें। महान लोगों में सभी ऐसा करते हैं।

यह सब विरल ललक से, बहादुरी तथा अपनी आंखों में चमक के साथ करें। यह सब गहनता से करें।

अपनी छाप छोड़ें

बेस्ट लाइफ के एक अंक में मैंने जॉर्ज क्लूनी की एक पंक्ति पढ़ी: “अपने जीवन के दौरान अपनी छाप छोड़ने को आपके पास केवल एक छोटी समयावधि ही उपलब्ध है।” जाहिर है? शायद। फिर भी कितना सही।

दैनंदिन दायित्वों में इतना फंस जाना आसान है कि आप अपनी विरासत निर्मित करना भूल जाएं। अपनी समस्याओं पर इतना एकाग्र हो जाना आसान है कि आप अपने आदर्शों के अनुसरण की अनदेखी कर दें। जीवन के साधारण क्रियाकलाप में इतना खिंच जाना आसान है कि आप असाधारण को नजरों से ओझल कर दें। तब भी जीवन एक भयावह तेजी से घूमता गुजर जाता है। और यदि आप प्रत्येक दिन का उपयोग अपनी छाप छोड़ने, अपने सपने को आगे बढ़ाने और अपनी उत्कृष्टता तक पहुंचने के एक भी कार्य करने में नहीं करते हैं, तो जो वस्तुतः महत्वपूर्ण है वह आपसे छूट जाएगा। इससे रिचर्ड लीडर, जो एक परामर्शी हैं, के शब्द मेरे ध्यान में आ गए: “65 से ऊपर की उम्र के लोगों से पूछा गया कि ‘यदि आप अपना जीवन दोबारा जी सकें, तो क्या भिन्न करेंगे?’ उन्होंने तीन चीजें बताईं: मैं रुक कर बड़े सवाल करने का वक्त निकालूंगा। मैं अधिक साहसी बनूंगा और काम तथा प्यार में ज्यादा जोखिम लूंगा।” यह सब कुछ कह देता है।

यदि आप प्रत्येक दिन का उपयोग अपनी छाप छोड़ने, अपने सपने को आगे बढ़ाने और अपनी उत्कृष्टता तक पहुंचने के एक भी कार्य करने में नहीं करते हैं, तो जो वस्तुतः महत्वपूर्ण है वह आपसे छूट जाएगा।

उपलब्धि-समूह का सृजन करें

यह अलस्सुबह है, जब मैं यह लिख रहा हूँ। अपने पुस्तकालय में तनावमुक्त होते हुए। लुसियानो लिगाब्यू-एक असाधारण इतालवी रॉक सितारे-को सुनते हुए, जिनकी ओर मैं रोम में आकृष्ट हुआ और जिनका संगीत पिछले कुछ सप्ताहों से हमारे घर की बुनियाद हिला रहा है। और मैं चिंतनरत हूँ-नेतृत्व और जीवन के विषय में।

वैनिटी फेयर के एक अंक में अभी एक लेखक आर्ट बुकवाल्ड के बारे में एक छोटा आलेख पढ़ा, जो अभी 80 वर्ष के हैं और गुर्दे की नाकामी से जूझ रहे हैं। मृत्यु की निकटता किसी व्यक्ति को जीवन के सबसे महत्वपूर्ण के निकट पहुंचा देती है। एक असाधारण स्पष्टता आ जाती है। जितनी सारी गौण चीजों को हम पहले एकदम जरूरी समझते रहे, उनकी छुट्टी कर देती है। सत्य से हमारा जुड़ाव स्थापित कर देती है (और सत्य हमें मुक्त कर देता है, सही है न?)।

उनसे पूछा गया कि “पूर्ण प्रसन्नता आप किसे कहते हैं?” स्वस्थ रहना,” उनका उत्तर था। पूछा गया, “आप कौन-सी नैसर्गिक क्षमता पाना सर्वाधिक पसंद करेंगे?” “जीना,” उनका जवाब था। फिर पूछा गया, “आपकी सर्वाधिक कीमती संपदा क्या है?” “मेरा पूरा लेखन-मेरी 32 पुस्तकें एवं मेरे सभी स्तंभा” ज्ञान के कौन-से बिन्दु हैं, जो आप और मैं प्राप्त कर सकता हूँ? महानता तब आती है, जब आप अपना जीवन लगा कर किसी ऐसी वस्तु का सृजन करते हैं जो न केवल आपसे बड़ी हो, बल्कि आपके बाद भी जीवित हो। वैधता और पहचान तथा प्रतिष्ठा एवं भौतिक चीजें भी सही हैं और इनकी चाह बिल्कुल मानवीय है। किंतु कुछ और है, जो कहीं अधिक महत्वपूर्ण है: विरासत। एक बदलाव लाना। एक प्रभाव छोड़ना। कुछ विशिष्ट का सृजन करना। और सार्थक का।

आप अपनी जीवनअवधि में कैसा उपलब्धि-समूह सृजित करेंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियां जान सकें कि आप यहां थे? अभी इसी पल आप कौन-सी दिलेरीभरी क्रियाएं एवं वीरतापूर्ण कार्य करेंगे, ताकि आपके भीतर सुप्त महानता बाहर निकल आज के ही दिन का उजाला देख सके? आपकी “सबसे कीमती संपदा” कैसी दिखेगी? और आपको जितनी सारी नैसर्गिक क्षमता का वरदान मिला, उनसे अंततः आपने क्या रचा? मैं उत्सुक हो रहा हूँ।

महानता तब आती है, जब आप अपना जीवन लगा कर किसी ऐसी वस्तु का सृजन करते हैं जो न केवल आपसे बड़ी हो, बल्कि आपके बाद भी जीवित हो।

100

मंडेला जैसे बनें

नेल्सन मंडेला, एक ऐसे शख्स जिनका मैं अत्यंत समादर करता हूं। उन पर मैं एक सुन्दर पुस्तक पढ़ रहा हूं। एक स्वप्नदर्शी। एक स्वतंत्रता सेनानी। इंसान किन बुलंदियों तक उठ सकता है, इसकी हैरतअंगेज मिसाल। (दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के रूप में अपने उद्घाटन समारोह में उन्होंने अपने तीन जेलरों को आमंत्रित किया—क्षमाशीलता का कैसा उदाहरण?)

इस पुस्तक के बिल किंलंटन द्वारा लिखित परिचय का एक अंश मैं आपसे साझा करना चाहता था, क्योंकि यह उस रास्ते के बारे में कुछ कहता है जिस पर आप और हम—सपने देखने वालों, खिताबविहीन नेतृत्वकर्ताओं और अपने सर्वोत्तम हेतु समर्पित इंसानों के रूप में—चल रहे हैं:

“हर बार जब नेल्सन मंडेला चल कर किसी कमरे में आते हैं, तो हम सभी खुद को थोड़ा बड़ा महसूस करते हैं, हम सभी उठ खड़े हो जाना चाहते हैं, हम सभी हर्षध्वनि करना चाहते हैं, क्योंकि हम अपने सर्वोत्तम दिन पर उनके ही जैसे हो जाना चाहेंगे।”

इंसान किन बुलंदियों तक उठ सकता है, नेल्सन मंडेला इसकी हैरतअंगेज मिसाल हैं।

क्या आप आज महान होंगे?

इस पुस्तक के पाठकों में से कोई एक आज बाहर अपनी दुनियादारी में कदम रखेंगे और कुछ ऐसा करेंगे, जो उन्हें उनकी महानता के अगले स्तर पर ले जाएगा। आने वाले घंटों में आपके निकट ही कोई अपना स्तर ऊंचा करने और अपनी सर्वोच्च क्षमता तक पहुंचने का निर्णय करेंगे। आपके आसपास से कोई कुछ ऐसा आरंभ करेंगे—चाहे वह एक छोटा प्रतीकभर ही क्यों न हो—जो समय पाकर आश्चर्यजनक सुधार लाएगा और जिसके नतीजे उनके जीवन के सभी आयामों में दिखेंगे। क्यों नहीं वह व्यक्ति आप स्वयं ही हों?

उसे भूल जाएं, जो कभी किसी ने आपसे कहा हो। छोटा सोचने वालों की सुनना बंद करें। आलोचकों की आवाजें ढांप दें। सत्य तक पहुंचें: आप इसलिए बने हैं, ताकि अपने जीवन के साथ कुछ बड़ा करें। जीवन में निकल उल्लेखनीय बनें। नहीं, असाधारण। और हर बार, जब आप यह पुकार सुनने से इनकार करते हैं, आप खुद को दगा देते हैं।

सो, खुद की इज्जत करें। इस दिन को और अपने जीवन को विशिष्ट तथा अविस्मरणीय बनाएं। एक छोटा—सा पग समय पाकर सचमुच विराट परिणामों के फल दे सकता है। ध्यान करें कि आप सचमुच कौन हैं और क्या कुछ बनने को बने हैं: एक खिताबविहीन नेतृत्वकर्ता, एक अनोखा इंसान—और कोई ऐसा, जिसने चीजों को बेहतर बनाया। मैं दार्शनिक मार्क्स और लेनिन के शब्दों के साथ आपसे विदा लेता हूं जिन्होंने कहा, “हर दिन इस तरह जीना जैसे वह अंतिम हो, कभी नहीं घबराना, कभी उदासीन न होना, कभी किसी चीज को नजरिए पर न लेना—यही चरित्र की पूर्णता है।” शानदार ढंग से कथित। मैं आपकी महानता की कामना करता हूं।

सत्य तक पहुंचें: आप इसलिए बने हैं, ताकि अपने जीवन के साथ कुछ बड़ा करें।

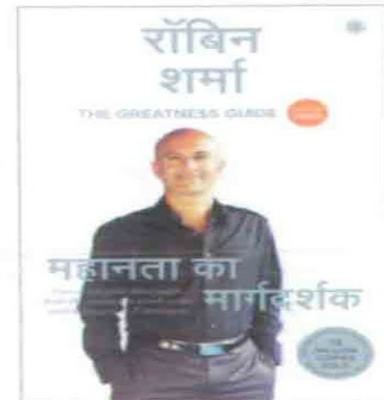
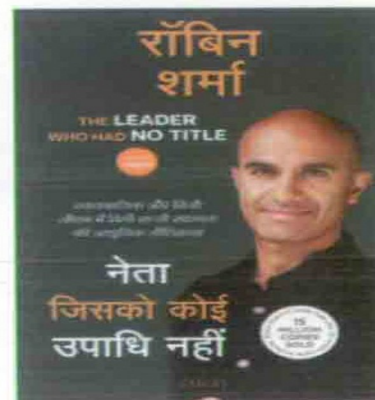
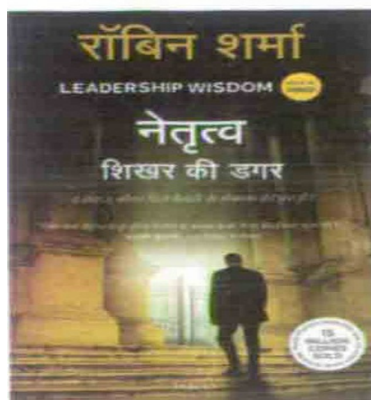
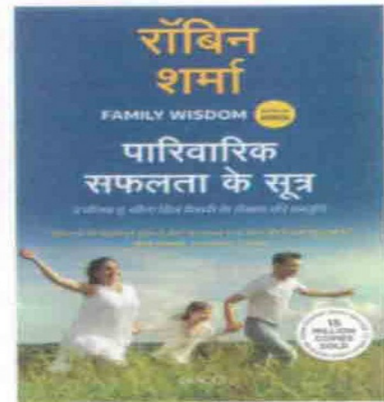
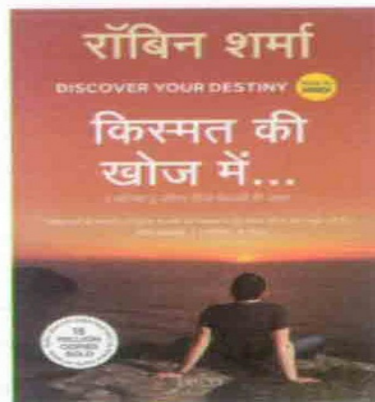
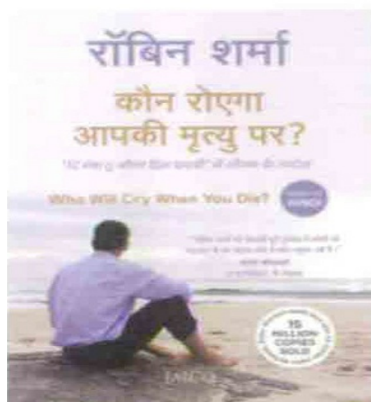
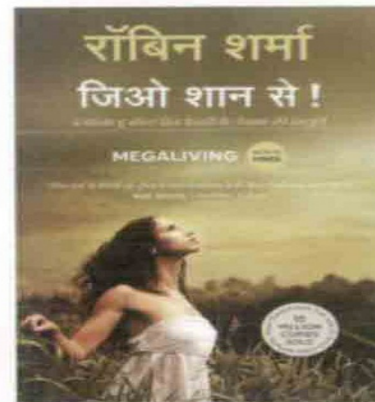
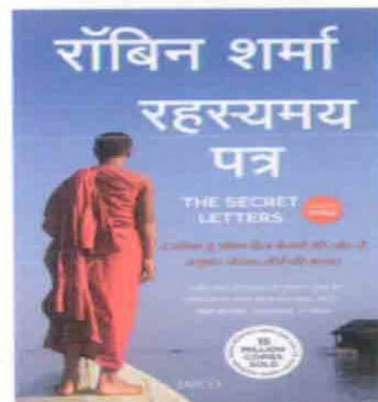
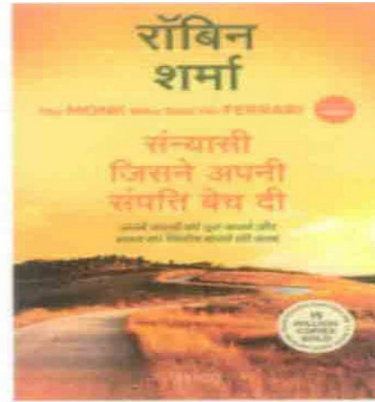
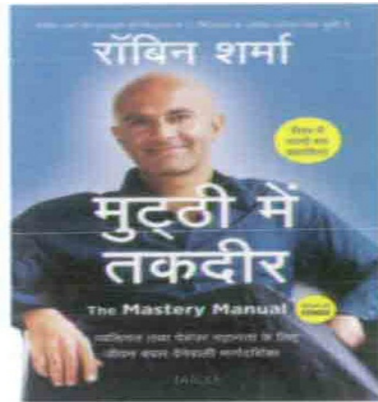
JAICO PUBLISHING HOUSE
Elevate Your Life. Transform Your World.

१९४६ में स्थापित जयको पब्लिशिंग हाउस एक ऐसी प्रकाशक संस्था है जिसने मशहूर लेखक श्री श्री परमहंस योगानंद, ओशो, रॉबिन शर्मा, दीपक चोपड़ा, स्टीफन हॉकिंग, एकनाथ ईश्वरन सर्वपल्ली राधाकृष्णन, निराद चौधरी, खुशवंत सिंह, मुल्क राज आनंद, जॉन मैक्सवेल, क्लेन बेनचार्ड और ब्रायन ट्रेसी जैसे लेखकों की किताबें प्रकाशित की हैं। हमारी सूची में २००० से ज्यादा किताबें शामिल हैं, जो देश में सबसे ज्यादा विविध विषयों पर किताबें रखने वाली संस्था है। इनमें धर्म, आध्यात्मिक, मन शरीर पवित्र आत्मा, स्वयं-मदद, व्यावसायिक, खानपान, हास्यपरक, कैरियर, खेल, आत्मकथा, फिक्शन और विज्ञान विषय शामिल हैं।

जयको ने अपने क्षितिज का विस्तार शैक्षणिक और व्यावसायिक पुस्तकों, प्रबंधन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की किताबों के व्यापार में अग्रणी प्रकाशक के रूप में किया है। हमारे महाविद्यालय स्तर के पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ शीर्षक देशभर के छात्र कर रहे हैं। हमारे शैक्षणिक और व्यावसायिक किताबों की सफलता काफी हद तक हमारे शैक्षणिक और कॉर्पोरेट बिक्री प्रभागों के प्रयासों के कारण है।

स्वर्गीय श्री. जमन शाह ने पुस्तक वितरण कंपनी के रूप में जयको की स्थापना की। स्वतंत्रता आंदोलन चल रहा था इसलिए उन्होंने अपनी कंपनी को जयको (हिंदी में जय का मतलब जीत) नाम दिया। विकसनशील देशों में किताबों की उल्लेखनीय मांग को देखते हुए श्री. शाह ने खुद ही किताबें प्रकाशित करने का फैसला किया। जयको देश की पहली प्रकाशन कंपनी है जिसने अंग्रेजी भाषा की पेपरबैक पुस्तकें प्रकाशित की।

अपनी किताबों के प्रकाशक और वितरक होते हुए जयको ने मैकग्रा हिल, पियर्सन, सेंगेज लर्निंग, जॉन वाइली और एल्सवेयर साइंस इन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की पुस्तकें वितरित करने का काम शुरू किया। मुंबई में मुख्यालय के साथ, जयको के बिक्री कार्यालय अमदाबाद, बैंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और लखनऊ में भी हैं। चालीस अधिकारियों से अधिक की बिक्री टीम, डाइरेक्ट मेल आर्डर डिवीजन और वेबसाइट सुनिश्चित करती है कि हमारी किताबें प्रभावी ढंग से देश के सभी शहरी और ग्रामीण इलाकों तक पहुंचें।



For more information visit www.jaicobooks.com

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सर्वाधिक बिकनेवाली पुस्तकों में एक 'महानता का मार्गदर्शक' के इस बहुप्रत्याशित उत्तरखंड में रॉबिन शर्मा अपने उन उल्लेखनीय अंतर्दृष्टियों और साधनों को पाठकों से साझा करते हैं, जिन्होंने नेतृत्व और व्यक्तिगत सफलता के क्षेत्र में उन्हें विश्व का सर्वाधिक विश्वस्त परामर्शी बना दिया है। यह शक्तिशाली मार्गदर्शक, जो पाठकों को सचमुच अविस्मरणीय रूप से विवश करता है तथा उन्हें बांधे रखता है, निम्न बिन्दुओं पर आपकी सहायता करेगा:

- व्यवसाय और जीवन में विश्वस्तरीय होना
- विस्मयकारी सफलता के सर्वोत्तम सृजन की कला सीखना
- असाधारण बनने हेतु अपने हित आवश्यक प्रेरणा, उत्कटता एवं उमंग पाना
- प्रसन्नता और अधिकाधिक आनंद पाना
- कठिन घड़ियों से साहस और शालीनता के साथ निबटना
- अपने पेशेवर तथा व्यक्तिगत जीवन को सरल बनाना

'महानता का मार्गदर्शक २' के पृष्ठों में, जिनमें "इतने अच्छे बनें कि कोई आपकी अनदेखी न कर सके," "एक विशिष्ट ब्रांड बनें," "पाने के लिए मांगें," "शीघ्र विफल हों," तथा "एक गहन जीवन जिएं" शामिल हैं, आप असामान्य परामर्श प्राप्त करेंगे जो आपको उत्साहित करेगा, आपमें शक्ति का संचार करेगा तथा आपका उत्थान करेगा।

'महानता का मार्गदर्शक २', जो विभिन्न अंशों में उत्कृष्टता का घोषणापत्र, व्यवसाय में निपुणता की निर्देशिका एवं एक प्रेरक साथी है, रॉबिन शर्मा के नवीनतम चिंतन के निचोड़ को आपके लिए १०१ सरल किंतु शक्तिशाली पाठों में सहेजता है। ये शानदार ढंग से काम करने एवं सुंदरता से जीने में आपके लिए सहायक सिद्ध होंगे।

**विश्वस्तरीय बनने की प्रक्रिया बस, एक पग से प्रारंभ होती है।
इसे आज ही आरंभ करें।**

रॉबिन शर्मा, 'द मौक हू सोल्ड हिज़ फरारी' के साथ अपनी पहचान बनाने वाले इस समय 15 बेस्टसेलिंग पुस्तकों के लेखक हैं। लगभग 75 भाषाओं में, उनकी पुस्तकों की 15 मिलियन से अधिक प्रतियाँ बिक चुकी हैं, वे शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल इंक के संस्थापक भी हैं, यह एक प्रशिक्षण संस्था है, जो संगठनों के कर्मचारियों को 'बिना किसी टाइटल के नेतृत्व करना' सिखाती हैं। फॉर्च्यून 500 कंपनियों के सीईओ, रॉकस्टार्स, टॉप उद्यमियों तथा राजघरानों से जुड़े लोगों ने उनके काम को सराहा और माइक्रोसॉफ्ट, स्टारबक्स, कोका कोला व नासा आदि कंपनियाँ उनके ग्राहकों में शामिल हैं।

www.robinsharma.com

प्रेरणा का सतत प्रवाह प्राप्त करने के लिए फेसबुक पर रॉबिन शर्मा का अनुसरण करें।

Elevate Your Life. Transform Your World.

JAICO BOOKS

www.jaicobooks.com

Self-Help

ISBN-13: 978-81-8495-313-2

J-1750H

